



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 10]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 9, 1974/फाल्गुन 18, 1895

No. 10]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 9, 1974/PHALGUNA 18, 1895

इस भाग से चिन्ह पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रन्थ संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this part in order that it may be filed as a separate compilation

## भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

## PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(राजा मंद्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंद्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये सांबिधिक आदेश और प्रधिसूचनाएं

**Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India  
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities  
(other than the Administrations of Union Territories)**

भारत निर्वाचन प्रायोग

ELECTION COMMISSION OF INDIA

आवेदन

ORDER

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1974

New Delhi, the 28th January, 1974

का. प्रा. 642.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि 1972 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 40-फुलेरा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रामप्रवतार, राजा बाजार, बाई नं. 3, फुलेरा, जिला जयपुर (राजस्थान) न्योट प्रति-निधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

श्री, यतः उक्त, उम्मीदवार ने, उसे सम्पर्क सूचनाएं दिए जाने पर भी, अपनी हस्त मकानता के लिए कोई कारण प्रथम स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन प्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास हस्त मकानता के लिए कोई वर्याचारण या न्यायोचित नहीं है;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन प्रायोग एतद्वारा उक्त श्री रामप्रवतार को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य न्यूने जाने श्रीर होने के लिए इस आवेदन की तारीख में तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वित घोषित करता है।

[सं. राज०-वि० सं/40/72(27)]

[No. RJ-LA/40/72(27)]

## आदेश

नई दिल्ली 30 जनवरी, 1974

**का. आ. 643.**—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1971 में हुए लोक सभा के लिए माध्यराण निर्वाचन के लिए चादनी चौक मंगदीप निर्वाचन-धैरज से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जुल्फीकार अरणी 11/827 हवेशी आजमबान, दिल्ली लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा नदीयीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्यर्थों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी हस्त असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास हस्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है;

अत शब्द, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसार में निर्वाचन आयोग एन्डद्वारा उक्त श्री जुल्फीकार अली को संमत के किसी भी सदत के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के संसद्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वाचित घोषित करता है।

[सं० दिल्ली-स०० स०/५/७१ (८)]

## ORDER

New Delhi, the 30th January, 1974

**S.O. 643.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Zulfiqar Ali, 11/827, Haveli Azam Khan, Delhi a contesting candidate for General Elections to the House of the People held in March, 1971 from Chandni Chowk Parliamentary Constituency has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

2. And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

3. Now therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Zulfiqar Ali to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. DL-HP/5/71(8)]

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1974

**का. आ. 644.**—लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत निर्वाचन आयोग, आनंद प्रवेश सरकार के परामर्श से, श्री आर०विठ्ठल राव, अपर सुख सचिव, आनंद प्रवेश सरकार को श्री एस०ए० काशर के स्थान पर आनंद प्रदेश के मुख्य निर्वाचन आकिसर के रूप में 30 जनवरी 1974 पूर्वाह्न से भगले आवेदनों तक एन्डद्वारा नामनिर्देशित करता है।

[सं० 154/आ०प्र०/74]

श्री० एन० भारद्वाज, सचिव

New Delhi, the 19th February, 1974

**S.O. 644.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Andhra Pradesh, hereby nominates Shri R. Vithal Rao, Additional Chief Secretary to the Government of Andhra Pradesh

as the Chief Electoral Officer for the State of Andhra Pradesh with effect from the forenoon of the 30th January, 1974 and until further orders vice Shri S. A. Quader,

[No. 154/AP/74]

B. N. BHARDWAJ, Secy.

## आदेश

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 1974

**का. आ. 645.**—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए 210-पालीगंज निर्वाचन-धैरज से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री विश्वनाथ प्रसाद गुप्ता श्राम व पौ० शंकरपुर दमांगंज, जिला पटना (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा नदीयीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित मीति से अपने निर्वाचन व्यर्थों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है;

अत शब्द, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसार में निर्वाचन आयोग एन्डद्वारा उक्त श्री विश्वनाथ प्रसाद गुप्ता को संमत के किसी भी सदत के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के संसद्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वाचित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०म०/210/72(42)]

## ORDER

New Delhi, 14th February, 1974

**S.O. 645.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bishwanath Pd. Gupta, Village & P. O. Shankarpur Imamganj, District Patna who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 210-Paliganj constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bishwanath Pd. Gupta to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/210/72(42)]

## आदेश

**का. आ. 646.**—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 210 पालीगंज निर्वाचन-धैरज से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम लखन मिहू श्राम केशोपुर, पौ० शंकरपुर, जिला पटना (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम 1951 तथा नदीयीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्यर्थों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया

है, और, निर्बाचित आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस प्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोंचित नहीं है;

**प्रत:** श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-A के अनुसरण में निर्बाचित आयोग एनडब्ल्यूए उक्त श्री राम लखन मिहू को संमाद के फिर्मी भी सदन के या किसी गज्ज की विधान-मभा अथवा विधान परिषद के मद्दस्य चुने जाने और होते के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्गत घोषित करता है।

[सं० विद्वार-वि० सं० /210/72(43)]

ए० एन० सेन, मचिव

### ORDER

**S.O. 646.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Lakhan Singh, Village Keshopur, P.O. Akbarpur, District Patna (Bihar) who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 210-Paliganj constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Lakhan Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/210/72(43)]

A. N. SEN, Secy.

विधि, न्याय एवं सम्बन्धीय कार्य संसालय

(न्याय विभाग)

संसद प्राधिकारी का कार्यालय

नई दिल्ली, 25 जनवरी, 1974

नोटिस

**का० आ० 647.**—इसके द्वारा लेख्य प्रमाणक नियम (नोटिस इन्स्ट्रुक्शन) 1956 के नियम 6 के अनुसार सधम प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्राधिकारी को श्री अमर चन्द दत्त, एडब्ल्यूएट 12 गवर्नरमेंट प्लैस हिस्ट कलकत्ता-1 ने उक्त नियमों के नियम 4 के अधीन कलकत्ता में लेख्य प्रमाणक (नोटिस) का काम करने की नियुक्ति के लिए आवेदन-पत्र भेजा है।

उक्त व्यक्ति की लेख्य प्रमाणक के स्थान में नियुक्ति के बारे में यदि कोई आपत्तियाँ हों तो वे इस नोटिस के प्रकाशित होने के चौदह दिन के अंदर नीचे हस्ताक्षर करने वाले को लिख कर भेज दिये जायें।

[संख्या 22/51/73-न्याय]

के न्यायराजन, सधम प्राधिकारी और उप-मचिव

### MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Justice)

Office of Competent Authority

New Delhi, the 25th February, 1974

### NOTICE

**S.O. 647.**—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Amar Chand Dutt,

Advocate, No. 12 Government Place, East, Calcutta-1 for appointment as a Notary to practise in Calcutta.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 22/51/73-JUS]  
K. THYAGARAJAN, Competent Authority  
and Dy. Secy.

वित्त संसालय

(राजस्व और शोभा विभाग)

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1974

(आय-कर)

**का० आ० 648.**—आय वार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के छान्ड (44) के उपांठ (iii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार सर्वे श्री पी० बी० ग्रोष्या और ज० एन० प्रसाद को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रिन अधिकारी हैं, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना 25 जनवरी 1974 से प्रभावी होगी।

[सं० 545 (फा० सं० 404/16/74 (आई टी सी सी))  
ए० एन० नम्बियार, अवर मचिव

### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

New Delhi, the 23rd January, 1974

### INCOME TAX

**S.O. 648.**—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of Clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises S/Shri P. B. Audhya and J. N. Prasad who are Gazetted Officers of the Central Government to exercise the Powers of Tax Recovery Officers under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from 25th January, 1974.

[No. 545 (F. No. 404/16/74-ITCC)]  
M. N. NAMBIAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 1974

(आय-कर)

**का० आ० 649.**—केन्द्रीय सरकार, आय-कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80G की उपधारा (2) (ब) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, श्री कुडल मानिककोम मदिर इरीनजालाकुडा, केरल को, उक्त धारा के प्रयोगनों के लिए केरल राज्य और देश के अन्य राज्यों में सर्वेक्ष विधान सोक पूजा का स्थान अधिसूचित करती है।

[सं० 552 : फा० सं० 176/6/74-आ०क० (पा०)]  
बी० बी० श्रीनिवासन, अवर मचिव

New Delhi, the 4th February, 1974

### (INCOME-TAX)

**S.O. 649.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (2)(b) of Section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies Shree Koodal Manick Temple, Irinjalakuda, Kerala to be a place of public worship of renown throughout the State of Kerala and other States in the country for the purposes of the said section.

[No. 552 : F. No. 176/6/74-IT(AI)]  
V. B. SRINIVASAN, Under Secy.

## (बैंकिंग विभाग)

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1974

**का. आ. 650.**—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 के खण्ड 8 के उपखण्ड (1) के मायथ पठित खण्ड 3 के उपखण्ड (क) के प्रनुसरण में केन्द्रीय सरकार, भारत के रिजर्व बैंक से परामर्श करके, श्री श्री० एन० अदारकर को, जिसे 21 फरवरी, 1974 से बैंक बैंक इंडिया के प्रबन्ध निदेशक पुनः नियुक्त किया गया है, उसी तारीख से सेन्ट्रल बैंक बैंक इंडिया के निदेशक थोड़े का अध्यक्ष नियुक्त करनी है।

[सं० का० 9/1/74-श्री० एन० ओ० I-1]

## (Department of Banking)

New Delhi, the 19th February, 1974

**S.O. 650.**—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3, read with sub-clause (1) of clause 8, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby reappoints Shri B. N. Adarkar as the Managing Director of Central Bank of India for a further period commencing on 21st February, 1974 and ending with 31st March, 1974.

[No. F. 9/1/74-BO. I-1]

**का. आ. 651.**—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 के खण्ड 7 के मायथ पठित खण्ड 5 के उपखण्ड (1) के प्रनुसरण में केन्द्रीय सरकार, भारत के रिजर्व बैंक से परामर्श करके पश्चात् श्री श्री० एन० अदारकर को, जिसे 21 फरवरी, 1974 से बैंक बैंक इंडिया के प्रबन्ध निदेशक पुनः नियुक्त किया गया है, उसी तारीख से सेन्ट्रल बैंक बैंक इंडिया के निदेशक थोड़े का अध्यक्ष नियुक्त करनी है।

[सं० का० 9/1/74-श्री० एन० ओ० I-2]  
एन० सी० सेन गुप्त, सचिव

**S.O. 651.**—In pursuance of sub-clause (1) of clause 5, read with clause 7, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri B. N. Adarkar who has been reappointed as Managing Director of Central Bank of India with effect from 21st February, 1974 to be the Chairman of the Board of Directors of Central Bank of India with effect from the same date.

[No. F. 9/1/74-BO. I-2]  
N. C. SEN GUPTA, Secy.

## रिजर्व बैंक बैंक इंडिया

## (इण्ठ विभाग)

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1974

**का. आ. 652.**—रिजर्व बैंक बैंक इंडिया अधिनियम, 1934 के प्रनगरण में करवरी 1971 की 15 तारीख को ममाल्ह द्वारा सत्ताह के लिए लेन्द्रा

देयताएं	रुपये	रुपये	आस्तियां	रुपये	रुपये
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट	38,25,36,000		माने का मिक्का और बूलियन :-		
संचलन में नोट	5989,94,49,000		(क) भारत में रखा हुआ	182,53,05,000	
			(ख) भारत के बाहर रखा हुआ	..	
			विदेशी प्रतिशूलियां	101,73,97,000	
जारी किये गये कुल नोट	6028,19,85,000		जोड़	284,27,02,000	
			रुपये का मिक्का	8,60,67,000	
			भारत सरकार की रुपया		
			प्रतिशूलियां	5735,32,16,000	
			देशी विनियम बिल और दूसरे		
			वाणिज्य-पत्र	..	
कुल देयताएं	6028,19,85,000		कुल आस्तियां	6028,19,85,000	

तारीख 20 फरवरी, 1974

एस० जगन्नाथन, गवर्नर

15 फरवरी 1974 को रिजर्व बैंक आफ इंडिया के बैंकिंग विभाग के बायंकलाप का विवरण

देयताएँ	रुपये	प्राप्तियाँ	रुपये
चुकता पूँजी	5,00,00,000	नोट . .	38,25,36,000
प्रारंभित निधि	150,00,00,000	रुपये का सिक्का	2,69,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (वीर्धकालीन क्रियाएँ) निधि	239,00,00,000	खरीदे और भुनाये गये बिल (क) देशी	3,24,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि	85,00,00,000	(ब्र) विदेशी	188,39,57,000
राष्ट्रीय आंशोगिक ऋण (वीर्धकालीन क्रियाएँ) निधि	205,00,00,000	(ग) सरकारी खजाना बिल विदेशों में रखा हुआ बकाया	330,23,14,000
जमा राशियाँ:—		निवेश**	253,49,07,000
(क) सरकारी		ऋण और अधिम:—	241,79,27,000
(i) केन्द्रीय सरकार	50,43,36,000	(i) केन्द्रीय सरकार को	..
(ii) राज्य सरकारें	8,24,53,000	(ii) राज्य सरकारों को @	90,01,00,000
(ख) बैंक		ऋण और अधिम:—	
(i) अनुमूलित वाणिज्य बैंक	687,12,35,000	(i) अनुमूलित वाणिज्य बैंकों को	295,14,00,000
(ii) अनुमूलित राज्य सहकारी बैंक	15,42,66,000	(ii) राज्य सहकारी बैंकों को #	282,76,78,000
(iii) गैर अनुमूलित राज्य सहकारी बैंक	1,19,45,000	(iii) दूसरों को	4,94,95,000
(iv) अन्य बैंक	55,09,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (वीर्धकालीन क्रियाएँ) निधि से ऋण, अधिम और निवेश	
		(क) ऋण और अधिम:—	
		(i) राज्य सरकारों को	66,65,26,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को	19,93,70,000
		(iii) केन्द्रीय भूमि बंधक बैंकों को	..
		(iv) कृषि पुनर्वित निगम को	39,00,00,000
(ग) अन्य	72,15,23,000	(ख) केन्द्रीय भूमि बंधक बैंकों के डिबंगरों में निवेश	11,26,36,000
देय बिल	127,53,10,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अधिम राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अधिम	55,77,96,000
अन्य देयताएँ	499,66,70,000	राष्ट्रीय आंशोगिक ऋण (वीर्धकालीन क्रियाएँ) निधि से ऋण, अधिम और निवेश	
		(क) विकास बैंक को ऋण और अधिम	151,10,59,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांड/डिबंगरों में निवेश	..
		अन्य प्राप्तियाँ	77,49,53,000
	2146,32,47,000		2146,32,47,000

नकर्वी, आवधिक जमा और प्रतिभूतियाँ शामिल हैं।

\*\*राष्ट्रीय कृषि ऋण (वीर्धकालीन क्रियाएँ) निधि और राष्ट्रीय आंशोगिक ऋण (वीर्धकालीन क्रियाएँ) निधि में से किये गये निवेश शामिल नहीं हैं।

@राष्ट्रीय कृषि ऋण (वीर्धकालीन क्रियाएँ) निधि से प्रदत्त ऋण और अधिम शामिल नहीं है, परन्तु राज्य सरकारों को दिये गये अस्थायी ओबरस्ट्राफ्ट शामिल है।

†रिजर्व बैंक आफ इंडिया अधिनियम की धारा 17(4)(ग) के अधीन अनुमूलित वाणिज्य बैंकों को भीयादी बिलों पर अधिम दिये गये 32,00,00,000 रुपये शामिल हैं।

‡राष्ट्रीय कृषि ऋण (वीर्धकालीन क्रियाएँ) निधि और राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि में प्रदत्त ऋण और अधिम शामिल नहीं हैं।

## RESERVE BANK OF INDIA

New Delhi, 23rd February, 1974

S.O. 652.—An Account pursuant to the Reserve Bank of India Act, 1934, for the week ended the 15th day of February 1974

## (ISSUE DEPARTMENT)

LIABILITIES	Rs.	RS.	ASSETS	Rs.	Rs.
Notes held in the Banking Department	38,25,36,000		Gold Coin and Bullion:		
Notes in circulation	5989,94,49,000		(a) Held in India	182,53,05,000	
Total Notes issued	6028,19,85,000		(b) Held outside India	..	
Total Liabilities	60,28,19,85,000		Foreign Securities	101,73,97,000	
Dated the 20th day of February 1974.			Total	284,27,02,000	
			Rupee Coin	8,60,67,000	
			Government of India Securities	5735,32,16,000	
			Internal Bills of Exchange and other commercial paper	..	
			Total Assets	6028,19,85,000	

S. JAGANNATHAN, Governor

## Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 15th February 1974

LIABILITIES	Rs.	ASSETS	Rs.
Capital Paid up	5,00,00,000	Notes	38,25,36,000
Reserve Fund	150,00,00,000	Rupee Coin	2,69,000
National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	239,00,00,000	Small Coin	3,24,000
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	85,00,00,000	Bills Purchased and Discounted:	
National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	205,00,00,000	(a) Internal	188,39,57,000
Deposits:		(b) External	
(a) Government	50,43,36,000	(c) Government Treasury Bills	330,23,14,000
(i) Central Government	8,24,53,000	Balance Held Abroad*	253,49,07,000
(ii) State Governments		Investments**	241,79,27,000
(b) Banks		Loans and Advances to:	
(i) Scheduled Commercial Banks	687,12,35,000	(i) Central Government	
(ii) Scheduled State Co-operative Banks	15,42,66,000	(ii) State Governments@	90,01,00,000
(iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,19,45,000	Loans and Advances to:	
(iv) Other Banks	55,09,000	(i) Scheduled Commercial Banks†	2,95,14,00,000
(c) Others	72,15,23,000	(ii) State Co-operative Banks‡	2,82,76,78,000
Bills Payable	127,53,10,000	(iii) Others	4,94,95,000
Other Liabilities	499,66,70,000	Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	
RUPEES	2146,32,47,000	(a) Loans and Advances to:	
* Includes Cash, Fixed Deposits and Short-term Securities.		(i) State Governments	66,65,26,000
** Excluding Investments from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.		(ii) State Co-operative Banks	19,93,70,000
@Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund, but including temporary overdrafts to State Governments.		(iii) Central Land Mortgage Banks	39,00,00,000
† Includes Rs. 32,00,00,000 advanced to scheduled commercial banks against usance bills under Section 17(4)(c) of the Reserve Bank of India Act.		(iv) Agricultural Refinance Corporation	11,26,36,000
‡ Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.		(b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	55,77,96,000
Dated the 20th day of February 1974.		Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	
		(a) Loans and Advances to the Development Bank	151,10,59,000
		(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	
		Other Assets	77,49,53,000
		RUPEES	2146,32,47,000

[No F. 10(1)/74 B.O.I]

S. JAGANNATHAN, Governor.

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1974

**का० फा० 653—बैंकिंग विनियमन प्रतिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पर्याप्त धारा 53 के अधीन प्रदत्त महिलाओं का प्रयोग करने हुए, भारतीय रिजर्व बैंक की मिकारिश पर केंद्रीय सरकार एनडब्ल्यूआर घोषित करती है कि उक्त प्रतिनियम की धारा 31 के उपबंध और बैंकिंग विनियमन (महाराष्ट्र महिलाओं) नियमाबली, 1966 का नियम 10 'थाना जनता सहकारी बैंक लिमिटेड' थाना पर उस सीमा तक लागू नहीं होगे जहाँ तक कि उनका संबंध १८ बैंक द्वारा 30-६-१९७३ को समाप्त होने वाले वर्ष के बारे में अपने तत्वन-पत्र, साम और द्वाने लेखे और लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट को समाचार पत्र में प्रकाशित करने से है।**

[सं० फा० 8/2/74-हिंदू रुपरित]

कृ० भवानी, अवर सचिव

New Delhi, the 19th February 1974

**S.O. 653.**—In exercise of the powers conferred by the section 53 read with section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of section 31 of the said Act and Rule 10 of the Banking Regulation (Co-operative Societies) Rules, 1966 shall not apply to the Thane Janata Sahakari Bank Ltd., Thana in so far as they relate to the publication of its balance sheet, profit and loss account for the year ended the 30 June, 1973, together with the auditor's report in a newspaper.

[No. F. 8/2/74-AC]

K. BAVANI, Under Secy.

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1974

निर्देश सं० फा० 9-4(32)/72-बी०ओ०-१ (जित्र 3)-४, भारीत्व 4, दिसम्बर, 1972

**का० फा० 654**—केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के अंडे 3 के अनुसरण में, भारतीय रिजर्व बैंक से के पश्चात् निम्नलिखित व्यक्तियों को, 7 फरवरी, 1974 को प्रारंभ होने परामर्श द्वारा 10 विसम्बर, 1975 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए बैंक आफ महाराष्ट्र के निदेशकों के स्पष्ट में नियुक्त करती है:—

1. श्री एम० आर० कुलकर्णी, उद्येष्ठ अंडे 3 के उपर्यांड (ग) के अनुसरण में—  
श्रीमती नगर शास्त्रा, सिण्हायकेट बैंक, बंगलौर  
मुम्बई।
2. डा० के० ग० भाष्वलकर, नागपुर  
उक्त बैंक के निदेशकों के लितो का प्रतिनिधित्व करना।
3. श्री एस० डी० पाटिल यूक्लन-इस्लामपुर, जिला सांगली (महाराष्ट्र राज्य)  
उक्त बैंक के हितों का प्रतिनिधित्व करना।
4. श्री हनुमंत वामुदेव, कृष्णर, पुना। अंडे 3 के उपर्यांड (ङ) के अनुसरण में—  
काशीगरों के हितों का प्रतिनिधित्व करना।
5. डा० (श्रीमती) मलभ बाहमे, अंडे 3 के उपर्यांड (घ) के अनुसरण में—  
गोद्वाले राजनीतिक और प्राधिक संस्थान, पुना।

[सं० फा० 9-4/49/73-बी० ओ०-१-१३]

सी० इच्छ्य० मीरचन्दानी, अवर सचिव

New Delhi, 7th February, 1974

Ref: No. F. 9-4(32)/72-BOI-(Vol. III)-4 dated the 4th December, 1972.

**S.O. 654**—In pursuance of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints the following persons to be the Directors of Bank of Maharashtra, for the period commencing on 7th February, 1974 and ending with 10th December, 1975:—

- |   |  |
|---|--|
| 1. Shri M. R. Kulkarni,   | Representing the employees of Senior Officer, Asstt. General Manager's Office Bank of Maharashtra, Bombay. |
| 2. Dr. K.S. Yawalkar,   | Representing the interests of depositors of the said Bank—in pursuance of sub-clause (d) of clause 3.      |
| 3. Shri S.D. Patil,   | Representing the interests of farmers—in pursuance of sub-clause (e) of clause 3.                          |
| 4. Shri Hanumant Vasudeo Kuber, Poona.  | Representing the interests of artisans—in pursuance of sub-clause (e) of clause 3.                         |
| 5. Dr. (Mrs.) Sulabha Brahme, Gokhale Institute of Politics and Economics, Poona. | —in pursuance of sub-clause (f) of clause 3.   |

[No. 9-4/49/73-BO. I-13]  
C.W. MIRCHANDANI, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 1974

निर्देश सं० फा० 9-4(32)/72-बी०-१ (जित्र 3) -४  
तारीख 4 दिसम्बर, 1972

**का० फा० 655.**—केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम 1970 के अंडे 3 के अनुसरण में, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् निम्नलिखित व्यक्तियों को, 15 फरवरी, 1974 को प्रारंभ होने वाली और 10 दिसम्बर, 1975 को समाप्त होने वाली मिण्डीकेट बैंक के निदेशकों के स्पष्ट में नियुक्त करती है:—

- |                                 |   |
|---------------------------------|---|
| 1. श्री जे० य० प्रभ,            | अंडे 3 के उपर्यांड (ग) के अनुसरण में—उक्त बैंक के ऐसे कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करना, जो कर्मकार नहीं है। |
| 2. श्री स्वामीनाथ रेडी,         | अंडे 3 के उपर्यांड (घ) के अनुसरण में—उक्त बैंक के निदेशकों के हितों का प्रतिनिधित्व करना।                   |
| 3. श्री य० के० मुद्देश्या,      | अंडे 3 के उपर्यांड (ङ) के अनुसरण में—कृषकों के हितों का प्रतिनिधित्व करना।                                  |
| 4. श्री बी० के० कपूर,           | अंडे 3 के उपर्यांड (च) के अनुसरण में—   |
| 5. डा० एम० शी० मीहम्मद,         | पृथुर,<br>जिला-विधायिका कमांडा<br>(कण्ठिक राज्य),   |
| 6. डा० एन० शी० बिनीगिरी रंगेया, | गड्डवोकेट,<br>बंगलौर।   |

[सं० फा० 9-4/49/73-बी० १-९]

New Delhi, 15th February, 1974

Ref: No. F. 9-4(32)/72-BOI-(Vol. III)-4 dated the 4th December, 1972.

**SO.655.**—In pursuance of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints the following persons to be the Directors of Syndicate Bank, for the period commencing on 15th February, 1974 and ending with 10th December, 1975:—

- |   |  |
|---|--|
| 1. Shri J.U. Prabhu,<br>Manager, Gandhi Nagar<br>Branch, Syndicate Bank,<br>Bangalore.                    | Representing the employees of<br>the said Bank who are not<br>workmen—in pursuance of<br>sub-clause (c) of clause 3. |
| 2. Shri Swaminatha Reddy,<br>Managing Director,<br>Andhra Pradesh State<br>Financial Corp.,<br>Hyderabad. | Representing the interests of<br>depositors of the said Bank<br>in pursuance of sub-clause (d)<br>of clause 3.       |
| 3. Shri U.K. Subbaiah,<br>Kalasa Farm,<br>White-field, Distt.<br>Bangalore, (Karnataka<br>State).         | Representing the interests of<br>farmers—in pursuance of sub-<br>clause (e) of clause 3.                             |
| 4. Shri B.K. Kapur, Delhi.  | —in pursuance of sub-clause (f)<br>clause 3.   |
| 5. Dr. M.B. Mohamad,<br>Puthur, Distt. South<br>Kanara (Karnataka State).                                 | } in pursuance of sub-clause (f)<br>of clause 3.   |
| 6. Dr. N.C. Biligiri<br>Rangaiah, Advocate,<br>Bangalore.   |  |

[No. F.9-4/49/73-BO.I-9]

ਮਿਦੋਸ : ਸੱਤ ਫਾਰਾ 9-4(32)/72-ਕੀਂ ਓਹੋ 1-(ਜਿਲ੍ਹ 3)-4,  
ਨਾਰੀਅਤ 4 ਦਿਸੰਬਰ, 1972

का० आ० 656.—केन्द्रीय मण्डार, राष्ट्रीय कृषि बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के छांड 3 के अनुमतिशासन में, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् निम्नलिखित व्यक्तियों को, 15 फरवरी, 1974 को प्रारम्भ होने वाली और 10 दिसंबर, 1975 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए इंडियन बैंक के निदेशकों के स्पष्ट में नियुक्त करसी हैं:—

1. श्री एम० गोपाल कृष्णन,  
प्रबन्धक,  
इंडियन बैंक  
मुख्य कार्यालय,  
मद्रास।
  2. श्री पी० कृष्णस्वामी,  
मद्रास।
  3. श्री एम० तीथाराम डास,  
एसुल,  
(आध प्रवेश)
  4. श्री बी० गणपति मतपति,  
गवर्मेंट सकल्पचर,  
ट्रेनिंग मेंटर,  
महाबलीपुरम्,  
(मपिल नाडु)

खंड 3 के उपखंड (ग) के अनुसरण  
में—उक्त बैंक के ऐसे कर्मचारियों  
का प्रतिनिधित्व करना, जो कर्मकार  
नहीं है ।

खंड 3 के उपखंड (घ) के अनुसरण  
में—उक्त बैंक के निषेपकों के हितों  
का प्रतिनिधित्व करना ।

खंड 3 के उपखंड (ङ) के अनुसरण  
में—कृषकों के हितों का प्रति-  
निधित्व करना ।

खंड 3 के उपखंड (ङ) के अनुसरण  
में—कारीगरों के लियों का प्रति-  
निधित्व करना ।

5. श्री एम. गो कमलदीन,  
लघु उद्योगपति,  
पालघाट,  
कर्नाटक।

6. डॉ वी. नदराजन,  
अधिकारी,  
भवानी।

7. श्री सी. प्रभाकरण,  
कोचीन।

खंड 3 के उपखंड (च) के मनुसरण में—

खंड 3 के उपखंड (च) के मनुसरण में—

[सं० ९-४/४९/७३-बी० ओ०-१-१२]

Ref: No. F. 9-4(32)/72-BOI-(Vol. III)-4 dated the 4th December, 1972.

**S. O. 656.**—In pursuance of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints the following persons to be the Directors of Indian Bank, for the period commencing on 15th February, 1974 and ending with 10th December, 1975.—

- |  |  |
|--|--|
| 1. Shri M. Gopalakrishnan,<br>Manager, Indian Bank,<br>Head Office, Madras.                                  | Representing the employees of<br>the said Bank who are not<br>workmen—in pursuance of<br>sub-clause (c) of clause 3. |
| 2. Shri P. Krishnaswamy,<br>Madras   | Representing the interests of<br>depositors of the said Bank—<br>in pursuance of sub-clause (d)<br>of clause 3.      |
| 3. Shri M. Seetharama Dos,<br>Eluru,<br>(Andhra Pradesh).  | Representing the interests of<br>farmers—in pursuance of sub-<br>clause (e) of clause 3.                             |
| 4. Shri V. Ganapati<br>Sthapati, Government<br>Sculpture Training Centre,<br>Mahabalipuram,<br>(Tamil Nadu). | Representing the interests of<br>artisans—in pursuance of sub-<br>clause (e) of clause 3.                            |
| 5. Shri M.A. Kamruddin,<br>Small Scale Industrialist,<br>Palghat, Kerala.                                    | —in pursuance of sub-clause<br>(f) of clause 3.  |
| 6. Dr. B. Natarajan,<br>Economist, Madras.   | —in pursuance of sub-clause<br>(f) of clause 3.  |
| 7. Shri C. Prabhakaran,<br>Cochin.   | —in pursuance of sub-clause<br>(f) of clause 3.  |

[No. 9-4/49/73-BO, I-12]

नई विलासी 21, फरवरी, 1974

काठ आर० ६५७.—निषेप बीमा निगम प्रधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४७) की धारा ६ की उपधारा (१) के खण्ड (ष) के उपलब्धियों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार श्री आर० एम० मेहता, प्रबन्धक निवेशक, भारत का जीवन बीमा निगम, मुम्बई को २१ फरवरी, १९७४ से दो वर्षों की अवधि के लिए निषेप बीमा निगम का निवेशक तियोक्त करती है।

[મો. ફા. ૧૩/૧૦/૭૩-બો. પ્રો-૧]

डी० एम० सुकर्णकर, निदेशक

New Delhi, the 21st February, 1974

**S.O. 657.**—In pursuance of the provisions of clause (d) of sub-section (1) of Section 6 of the Deposit Insurance Corporation Act, 1961 (47 of 1961), the Central Government hereby nominates Shri R. M. Mehta, Managing Director, Life Insurance Corporation of India, Bombay, as Director of the Deposit Insurance Corporation for a period of two years with effect from 21st February, 1974.

[No. F. 13/10/73-BO-I]

D. M. SUKTHANKAR, Director

## केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 1973

## आय कर

का०ओ० 658.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त पाकियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड इसकी प्रथिसूचना सं० 163 (फा० सं० 187/3/70) आईटी (ए आई) तारीख 23 अगस्त, 1972 से संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करता है।

ऋग सं० 2 और 2क के सामने स्तम्भ (1), (2) और (3) के नीचे विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी।

आय कर आयुक्त	मुक्यालय	प्रधिकारिता
(1)	(2)	(3)

2. आन्ध्र प्रदेश-1	हैदराबाद	1) सर्किल 3, हैदराबाद 2) महबूब नगर 3) कुरुक्षेत्र 4) नन्द्याल 5) कम्पनी सर्किल, हैदराबाद 6) बेतन सर्किल, हैदराबाद 7) विशेष सर्किल, 1, हैदराबाद 8) विशेष सर्किल, 2, हैदराबाद 9) परियोजना सर्किल, हैदराबाद। 10) श्रीकाकुलम 11) विजयनगरम। 12) विशाखापतनम। 13) एनाकापल्ली। 14) राजमुन्द्री। 15) अमलपुरम। 16) विशेष सर्किल, 3, हैदराबाद 17) सर्किल-1 काकीनाड़ा। 18) सर्किल-2, काकीनाड़ा। 19) तनकु। 20) पलाकोल। 21) एलुरु। 22) मछलीपटनम। 23) गुड्डीबाड़ा। 24) सम्पदा एवं आय कर सर्किल, हैदराबाद। 25) सम्पदा शुल्क एवं आयकर सर्किल, गुन्टूर। 26) सम्पदा शुल्क एवं आयकर सर्किल, काकीनाड़ा।
2 क. आन्ध्र प्रदेश-2	हैदराबाद	1) सर्किल, 1 हैदराबाद 2) वारंगल 3) खम्पम 4) करीम नगर 5) सर्किल-2, हैदराबाद 6) संगरेही 7) निजामाबाद 8) निमेल

1	2	3
9) निल्लोर		
10) गुन्टूर		
11) विजयवाड़ा		
12) बांपतला		
13) तेनली		
14) अनन्तपुर		
15) हिन्दुपुर		
16) अदोनी		
17) चित्तूर		
18) तिरुपति		
19) प्रोद्धाशूर		
20) कुश्यक्षण्णा		

यह प्रथिसूचना 1 जनवरी, 1974 से प्रवृत्त होगी।

[संख्या 526]

## CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, 24th December, 1973

## INCOME-TAX

S.O. 658.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes, hereby makes the following amendments to the Schedule appended to its Notification No. 163 (F.No. 187/3/70-IT (AI) dated 23rd August, 1972.

Existing entries under columns (1), (2) and (3) against S. No. 2 and 2A shall be substituted by the following entries.

Income-tax Commissioners	Head quarters	Jurisdiction
(1)	(2)	(3)
2. Andhra Pradesh-I	Hyderabad	(1) Circle-III Hyderabad. (2) Mahaboobnagar, (3) Kurnool. (4) Nandyal. (5) Company Circle, Hyderabad. (6) Salary Circle, Hyderabad. (7) Special Circle, I, Hyderabad. (8) Special Circle, II, Hyderabad. (9) Project Circle, Hyderabad. (10) Srikakulam. (11) Vizianagaram. (12) Visakhapatnam (13) Anakapalle. (14) Rajahmundry. (15) Amalapuram. (16) Special Circle III, Hyderabad. (17) Circle-I, Kakinada. (18) Circle-II, Kakinada. (19) Tanuku. (20) Palacole. (21) Eluru. (22) Machilipatnam. (23) Gudivada. (24) Estate-cum-I.T. Circle, Hyderabad. (25) Estate Duty cum I.T. Circle, Guntur.

1	2	3	1	2	3
		(26) Estate Duty-cum-I.T. Circle, Kakinada.			10. रोहतक।
2A. Andhra Pradesh II	Hyderabad	(1) Circle-I, Hyderabad. (2) Warangal. (3) Khammam. (4) Karimnagar. (5) Circle-II, Hyderabad. (6) Sangareddy. (7) Nizamabad. (8) Nirmal. (9) Nellore. (10) Guntur. (11) Vijayawada. (12) Bapatla. (13) Tenali. (14) Anantapur. (15) Hindupur. (16) Adoni. (17) Chittoor. (18) Tirupati. (19) Proddatur. (20) Cuddapah.			11. कम्पनी वार्ड, रोहतक। 12. मोनीपत। 13. गुडगांव। 14. नारसील। 15. दिवाड़ी। 16. मिरसा। 17. हिसार। 18. जीन्व। 19. फरीदाबाद। 20. सम्पदा शुल्क एवं आयकर संकिल, गुडगांव। 21. अम्बाला। 22. करनाल। 23. पानीपत। 24. यमुनानगर। 25. शिमला। 26. मंडी। 27. कांगड़ा, छम्ब, हमीरपुर और ऊना जिले, पठानकोट।
		This notification shall take effect from 1st January, 1974. [No. 526]			

नई विस्ती, 28 दिसम्बर, 1973

## आयकर

का० आ० 659.—आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त विविधों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय प्रश्नकार बोर्ड, भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपकाण्ड (ii) तारीख 11 मई, 1963 के पृष्ठ 1454—1458 पर का० आ० 1293 के रूप में प्रकाशित समय-समय पर यथा संशोधित अपनी मधिसूचना सं० 20 (का० सं० 55/1/62-आई टी) तारीख 30 अप्रैल, 1963 से संलग्न मनुस्की भौमि में सम्मिलित संशोधन करता है:—

का० सं० 13 और 13क के सामने स्तम्भ (1), (2) और (3) के नीचे विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर तिम्मलिंगित प्रविष्टियों रखी जाएगी:—

आयकर आयकर	मुद्यालय	भ्रष्टिकारिता
1	2	3
13. पटियाला	पटियाला	1. जिला 1 और 2, पटियाला। 2. सम्पदा शुल्क एवं आयकर संकिल, पटियाला। 3. संग्रहर। 4. करनाल। 5. मलेरकोटला। 6. जिला 1 और 2, चण्डीगढ़। 7. जिला 1 और 2, लुधियाना। 8. झज्जा। 9. केन्द्रीय संकिल, अमृतसर और लुधियाना (जिसमें केन्द्रीय संकिल 7 सुधियाना भूम्यालय श्रीनगर भी सम्मिलित है)।

अमृतसर	अमृतसर
1. जिला 1, अमृतसर।	2. जिला 2, अमृतसर
3. बटाला।	4. गुरदासपुर।
5. जिला 1, जालनधर।	6. जिला 2, जालनधर।
7. सम्पदा शुल्क एवं आयकर संकिल, श्रीनगर।	8. बतन संकिल, श्रीनगर।
9. सम्पदा शुल्क एवं आयकर संकिल, श्रीनगर।	10. श्रीनगर
11. जम्मू।	12. पठानकोट।
13. भटिन्हा।	14. फिरोजपुर।
15. मोगा।	16. अबोहर।
17. होशियारपुर।	

परन्तु यह कि केन्द्रीय संकिल, श्रीनगर को आयकर आयकर अमृतसर की भ्रष्टिकारिता में सम्मिलित नहीं किया जाएगा।

यह मधिसूचना 15-1-1973 से प्रवृत्त होगी।

[सं० 530 का० सं० 187/21/72--आई टी (ए आई)]

New, Delhi, the 28th December, 1973.

## INCOME TAX

S. O. 659.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Board of Direct Taxes, hereby makes the following amendments to the Schedule appended to its in notification No. 20 (F.NO. 55/1/62-IT) dated the 30th April, 1963, published as S.O. 1293 on pages 1454—1457 of the Gazette of India, Part-II, Section 3, sub-section (ii) dated the 11th May, 1963, as amended from time to time.

Existing entries under columns (1), (2) and (3) against S.Nos. 13 and 13-A shall be substituted by the following entries:

Income-tax Commissioners	Headquarters	Jurisdiction
1	2	3
13. Patiala	Patiala	1. Distts. I & II, Patiala. 2. Estate Duty-cum-Income Tax Circle, Patiala. 3. Sangrur. 4. Barnala. 5. Malerkotla. 6. Distts. I & II, Chandigarh. 7. Distts. I & II, Ludhiana. 8. Khanna. 9. Central Circles at Amritsar and Ludhiana (including Central Circle-VII, Ludhiana with Headquarters at Srinagar). 10. Rohtak. 11. Companies Ward, Rohtak. 12. Sonipat. 13. Gurgaon. 14. Narnaul. 15. Rewari. 16. Sirsa. 17. Hissar. 18. Jind. 19. Faridabad. 20. Estate Duty-cum-Income Tax Circle, Gurgaon. 21. Ambala. 22. Karnal. 23. Panipat. 24. Yamunanagar. 25. Simla. 26. Mandi. 27. Kangra, Chamba, Hamirpur and Una Districts at Pathankot.

1	2	3
13.A Amritsar Amritsar		1. Distt. I, Amritsar. 2. Distt. II, Amritsar. 3. Batala. 4. Gurdaspur. 5. Distt.I, Jullundur. 6. Distt. II, Jullundur. 7. Estate Duty-cum-Income Tax Circle, Jullundur. 8. Salary Circle, Srinagar. 9. Estate Duty-cum-Income Tax Circle, Srinagar. 10. Srinagar. 11. Jammu. 12. Pathankot. 13. Bhatinda. 14. Ferozepur. 15. Moga. 16. Abohar. 17. Hoshiarpur.

Provided that Central Circle at Srinagar will not be included in the Jurisdiction of Commissioner of Income-tax, Amritsar.

This notification shall take effect from 15-1-1974.

[No. 530 F.No. 187/21/72.IT(AJ)]

नई विल्ही, 10 जनवरी, 1974

## आय कर

S.O. 660.—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निर्देश देता है कि इस आवृत्ति पूर्वतर्ती प्रधिसूचनाओं को प्रतिनिधित करते हुए आय-कर आयुक्त, प्रमूलसर तथा पटियाला संपरीक्षा कार्य से संबंधित कृत्यों का पालन नहीं करेगा और अपर आय-कर आयुक्त पटियाला, प्रमूलसर तथा पटियाला भारमाधनों की आवृत्ति उपर्युक्त कृत्यों का पालन करेगा।

यह प्रधिसूचना 15-1-1974 से प्रभृत होगी।

[सं. 542 फा. सं 187/21/72-वाई टो (ए प्राई)]  
बी. श्री. श्रीनिवासन, अवर सचिव।

New Delhi, the 10th January, 1974

## INCOME TAX

S.O. 660.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby directs that in supersession of the earlier Notifications in this respect the Commissioner of Income-tax, Amritsar and Patiala shall not perform the functions relating to audit work and the Additional Commissioner of Income-tax, Patiala shall perform the aforesaid functions in respect of Amritsar and Patiala Charges.

This notification shall take effect from 15-1-1974.

[No. 542 F. No. 187/21/72-IT(AJ)]  
V. B. SRINIVASAN, Under Secy.

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालिय  
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क  
बम्बई, 16 फरवरी, 1974

**का० आ० 661.**—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम 1944 के नियम 233 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए तथा इस समाहर्तालिय अधिसूचना केन्द्रीय उत्पाद शुल्क संख्या सी० ई० आर०/233/1/1973 दिनांक 20 फरवरी, 1973, को इह करते हुए मैं एतदद्वारा इस समाहर्तालिय में उत्पाद-शुल्क थोर्य भाल के उन सभी उत्पाद शुल्क वाताओं को, जिन पर भारत सरकार की अधिसूचना संख्या 171/69 सी० ई० दिनांक 21 जून 1969, जो अधिसूचना संख्या 121/70 सी० ई० दिनांक 28 मार्च, 1970, संख्या 179/71 सी० ई० दिनांक 23 सितम्बर, 1971, संख्या 117/72 सी० ई० दिनांक 25 मार्च, 1972 तथा संख्या 161/73 सी० ई० दिनांक 16 अगस्त, 1973 के साथ पही जानी है तथा जो अधिसूचना संख्या 200/72 सी० ई० दिनांक 21 सितम्बर, 1972 से सम्बोधित की गई है, द्वारा अधिसूचित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम 1944 के अध्याय सप्तम-ए में वर्णित स्वनिधरण पर निकासी की कार्यविधि लागू की गई है, निम्न देता हूँ कि वे बजट-विन से एक दिन पूर्व सायं 6 बजे के तुरन्त पश्चात् निम्न सूचना का उल्लेख करते हुए संलग्न प्रपत्र में समुचित अधिकारी को प्रतिलिपि के साथ क्षेत्र के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभारी अधीक्षक को घोषणा की जानकारी दे:—

(अ) बजट-विन से एक दिन पूर्व सायं 6 बजे तक उनके द्वारा किये गये अन्तिम गेट पास (जी० पी० 1/जी० पी० 2) की क्रमांक संख्या।

(ब) उस विन सायं 6 बजे उनके पास शेष बचा भाल।

अधीक्षक को सम्बोधित इस प्रकार की घोषणा एक प्रतिलिपि सहित मुद्राकृत प्रावरण में बजट-विन पर निकासी देने हेतु विशेष रूप से नियुक्त किसी एक फैक्टरी प्रथमा फैक्टरी समूह के प्रभारी केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी को सौंप दी जाये।

[संख्या सी० ई० आर०/233/1/1974—का० स० वी० 6(8)/2/74]

कु० श्री० दिलिपसिंहजी, समाहर्ता।

**CENTRAL EXCISE COLLECTORATE  
CENTRAL EXCISE**

Bombay, the 16th February, 1974

**S.O. 661.**—In exercise of the powers conferred on me by Rule 233 of Central Excise Rules, 1944, and in supersession of this Collectorate Notification Central Excises No. CER/233/1/1973, dated the 20th February, 1973, I hereby direct all the assesses of excisable goods in this Collectorate to whom self removal procedure has been extended, as laid down in Chapter VII-A of the Central Excise Rules, 1944, notified under Government of India's Notification No. 171/69-CE, dated the 21st June, 1969 as amended by Notification No. 200/72-CE, dated the 21st Sep., 1972 read with Notification No. 121/70-CE, dated the 28th May, 1970, No. 179/71-CE dated the 23rd Sept., 1971, No. 117/72-CE, dated the 25th March, 1972 and No. 161/73-CE, dated the 16th August, 1973, that they shall intimate immediately after 6.00 P.M. on the day prior to the Budget Day, to the Superintendent of Central Excise incharge of the Range, with a copy to the proper officer, a declaration, in the appended from furnishing the following information:—

- (a) the number of last gate pass (G. P. 1 & G. P. 2) issued by them up to 6.00 P.M. on the day prior to the Budget day.
- (b) the closing balance of stocks held by them at 6.00 P.M. on that day.

Such a declaration addressed to the Superintendent in a sealed cover along with a copy thereof shall be handed over to the Central Excise Officer, specially posted in charge of the factory or incharge of a group of factories for giving clearances on the Budget Day.

[No. CER/233/1/1974—F. No. V-6(8)/2/74]

K. S. DILIPSINHJI, Collector.

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1974

**का० आ० 662.**—नियर्ति (क्वालिटी नियंत्रण तथा निरीक्षण) अधिनियम, 1964 के साथ पठित नियर्ति (क्वालिटी नियंत्रण तथा निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा, 1 जनवरी, 1974 से एक वर्ष की अवधि के लिए नियर्ति निरीक्षण परिषद् के अध्यक्ष के रूप में श्री श्री० शंकर को नियुक्त करती है और निम्नलिखित को सदस्यों के रूप में समिति करती है:—

1. निदेशक, निरीक्षण तथा क्वालिटी नियंत्रण, वाणिज्य मंत्रालय, नई दिल्ली।
2. निदेशक, भारतीय मानक संस्थान, नई दिल्ली।
3. उप-महानिदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली।
4. महानिदेशक, वाणिज्यिक जानकारी तथा आंक संकलन, कलकत्ता।
5. संयुक्त सचिव (एगमार्क के कार्यभारी), कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली।
6. कृषि विषयन सलाहकार, भारत सरकार।
7. सचिव, वस्त्र समिति, अम्बर्झ।
8. उप-महानिदेशक (निरीक्षण) संभरण तथा निपटान महानिवेशालय, नई दिल्ली।
9. श्री ए० आर० भट्ट, अध्यक्ष, लघु उद्योग संघ का फेडरेशन।
10. अध्यक्ष, समुद्री खाद्य पदार्थ नियंत्रिक संघ, कोचीन।
11. डा० आर० सी० अमीन, मैसर्स बेरेप्पटिक्स केमिकल रिसर्च, कारपोरेशन, बम्बई।
12. श्री श्री० एच० पंचोली, फिल्को प्राइवेट लिं०, सेवरी, बम्बई।
13. डा० जे० राजाराम, मैसर्स एसेन एण्ड कॉ०, बंगलौर।
14. विकास आयूक्त, लघु उद्योग।
15. अध्यक्ष, भारतीय नियर्ति संगठनों का संघ।

[स० 3/45/73-ई०आई०ई०पी०]

**MINISTRY OF COMMERCE**

New Delhi, the 9th March, 1974

**S.O. 662.**—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) read with Rule 3 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, the Central Government hereby appoints Shri V. Shankar, as Chairman, and nominates the following as Members of the Export Inspection Council for a period of one year with effect from 1st January, 1974:—

1. Director of Inspector and Quality Control, Ministry of Commerce, New Delhi.
2. Director General of Indian Standards Institution, New Delhi.
3. Deputy Director General of Technical Development, New Delhi.
4. Director General of Commercial Intelligence & Statistics, Calcutta.
5. Joint Secretary (in charge of Agmark), Ministry of Agriculture, New Delhi.
6. Agricultural Marketing Adviser to the Government of India.

7. Secretary, Textiles Committee, Bombay.
8. Deputy Director General (Inspection), D.G.S. & D., New Delhi.
9. Shri A. R. Bhat, President, Federation of Association of Small Industries.
10. Chairman Seafood Exporters Association, Cochin.
11. Dr. R. C. Amin, M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation, Bombay.
12. Shri V. H. Pancholi of Filco Private Ltd., Sewri, Bombay.
13. Dr. J. Rajaram, M/s. Essen & Co., Bangalore.
14. Development Commissioner for Small Scale Industries.
15. Chairman, Federation of Indian Exports Organisations.

[No. 3(45)/73-EI&EP]

#### प्रावेश

**का० आ० 663.**—भारत रक्षा नियम 1971 के नियम 151 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार, श्री राजनारायण शर्मा, अवर सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार, गृह (वीसा) अनुपालग, सखनऊ, को मत्रु सम्पत्ति के उप-अधिकारक के रूप में एतद्वारा नियुक्त करती है।

[सं० 12/24/73-ई आई ई पी]

एम० के० बी० भट्टनागर, अवर सचिव

#### ORDER

**S.O. 663.**—In exercise of the powers conferred by Sub-rule (i) of rule 151 of the Defence of India Rules, 1971, the Central Government hereby appoints Shri Raj Narain Sharma, Under Secretary, Government of Uttar Pradesh, Home (Visa) Section, Lucknow, as Deputy Custodian of Enemy Property.

[No. 12(24)/73-EI&EP]

M. K. B. BHATNAGAR, Under Secy.

#### (आन्तरिक व्यापार विभाग)

मई दिल्ली, 27 फरवरी, 1974

**का० आ० 664.**—केन्द्रीय सरकार, वायदा बाजार आयोग से परामर्श करके, ईस्ट इंडिया जूट एण्ड हेणन एक्सचेंज लिमिटेड, 43, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता द्वारा अग्रिम संविदा (विनियम) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के मध्येत किये गए मान्यता के नवीकरण के लिये आवेदन पर विचार कर लेने पर और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोक हित में भी होगा, उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये उक्त एक्सचेंज को कलकत्ता नगर में जूट माल (किसी भी प्रकार की किसी मिल या किसी अन्य विनियमीत द्वारा जूट से, बनाये गए हेणन और बोरियां बनाने के कपड़े या बोरे या बोनों, टुआइन या सूत या दोनों) में अग्रिम संविधानों की बाबत 28 मार्च, 1975 को समाप्त होने वाली एक वर्ष की और कालावधि के लिये एतद्वारा मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अध्यधीन है कि उक्त एक्स-चेंज ऐसे निवेशों का अनुपालन करेगा जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिये जायें।

[फाइल सं० 12(1)-आई टी/74-I]

#### (Department of Internal Trade)

New Delhi, 27th February, 1974

**S.O. 664.**—The Central Government, having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952, (74 of 1952) by the East India Jute and Hessian Exchange Limited, 43, Netaji Subhas Road, Calcutta, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Exchange for a further period of one year ending with the 28th March, 1975, in respect of forward contracts in raw jute (including mesta) in the State of West Bengal, Bihar, Assam, Meghalayn, Orissa and Tripura and that Union Territories of Arunchal Pradesh and Mizoram.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(1)-IT/74-I]

**का० आ० 665.**—केन्द्रीय सरकार, वायदा बाजार आयोग से परामर्श करके, ईस्ट इंडिया जूट एण्ड हेणन एक्सचेंज लिमिटेड, 43 नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता द्वारा अग्रिम संविदा (विनियम) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के मध्येत किये गए मान्यता के नवीकरण के लिये आवेदन पर विचार कर लेने पर और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोक हित में भी होगा, उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये उक्त एक्सचेंज को कलकत्ता नगर में जूट माल (किसी भी प्रकार की किसी मिल या किसी अन्य विनियमीत द्वारा जूट से, बनाये गए हेणन और बोरियां बनाने के कपड़े या बोरे या बोनों, टुआइन या सूत या दोनों) में अग्रिम संविधानों की बाबत 28 मार्च, 1975 को समाप्त होने वाली एक वर्ष की और कालावधि के लिये एतद्वारा मान्यता प्रदान करती है।

**स्पष्टीकरण :**—इस अधिसूचना में, 'कलकत्ता नगर' पद से अभिप्रेत है—

- (1) कलकत्ता नगर पालिका, अधिनियम 1951 (पश्चिम बंगाल अधिनियम 1951 का 33) की धारा 5 के खण्ड (II) में यथा परिभाषित कलकत्ता तथा उसके साथ हैस्टिस नार्थ या फ्लाइट रो का साउथ सिरा और नदी टट तक स्ट्रैड रोड और वे क्षेत्र जो एतदपूर्व अब समाप्त टालीगंज नगरपालिका के अंतर्गत हैं;
- (2) कलकत्ता वस्तन, और
- (3) 24 परगाना जिला, नादिया, हावड़ा और बुगानी।

2. एतद्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अध्यधीन है कि उक्त एक्स-चेंज ऐसे निवेशों का अनुपालन करेगा जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिये जाएं।

[फाइल सं० 12 (1) आई टी /74-2]

यू० एस० राणा, संयुक्त निदेशक

**S.O. 665.**—The Central Government, having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952, (74 of 1952) by the East India Jute and Hessian Exchange Limited, 43, Netaji Subhas Road, Calcutta, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Exchange for a further period of one year

ending with the 28th March, 1975, in respect of forward contracts in jute goods (hessian and sacking cloth or bag or both, twines or yarns or both manufactured by any of the mills or any other manufactures of whatever nature made from jute) in the city of Calcutta.

**Explanation :**—In this notification, the expression "City of Calcutta" means :—

- (1) Calcutta as defined in Clause (ii) of Section 5 of the Calcutta Municipal Act, 1951, (West Bengal Act, 33 of 1951), together with part of Hastings North or South edge of Clyde Row and Strand Road to the river bank and the areas which were previously under the now defunct Tollygunge Municipality.
- (2) The port of Calcutta; and
- (3) The District of 24 Parganas, Nadia, Howrah and Hooghly.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(1)-IT/74-II]  
U. S. RANA, Joint Director

(संयुक्त-मुद्रण नियंत्रण, आयात-नियांत्रण का कार्यालय)

(केन्द्रीय लाइसेंस भौति)

आदेश

नई विल्सोन, 7 नवम्बर, 1973

का० आ० 666.—सर्वश्री प्रेरणा इन्डस्ट्रीज, मोटी चौक, जोधपुर (राजस्थान) का ए० पी० शीट्स पर्सन्टि किस्प, ऐक्रिमिक प्लास्टिक मोर्लिङ पाउडर आविके आयात के लिये 5,000 र० का एक आयात लाइसेंस संख्या : पी/एस/ 1713192, दिनांक 30-3-72 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने बताया है कि उपर्युक्त लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण तथा सीमाशुल्क प्रयोजन सम्बन्धी दोनों प्रतियों बिना उपयोग किये ही थी औ गई/प्रस्थानस्थ हो गई है।

अपने तरफ के समर्थन में आदेशक ने आयात व्यापार नियंत्रण नियम सभा क्रियाविधि हैड बुक 1972-73 की कंडिका 318(2) के अन्तर्गत यथा अपेक्षित एक व्यापारक वाक्तिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि लाइसेंस की मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण तथा सीमाशुल्क प्रयोजन प्रतियों दो गई/प्रस्थानस्थ हो गई हैं।

आयात व्यापार नियंत्रण आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 (सीसी) द्वारा भेरे लिये प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर मैं लाइसेंस संख्या 1713192, दिनांक 30-3-72 की मुद्रा विनियम नियंत्रण तथा सीमाशुल्क प्रयोजन प्रतियों को रद्द करने का आदेश देता हूँ।

[सं० एनपी/पी/15/एम-73/एय०-राज तथा एड्हाक/सीएलए/3165]  
(Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports)

(Central Licensing Area)

ORDER

New Delhi, the 7th November, 1973

S.O. 666.—M/s. Prerna Industries, Moti Chowk, Jodhpur (Raj.) were granted import licence No. P/S/1713192 dt. 30-3-1972 for Rs. 5,000/- for import of A. P. Sheets Perseent Variety, Acrylic Plastic Moulding Powder etc. They have stated that both the copies of Exchange Control & Customs purposes have been lost/misplaced without having been utilised.

The applicant have filed an affidavit in support of their contention as required under para 318(2) of I.T.C. Hand Book of Rules and Procedure, 1972-73. I am satisfied that the Original Exchange Control and Customs purpose copies have been lost/misplaced.

In exercise of the powers conferred on me under section 9(CC) Import Control Order, 1955, dt. 7th December, 1955, I order the cancellation of Exchange Control and Customs purposes copies of licence No. 1713192 dt. 30-3-1972.

[File No. NP/P-15/AM-73/AU. Raj. & Adhoc/ CLA/3165]

आदेश

का० आ० 667.—सर्वश्री आयुर्वेद सेवाश्रम प्रा० लि०, स्टेशन रोड, जदूपुर (राजस्थान) को आदेश-भावं 72 अवधि के लिये सामान्य मुद्रा क्षेत्र से (1) प्रतिबिधित से भिन्न सुनिश्चित रसायनों और (2) निषेध तथा प्रतिबिधित से भिन्न प्राकृतिक संग्रह तेलों के आयात के लिये 67,197 रुपये मूल्य का एक आयात लाइसेंस सं० पी/एस/1715743 दिनांक 20-7-72 प्रदान किया गया था। उन्होंने लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रति की अनुसिपि जारी करने के लिये इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति 50,427 रुपये का उपयोग कर लेने के बाद और उस पर 16,770 रुपये का उपयोग करना शेष रहने के बाद खो गई/प्रस्थानस्थ हो गई है।

मैंने तर्क के समर्थन में आदेशक ने आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि पुस्तक 1973-74 के पैरा 320(2) के अन्तर्गत यथा-अपेक्षित एक व्यापारक वाक्तिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति खो गई/प्रस्थानस्थ हो गई है।

आदेश (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7 दिसम्बर, 1955 के खण्ड 9 (सी सी) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं लाइसेंस सं० पी/एस/1715 सी/एक्स एक्स/डी/33-34 दिनांक 20-7-72 की सीमाशुल्क निकासी प्रति को रद्द करने का आदेश देता हूँ।

अब आदेशक को आयात व्यापार नियंत्रण तथा क्रियाविधि पुस्तक 1973-74 के पैरा 320(4) की शर्तों के अनुसार इस लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुसिपि जारी की जा रही है।

[संख्या : एन पी/ए-18/ए एम-72/ए यू० राज एन्ड एड्हाक/सी एल ए/ 3205]

## ORDER

S.O. 667.—M/s. Ayurved Sevashram Pvt. Ltd., Station Road, Udaipur (Raj.) were granted import licence No. P/S/ 1715743 dt. 20-7-1972 for Rs. 67,197 for Import of (1) Aromatic Chemicals other than banned & (2) Natural Essential Oil other than banned & restricted from General Currency Area for AM-72 period. They have applied for issue of duplicate copy of Customs purposes copy thereof on the ground that it has been lost/misplaced after having been utilised to the extent of Rs. 50,427/-, with a un-utilised balance of Rs. 16,770.

The applicant have filed an affidavit in support of their contention as required under para 320(2) of I.T.C. Hand Book of Rules and Procedure, 1973-74. I am satisfied that the Original Custom purposes copy has been lost/misplaced.

In exercise of the powers conferred on me under section 9(CC) Import Control Order, 1955, dt. 7th Dec. 1955, I order the cancellation of Customs Purpose copy of licence No. P/S/1715743/C/XX/D/33-34 dated 20-7-1972.

The applicant is now being issued a duplicate Custom purpose copy of this licence in accordance with the Provisions of para 320(4) of I.T.C. Hand Book of Rules & Procedure, 1973-74.

[File No. NP/A-18/AM-72/AU. Raj. & Adhoc/ CLA/3205]

आदेश

नई विल्सोन, 28 नवम्बर, 1973

का० आ० 668.—सर्वश्री मीना इन्डस्ट्रीज संख्या 2 वी अल्सीमर हाउस, संसार चन्द रोड, जयपुर (राज०) को (1) घ्रंग विरोधी इस्पात पार्हें तथा दूसरे मूल्य 500 र० तक, (2) इलेक्ट्रिकल थ्रेड क्राफ्ट कागज, (3) 1/32 इच्च की मोटाई तथा इससे कम के प्रैसफैन कागज (4) ऐस्क्वारस् आधार वाले उत्पाद 250 र० तक के आयात के लिये

5000 ह० का एक आयात लाइसेंस संख्या : पी/एस/1730760/सी, विनांक 15-3-72 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने उपर्युक्त लाइसेंस की प्रतुलिपि सीमाशुल्क कार्यसम्बन्धी प्रति के लिये इस आधार पर आवेदन किया है कि यह बिना उपयोग किये ही खो गई/अस्थानस्थ हो गई है।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि हैड बुक 1972-73 की कंडिका 318(2) के अन्तर्गत अपेक्षित एक शपथ पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि मूल सीमाशुल्क कार्यसम्बन्धी प्रति खो गई/अस्थानस्थ हो गई है।

आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 विनांक 7-12-1955 की धारा 9(मीसी) के अन्तर्गत मेरे लिये प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर मैं लाइसेंस संख्या : पी/एस/1730760/सी, विनांक 15-3-72 की सीमाशुल्क कार्यसम्बन्धी प्रति को रद्द करने का आवेदन देता हूँ।

आवेदक को अब आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि हैड बुक, 1972-73 की कंडिका 318(4) की व्यवस्था के अनुसार उपर्युक्त लाइसेंस की प्रतुलिपि सीमाशुल्क कार्यसम्बन्धी प्रति जारी की जा रही है।

[पं० पी/एस-9 (एन)/ए.एस/72/एप्ल० राज.एड्हॉक/सीएसए/3568]

#### ORDER

New Delhi, the 28th November, 1973

**S.O. 668.**—M/s. Mina Industries, No. 2-B, Alsisar House Sansar Chandra Road, Jaipur (Raj.) were granted import licence No. P/S/1730760/C dt. 15-3-1972 for Rs. 5,000/- for import of (1) Stainless Steel Pipes & Tubes upto Rs. 500/-, (2) Electrical Grade Craft Paper, (3) Press-pahn Paper of 1/32 Inches thickness and below & (4) Asbestos Based products upto Rs. 250/. They have applied for issue of duplicate copy of Custom Purpose copy thereof on the ground that it has been lost/misplaced without having been utilised.

The applicant have filed an affidavit in support of their contention as required under para 318(2) of I.T.C. Hand Book of Rules & Procedure, 1972-73. I am satisfied that the Original Customs Purposes Copy has been lost/misplaced.

In exercise of the powers conferred on me under section 9(CC) Import Control Order, 1955, dt. 7th Dec. 1955, I order the cancellation of Customs Purpose Copy of licence No. P/S/1730760/C dt. 15-3-1972.

The applicant is now being issued a duplicate copy of Customs Purposes copy of this licence in accordance with the provision of para 318(4) of I.T.C. Hand Book of Rules and Procedure, 1972-73.

[File No. P/M-9(N)/AM-72/AU. Raj. & Adhoc/ CLA/3568]

#### आवेदन

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर, 1973

**का० आ० 669.**—सर्वेत्री जिन्वल परफ्युमरी वर्क्स, 36-गंगवाल पार्क, जयपुर (राज०) को (1) अप्रैल-मार्च-73 के रैडबुक बा० 1 की शर्तों के अनुसार प्रतिवर्षित भौत नियेष को छोड़कर अन्य संग्रह रखायनों (2) 500 रुपये तक अप्रैल-मार्च, 73 के रैडबुक बा० 1 की शर्तों के अनुसार प्राकृतिक सुगंधित तेल के आयात के लिए 5000 ह० के लिए आयात लाइसेंस संख्या पी/एस/1776933 विनांक 31-5-72 प्रदान किया गया था। उन्होंने भूचना दी है कि उपर्युक्त लाइसेंस की मूल मुद्रा विनामय नियंत्रण प्रति खो गई/अस्थानस्थ हो गई है।

आवेदक ने अपने तर्क के समर्थन में आयात व्यापार नियंत्रण हैड बुक क्रियाविधि, 1973-74 की कंडिका 320(2) के अन्तर्गत यथा अपेक्षित एक शपथ पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि मूल भूता विनामय नियंत्रण प्रति खो गई/अस्थानस्थ हो गई है।

आयात नियंत्रण आवेदन, 1955 विनांक 7 दिसम्बर 1955 की धारा 9(मीसी) के अन्तर्गत मेरे लिए प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर 5000 ह० के लिए लाइसेंस संख्या पी/एस/1776933 विनांक 31-5-72 की मुद्रा विनामय नियंत्रण प्रति को रद्द करने का आवेदन देता हूँ।

[संख्या एन०पी०/जे० 11/ए० एस०-73/ए० य० राज.एड्हॉक/सीएस०/3977]

के० आर० धीर,

उप-मुख्य नियंत्रक,

कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक

#### ORDER

New Delhi, the 22nd December, 1973

**S.O. 669.**—M/s. Jindal Perfumery Works, 36-Gangwal Park, Jaipur-4 (Raj.) were granted import licence No. P/S/1776933 dt. 31-5-1972 for Rs. 5,000/- for import of (1) Aromatic Chemicals other than restricted & banned as per, AM-73 Red Book Vol. I, (2) Permissible natural Essential Oil as per AM-73 Red Book Vol. 1 upto Rs. 500/-. They have not intimated that original Exchange Control copy of above mentioned licence has been lost/misplaced without having been utilised.

The applicant have filed an affidavit in support of their contention as required under para 320(2) of I.T.C. Hand Book of Rules & Procedure, 1973-74. I am satisfied that the Original Exchange Control copy has been lost/misplaced.

In exercise of the powers conferred on me under section 9(CC) Import Control Order, 1955 dated 7th December, 1955, I order the cancellation of Exchange Control copy of licence No. P/S/1776933 dt. 31-5-1972 for Rs. 5,000/-

[No. NP/J-11/AM-73/AU. Raj & Adhoc/ CLA/3977]

K. R. DHEER, Dy. Chief Controller

(मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रण का कार्यालय,)

आवेदन

नई दिल्ली 16 फरवरी, 1974

**का० आ० 670.**—विचोक इंजीनियर (हेलेन्ड्रिसिटी) केरल राज्य हेलेन्ड्रिसिटी बोर्ड ट्रिब्यूनल-1 को आयातहेतु येन जैडिट के अन्तर्गत टरबाइन तथा जनिक के कालतू पुजौं के आयात के लिए 2,54,168 ह० का आयात लाइसेंस संख्या : जी/एच/2075302/एस/जे०एन/43/एच/35, विनांक 10-7-72 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की प्रतुलिपि सीमाशुल्क कार्यसम्बन्धी प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क कार्यसम्बन्धी प्रति खो गई है। लाइसेंसधारी द्वारा आगे यह बताया गया है कि उक्त सीमाशुल्क कार्यसम्बन्धी प्रति किसी भी सीमाशुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत किए बिना और उसका बिलकुल उपयोग किए बिना ही खो गई थी।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथपत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताशी संतुष्ट हूँ कि आयात लाइसेंस संख्या : जी/एच/2075302/एस/जे०एन/एच/35, विनांक 10-7-72 की मूल सीमाशुल्क कार्यसम्बन्धी प्रति खो गई है भीर नियेष देता है कि उन्हें लाइसेंस की प्रतुलिपि सीमाशुल्क कार्यसम्बन्धी प्रति जारी की जानी चाहिए। उक्त लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क कार्यसम्बन्धी प्रति एतद् द्वारा रद्द की जाती है।

[संख्या : मीजी-2/एच०सी/के०-3/72-73]

ए० आ० गोलदार,

उप-मुख्य नियंत्रक,

कृते मुख्य नियंत्रक

## (Office of the Chief Controller of Imports &amp; Exports)

## ORDER

New Delhi, the 16th February, 1974

**S.O. 670.**—The Chief Engineer (Electricity), Kerala State Electricity Board, Trivandrum-1 was granted Import licence No. G/H/2075302/S/JN/43/H/35 dt. 10-7-72 for Rs. 2,54,168 under Eleventh Yen Credit, for import of spares for Turbine and Generator. They have requested for the issue of duplicate copy of custom purposes copy of the licence on the ground that original custom purposes copy has been lost. It has been further reported by the licensee that the said custom purposes copy was lost without having been registered with any customs authorities and utilised at all.

In support of their contention the applicant has filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original custom purposes copy of Import licence No. G/H/2075302/S/JN/H/35 dt. 10-7-72 has been lost and directs that a duplicate custom purposes copy of the licence should be issued to them. The original custom purposes copy of the said licence is hereby cancelled.

[No. CGII/HEP/K-3/72-73]

A. R. GOLDAR, Dy. Chief Controller  
for Chief Controller of Imports & Exports

## आवेदा

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 1974

**का.पा. 671.**—सर्वश्री डिक्रूज कारपोरेशन, 44 कावसजी पटेल स्ट्रीट, बम्बई को सामान्य मुद्रा क्षेत्र से डैग्नोस्टिक एंजेन्ट्स के आयात के लिए लागत बीमा भाड़ा मूल्य 10,000/- रुपये के लिए लाइसेंस संख्या: पी/एफ/2024449/सी/एक्सएक्स/47/एच/37-38/एमएल-2, दिनांक 25-5-73 प्रवान किया गया था। अब, उन्होंने मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति/सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रतियां जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि उससे आवागमन में मूल लाइसेंस दो प्रतियों में अस्थानस्थ/खो गया है। विषयाधीन लाइसेंस का ना तो उपयोग ही किया गया है और न ही उसे किसी सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराया गया है।

अपने उपर्युक्त तर्क के समर्थन में आवेदकों ने एक शपथपत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि मूल लाइसेंस (दोनों प्रतियों में) संख्या पी/एफ/2024449, दिनांक 25-5-73 खो/अस्थानस्थ हो गया है और आवेदन देता हूँ कि उक्त लाइसेंस की अनुलिपि प्रतियां आवेदक को जारी की जाएं तथा मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण/सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति रद्द की जाती हैं।

[संख्या 114/एसए/72-73/एमएल-2/2714]

## ORDER

New Delhi, the 21st February, 1974

**S.O. 671.**—M/s. Decruz Corporation 44 Cawasji Patel Street, Bombay were granted licence No. P/F/2024449/C/XX/47/H/37-38/ML-II dated 25-5-73 for the import of Diagnostic Agents for a C.I.F. Value of Rs. 10,000 from G.C.A. They have now requested for the issue of Duplicate copies of the E.C. Copy/Custom Purpose Copy on the ground that the original licence in duplicate has been misplaced/lost in transit by them. The licence in question has neither been utilised nor registered with any Customs Authority.

In support of their above said contention the applicants have submitted an affidavit. I am satisfied that the original licence (both copies) No. P/F/2024449 dt. 25-5-73 has been lost/misplaced and order that a duplicate copies of the said licence may be issued to the applicant and that the original E.C./Custom copy are cancelled.

[F. No. 114/SA/72-73/ML-II/2714]

## आवेदा

**का.पा. 672.**—सर्वश्री डिक्रूज कारपोरेशन, 44, कावसजी पटेल स्ट्रीट, बम्बई को सामान्य मुद्रा क्षेत्र से क्लिनीकल टेस्ट किट्स के आयात के लिए लागत बीमा भाड़ा मूल्य 5000 रुपये के लिए लाइसेंस संख्या पी/एफ/2024805/सी/एक्सएक्स/47/एच/37-38/एमएल-2, दिनांक 15-6-73, प्रवान किया गया था। अब, उन्होंने मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति/सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रतियां जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि उन से आवागमन में मूल लाइसेंस दो प्रतियों में अस्थानस्थ/खो गया है। विषयाधीन लाइसेंस का ना तो उपयोग ही किया गया है और न ही उसे किसी सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराया गया है।

अपने उपर्युक्त तर्क के समर्थन में आवेदकों ने एक शपथपत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि मूल लाइसेंस (दोनों प्रतियों में) संख्या पी/एफ/2024805 दिनांक 15-6-73 खो/अस्थानस्थ हो गया है और आवेदन देता हूँ कि उक्त लाइसेंस की अनुलिपि प्रतियां आवेदक को जारी की जाएं तथा मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण/सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति रद्द की जाती है।

[संख्या 99/एसए/72-73/एमएल-2/2719]

## ORDER

**S.O. 672.**—M/s. Decruz Corporation, 44 Cawasji Patel Street, Bombay, were granted Licence No. P/F/2024805/C/XX/47/H/37-38/ML-II dated 15-6-73 for the import of Clinical Test Kits for a C.I.F. Value of Rs. 5,000 from G.C.A. They have now requested for the issue of Duplicate copies of the E.C. Copy/Custom Purpose copy on the ground that the original licence in duplicate has been misplaced/lost in transit by them. The licence in question has neither been utilised not registered with any Customs Authority.

In support of their above said contention the applicants have submitted an affidavit. I am satisfied that the original licence (Both Copies) No. P/F/2024805/dt. 15-6-73 has been lost/misplaced and order that a duplicate copies of the said licence may be issued to the applicant and that the original E.C./Custom copy are cancelled.

[File No. 99/SA/72-73/ML-II]

## आवेदा

**का.पा. 673.**—सर्वश्री डिक्रूज कारपोरेशन, 44 कावसजी पटेल स्ट्रीट, बम्बई को सामान्य मुद्रा क्षेत्र से संलग्न सूची के ग्रन्तुसार पश्चापालन उपकरण के आयात के लिए लागत बीमा भाड़ा मूल्य 1,00,000 रुपये के लिए लाइसेंस संख्या पी/एफ/2024801/सी/एक्सएक्स/47/37-38/एमएल-2, दिनांक 26-5-73 प्रवान किया गया था। अब, उन्होंने मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति/सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रतियां जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि उनसे आवागमन में मूल लाइसेंस दो प्रतियों में अस्थानस्थ/खो गया है। विषयाधीन लाइसेंस का ना तो उपयोग ही किया गया है और न ही उसे किसी सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराया गया है।

अपने उपर्युक्त तर्क के समर्थन में आवेदकों ने एक शपथपत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि मूल लाइसेंस दोनों प्रतियों में, संख्या पी/एफ/2024801/सी/एक्सएक्स/दिनांक 26-5-73 खो/अस्थानस्थ हो गया है और आवेदन देता हूँ कि उक्त लाइसेंस की दोनों प्रतियों के लिए अनुलिपि लाइसेंस आवेदक को जारी की जाएं तथा मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति और सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति रद्द की जाती है।

[संख्या 42/एसए/72-73/एमएल-2/2724]  
सरदूल सिंह, उप-मुख्य नियंत्रक,

इसे मुख्य नियंत्रक

## ORDER

**S.O. 673.**—M/s. Decruz Corporation, 44 Cawasji Patel Street, Bombay, were granted licence No. P/F/2024801/C/XX/47/37-38/ML-II dated 26-5-73 for the import of Veterinary Preparations as per list attached for a C.I.F. Value of Rs. 1,00,000 from G.C.A. They have now requested for the issue of Duplicate copies of the Exchange Control Copy/Custom Purpose copies on the ground that the original licence in duplicate has been misplaced in transit by them. The licence in question licence has neither been utilised nor registered with any Customs Authority.

2. In support of their above said contention the applicants have submitted an affidavit. I am satisfied that the original licence in duplicate No. P/F/2024801/C/XX/dated 26-5-73 been lost/misplaced and order that a duplicate licence for both copies of the said licence may be issued to the applicant and that the original E.C. Copy and Custom Purpose Copy are cancelled.

[F. No. 42/SA/72-73/ML-II]

SARDUL SINGH, Dy. Chief Controller

आदेश

**कांग्रेस 674.**—सर्वश्री बोहिंगर नोल लिंग, बम्बई को पश्चिम जर्मनी क्रेडिट के प्रन्तर्गत कर्जे माल के आयात के लिए 5,88,600 रु. का एक लाइसेंस सं. पी/डी/1376516 दिनांक 2-2-73 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने इस कार्यालय को लाइसेंस की प्रतुलिपि सीमाणुक प्रति के लिए डम आधार पर आवेदन किया है कि लाइसेंस की मूल सीमाणुक प्रति खो गई है। उन्होंने आगे यह बताया है कि मूल सीमाणुक प्रति 3,23,083 रु. के लिये उपयोग करने और शेष 2,65,517 रु. को छोड़कर खो गई है और सीमाणुक कार्यालय बम्बई में पंजीकृत कराया गया था।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है अधोलिखाकरी संतुष्ट है कि मूल लाइसेंस सं. पी/डी/1376516 दिनांक 2-2-73 खो गया है और निदेश देना है कि उन्हें उक्त लाइसेंस की प्रतुलिपि सीमाणुक प्रति जारी की जानी चाहिए। मूल सीमाणुक प्रति रह भी जाती है।

[मंक्या सी एच/डी-58(4)/ए.एम. 73/आर.एम. 3/2141]

## ORDER

**S.O. 674.**—M/s. Boehringer-Knoll Limited, Bombay were granted licence No. P/D/1376516 dated 2-2-73 for import of raw materials valued at Rs. 5,88,600 under West Germany Credit. They have requested this office for issue of duplicate Custom copy of the licence on the ground that the original Customs copy of the licence has been lost. They have further stated that the original Custom copy has been lost after utilising it for Rs. 3,23,083 leaving a balance of Rs. 2,65,517 and that the licence had been registered with the Customs House, Bombay.

2. In support of their contention, the applicant has filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Custom copy of the licence No. P/D/1376516 dated 2-2-73 has been lost and directs that duplicate Custom copy of the said licence should be issued to them. The original Custom copy is cancelled.

[Ref. No. Ch/B-58(4)/A.M.73/R.M.3/2141]

आदेश

नई विल्सी, 25 फरवरी, 1974

**कांग्रेस 675.**—सर्वश्री बोहिंगर-नोल लिमिटेड, बम्बई को सामान्य मुद्रा भेज के प्रन्तर्गत एक लाइसेंस सं. पी/डी/2192509 दिनांक 27-3-73

इसमें मंत्रम सूची में शिंग गां कर्जे माल के आयात के लिए प्रदान किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की सीमाणुक निकासी प्रति को ग्रन्ति की जारी करने के लिए इस कार्यालय से इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाणुक निकासी प्रति सीमाणुक कार्यालय बम्बई में पंजीकृत करने के बाद और 12,427 रुपये का उपयोग करने के बाद 37,573 रुपये का उपयोग करना शेष रहते हुए लो गई है।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। अधोलिखाकरी संतुष्ट है कि लाइसेंस संख्या पी/डी/2192509 दिनांक 27-3-73 की मूल सीमाणुक निकासी प्रति खो गई है और निदेश देना है कि विषयाधीन लाइसेंस की सीमाणुक निकासी प्रति को घनुसिपि आवेदकों को जारी की जानी चाहिए। मूल सीमाणुक निकासी प्रति रह भी जाती है।

लाइसेंस की सीमाणुक निकासी प्रति को घनुसिपि अपना से जारी की जा रही है।

[मंक्या सी एच/डी-58(6)/ए.एम. 73/आर.एम. 3/2167]

आर. के. घोष, उप-मुख्य नियंत्रक

## ORDER

New Delhi, the 25th February, 1974

**S.O. 675.**—M/s. Boehringer-Knoll Limited, Bombay were granted licence No. P/D/2192509 dated 27-3-73 under General Currency Area for import of raw materials as per list attached valued at Rs. 50,000. They have requested this office for the issue of duplicate Custom copy of the said licence on the ground that the original copy of the licence has been lost after having been registered with Bombay Customs and utilised for Rs. 12,427 leaving a balance of Rs. 37,573.

2. In support of their contention, the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Custom copy of licence No. P/D/2192509 dated 27-3-73 has been lost and directs that duplicate Custom copy of the licence in question should be issued to them. The original Custom copy is cancelled.

3. The duplicate Custom copy of the licence is being issued separately.

[Ref. No. CH/B-58(6)/A.M.73/R.M.3/2167]

R. K. GHOSH, Dy. Chief Controller

आदेश

कोचीन, 4 जनवरी, 1974

विषय :—सर्वश्री जार्ज पाल पुथूरम, हावर्ड अू, मार्किट रोड, एनी-कुम्म, कोचीन-11, केरल के वास्तविक उपयोक्ता श्रेणी के प्रन्तर्गत होल्डन माइल 'एच डी' सीडन कार के कालतू पुजों के आयात के लिए 950 रु. (नौ सौ पचास रु. मात्र) का एक लाइसेंस सं. पी/ए/1368818/सी/एस/49/ई/37-38/ एझाक दिनांक 30-10-73 स्वीकृत किया गया है।

उन्होंने उक्त लाइसेंस प्रतुलिपि सीमा-णुक कार्यसंबंधी प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल लाइसेंस बिल्कुल उपयोग किए बिना खो गया/प्रस्थानस्थ हो गया है। इस दावे के समर्थन में आवेदक ने निर्धारित प्रपत्र में एक शपथ पत्र दाखिल किया है।

उन्होंने उक्त लाइसेंस प्रतुलिपि सीमा-णुक कार्यसंबंधी प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल लाइसेंस बिल्कुल उपयोग किए बिना खो गया/प्रस्थानस्थ हो गया है। इस दावे के समर्थन में आवेदक ने निर्धारित प्रपत्र में एक शपथ पत्र दाखिल किया है।

मैं संतुष्ट हूँ कि लाइसेन्स मं० पी/ए/1368818/सी/एक्स एक्स/49/E/37-38 एड्होक दिनांक 30-10-73 विलुप्त उपयोग किए बिना श्री चौ गया/अस्थानस्थ हो गया है और निवेश देना हूँ कि प्रावेदिक को उक्त लाइसेन्स की अनुसारि सीमाणुल्क कार्यसंबन्धी प्रति आरी की जानी चाहिए।

[मस्ता : 1/74/एम एम आई]

आर० जयाराम नायडू,  
उप-मुख्य नियंत्रक,

### ORDER

Cochin, the 4th January, 1974

**Sub :** Cancellation of licence No. P/A/1368818/C/XX/49/E/37-38-Ad hoc dt. 30-10-73 (Customs Purposes copy) issued to Shri George Paul Puthuran, Harbour View, Market Road, Ernakulam, Cochin 11, Kerala

**S.O. 676.**—Shri George Paul Puthuran, Harbour View, Market Road, Ernakulam, Cochin-11, Kerala has been

granted licence No. P/A/1368818/C/XX/49/E/37-38 Ad hoc dt. 30-10-73 for Rs. 950 (Rupees Nine hundred and fifty only) for spare parts of Holden Model 'HD' Sedan Car under the Actual Users category.

He has applied for duplicate Customs Purposes copy of the said licence on the ground that the original licence has been lost/misplaced fully unutilised. In support of his claim, the applicant has filed an affidavit in the prescribed form.

I am satisfied that the original Customs Purposes copy of the licence No. P/A/1368818/C/XX/49/E/37-38-Ad hoc dt. 30-10-73 has been lost/misplaced, fully unutilised, and direct that the duplicate copy of the Customs copy of the said licence should be issued to the applicant.

[No. 1/74/SSI]

R. JAYARAM NAIDU, Dy. Chief Controller

प्रौद्योगिक विकास, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी भूमिका  
(भारतीय भाषक संस्था)

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 1974

**का० आ० 677.**— समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा प्रधिसूचित किया जाता है कि सिसम्बर, 1972 माह में नीचे अनुसूची में विवरण महित दिए गए 92 लाइसेन्सों का नवीकरण किया गया है:

### अनुसूची

क्रम संख्या लाइसेन्स संख्या सी एम वैधता की अवधि	लाइसेन्सदाती का नाम और पता	वस्तु/प्रतिया और तत्संबन्धी पदनाम			
एन	मे	तक			
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. सी एम/एल-13 3-9-1956	1-9-1972 31-8-1973	लल्लू भाई अमी चन्द्र प्रांति०, 48/ 50 कंपनी बाल, बम्बई-2	(क) पिटवां एलुमिनियम के बर्तन ग्रेड, एम आई बी, एम आई सी और एम एस 3	IS: 21-1959	
2. सी १८/एल-96 18-9-1958	1-10-1972 30-9-1973	ट्रावनकोर टिटैनियम प्रॉडक्ट्स निं०, कोच्चील्ली, त्रिवेन्द्रम-7	(क्र) पिटवां एलुमिनियम के बर्तन ग्रेड, एम आई सी एनोडीक्यून-	IS: 1868-1968	
3. सी एम/एल-169 22-2-1960	16-9-1972 15-9-1973	मैसूर इसेकटीसाइड्स क० प्रा० लि०, प्रान्ति॒ बैक बिंडिंग, 6 लिंगो-जैटी स्ट्रीट, भद्राम-1	रंग रोगम के लिए टिटैनियम डाइ-आइसोफाइड एनेटेमर प्रकार 'ए'-	IS: 411-1968	
4. सी एम/एल-340 20-9-1961	16-9-1972 15-9-1973	मैसूर इसेकटीसाइड्स क० प्रा० लि०, 31-ए. नार्थ बीच रोड, भद्राम-1	डी डी डी धूलन पाउडर	IS: 564-1961	
5. सी एम/एल-403 2-4-1962	1-9-1972 31-8-1973	वि हिन्दुस्तान मिनरल प्रॉडक्ट्स क० प्रा० लि०, ब्लॉक सं० 27, मैगनीज डिपो, बेवरी, बम्बई-15	बी एच सी धूलन पाउडर	IS: 561-1962	
6. सी एम/एल-429 30-6-1962	1-9-1972 31-8-1973	"	बी एच सी जल विसर्जनीय धूलन पाउडर	IS: 562-1962	
7. सी एम/एल-440 31-7-1962	16-9-1972 15-9-1973	मैसूर इसेकटीसाइड्स क० प्रा० लि०, 18-वैद्यनाथ मुदाली स्ट्रीट, टोक्सि- यारपेट, भद्राम-21	एन्ड्रिन पायमनीय नेज इव	IS: 1310-1958	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
8. सी एम /एल-444 20-8-1962		1-9-1972	31-8-1973	हिन्दुस्तान स्टील लि०, रुकेला संरचना इस्पात (मानक किम्ब)--- रुकेला इस्पात संयंत्र, रुकेला (उड़ीसा)	
9. मी एम/एल -445 20-8-1962		1-9-1972	31-8-1973	"	उच्च नाव मंरचनात्मक इस्पात--- IS : 961-1962
10. मी एम/एल -446 20-8-1962		1-9-1972	31-8-1973	"	ठंडी बेल्लित कार्बन इस्पात की चहरे और पनियां-- IS : 513-1963
11. री एम/एल-417 20-8-1962		1-9-1972	31-8-1973	"	गर्म बेल्लित कार्बन इस्पात की चहरे और पत्तियां-- IS : 1079-1968
12. मी एम/एल-450 30-8-172		16-9-1972	15-3-1973	कोयम्बटूर प्रोमियर कार्पोरेशन प्रा० लि०, पटेल गोड, कोयम्बटूर-9	ठाटे पांडी प्रीर यूनिवर्सल बिजली के मोटर 'ए' श्रेणी के रोधन वाले-- IS : 996-1964
13. मी एम/एल-500 14-1-1963		1-9-1972	31-8-1973	दि एमुमिनियम हंडस्ट्रीज लि०, स० 1, सेरैमिक रोड, कुंडारा (केरल)	पी बी मी रोधित केबल, केवल एमुमिनियम चालकों वाले 250/440 और 650/ 1100 थोल्ट IS : 694(भाग 2)-1964
14. मी एम/एल-532 30-4-1963		1-9-1972	31-8-1973	हिन्दुस्तान स्टील लि०, रुकेला इस्पात संयंत्र, रुकेला (उड़ीसा)	मंरचना इस्पात (गलन बेल्डिंग किम्ब)--- IS : 2062-1969
15. मी एम/एल-538 13-5-1963		1-9-1972	31-8-1973	दि एमुमिनियम हंडस्ट्रीज लि०, स० 1, सेरैमिक रोड, कुंडारा (केरल)	पोलांशीन रोधित और पी बी मी खोल वाले एमुमिनियम-केबल-- IS : 1596-1962
16. मी एम/एल-570 23-8-1963		16-9-1972	15-9-1973	ऐड्डियो एंड इलेक्ट्रिकल्स मैन्यू० फ० लि०, पोम्प बैग सं० 6, मैमूर रोड, बगलौर-26	(क) पी बी सी रोधित केबल-- (1) इकहरी कोर (विना खोल वाले) 250/440 और 650/1100 वी ताबे अथवा एमुमिनियम चालक वाले-- (2) इकहरी कोर (पी बी मी खोल वाले) 250/440 वी ताबे अथवा एमुमिनियम चालकों वाले; (3) गोल दुहरे, लीन और चार कोर (पी बी सी खोल वाले) 250/ 440 वी, ताबे और एमुमिनियम चालकों वाले-- (4) चपटे दुहरे ई सी सी सहित व रक्षित (पी बी सी खोल वाले) 650/1100 वी, ताबे और एमु- मिनियम चालकों वाले-- (ख) पी बी सी रोधित सचकिसी डीरिंग (5) दुहरी मरोड़ी (विना खोल वाली) 250/440 वी केबल ताबे के चालकों वाली-- (6) गोल दुहरी, लीन और चार कोर-- (पी बी सी खोल वाली) 250/ 440 वी केबल ताबे के चालकों वाली-- IS : 694 (भाग 1 और 2)-- 1964

1	2	3	4	5	6
17. सी एम /एल-610 31-12-1963		1-10-1972	30-9-1973	प्रशियन केबल कागोरेशन लि०, (क) पी बी सी रोधित केबल पीक्सरन रोड, याना (महाराष्ट्र) (1) इकहरी कोर (बिना खोल वाले), 250/440 प्रीर 650/1100 बोल्ट, तांबे अथवा एलुमिनियम चालकों वाले, (2) इकहरी कोर, बुहरी, बुहरी इसीरी युक्त तीन और चार कोर (पी बी सी खोल वाले), 250/440 बोल्ट तांबे अथवा एलुमिनियम चालकों वाले, (3) इकहरी कोर, बुहरी कोर, बुहरी तीन और चार कोर वाले खोल (पी बी सी खोल वाले) 650/1100 बोल्ट एलुमिनियम चालकों वाले, (4) पी बी सी रोधित खच्कीली डोरिया (1) दुहरी मरोड़ी (बिना खोल वाले) 250/440 वी केबल तांबे के चालकों वाली, (5) गोल दुहरी कोर (पी बी सी खोल वाली) 250/440 केबल तांबे की चालकों वाली, (6) गोल तीन कोर (पी बी सी खोल वाली) 250/440 वी तांबे के चालकों वाली, (7) गोल चार कोर (पी बी सी खोल वाली) 250/440 वी केबल तांबे के चालकों वाली— IS:694 (भाग 1 और 2)— 1964	
18. सी एम/एल-620 17-1-1964		16-8-1972	15-8-1973	रुफगाहट प्रा० लि०, दौलतेहाद रोड, गुजरात	जनरोक प्रीर नम्यसह बनाने के लिये बिट्यू-मनी नमदे, दाष्प 3 प्रेड 1— IS : 1322—1970
19. सी एम/एल-622 23-1-1964		1-10-1972	30-9-1973	प्रार० एन० दस एंड कम्पनी, 30, देविया डांगा (इमरी लेन, कल-कन्ना-39)	विजली का तार लगाने के लिये हस्पात की तारननी— IS : 1653—1964
20. सी एम/एल-672 14-5-1964		1-9-1972	31-8-1973	हिन्दुस्तान स्टील लि०, झरकेला, इमार मंयन्न, झरकेला (उडीसा)	सरखना हस्पात (माधारण किस्म)--- IS : 1977—1967
21. सी एम/एल-752 31-7-1964		1-9-1972	31-8-1973	ईडियन प्लास्टिक्स लि०, पायमर ब्रिज, कोडीली, वाम्बई-67 एन० बी०	अंग्रेजी टट्टियों के लिये प्लास्टिक के नमकन प्रीर सीटें— IS : 2548—1967
22. सी एम/एस-760 21-8-1964		16-9-1972	15-3-1973	मरको थैलिंग एंड होमिक्रिक्स एक्विपमेंट मैन्यू० क्र०, रेलवे रोड, जातधर, शहर	एक चालक वाले आर्क थैलिंग ट्रांसफार्मर हाथ में लगातार थैलिंग के लिये प्रधिक-तम धारा 400 वो० 350 एम्पीयर तक, IS : 1851—1966
23. सी एम/एल-765 24-8-1964		1-9-1972	31-8-1973	दि पंजाब स्टील रिलिंग मिल्स, ओलड स्टेनन, गड्ढोदा	सरखना हस्पात (मानक किस्म)--- IS : 226—1969
24. सी एम/एल-766 24-8-1964		1-9-1972	31-8-1973	"	सरखना हस्पात (माधारण किस्म)--- IS : 1977—1969

1	2	3	4	5	6
25.	सी एम/एल-774 24-8-1964	16-9-1972	15-9-1973	गैजेल ब्रदर्स लि०, 7-रामगोपाल अपड़ा— घोष गोड, काशीपुर, कलकत्ता-2	IS : 16—1956
26.	सी एम/एल-775 24-8-1964	16-9-1972	15-9-1973	"	विरचित लाख— IS : 17—1956
27.	सी एम/एल-1018 26-2-1965	16-9-1972	15-9-1973	मैसूर इमेक्टीमाइट्स कम्पनी प्रा० लि०, 18-बैचताथ मुखाली स्ट्रीट, टोड्यारपेट, मद्रास-21	श्री एम सी पायसनीय तेज द्वा०— IS : 632—1966
28.	सी एम/एल-1084 1-6-1965	16-6-1972	15-2-1972	प्रताप स्टील रोटिंग मिल्स, शेहरा (पंजाब)	फंकीट्र प्रबलन के लिए सूक्ष्म इस्पात और मध्यम तनाव इस्पात की सरिया और मान छिचे इस्पात के तार— IS : 432—1960
29.	सी एम/एल-1085 1-6-1965	16-6-1972	15-12-1972	"	संरक्षण इस्पात (गलत बेल्डिंग फिस्म)— IS : 2062—1969
30.	सी एम/एल-1138 8-9-1965	1-10-1972	30-9-1973	शिव तुर्गा आथरत चक्रवर्ती प्रा० लि०, 156/1, 172/11, मधुमूक्षुनाल चौधरी नेन, हावड़ा	(क) जलकल कार्यों के लिए सूक्ष्म वाल्व (भीनगी छुर्कियां थाले न उठने वाली तकुणातुगा) श्रेणी 1 और 2 और 50 मि० मी० से 300 मि० मी० तक गाइज वाले— IS : 780—1969
31.	सी एम/एल-1190 6-1-1966	1-9-1972	31-8-1973	सेंट्रा इमेक्टीमाइट्स एण्ड फर्टीलाइजर, 110-इंडस्ट्रियल इन्डेट, हन्तीर - 3 (म० प्र०)	श्री एच सी जलविसर्जनीय तेज चूर्ण— IS : 562—1962
32.	सी एम/एल-1191 6-1-1966	1-9-1972	31-8-1973	"	श्री एच सी धुपत पाउडर— IS : 561—1962
33.	सी एम/एल-1194 10-1-1966	16-9-1972	15-9-1973	वि यंगाल मशीनरी क० प्रा० लि०, 9 ए-न्यू ट्रांस्फोर्मर गोड, कलकत्ता-46	डल्लू भी और मूत्रालयों के लिए ठनबा आहे की नीचे को ओडी ऊवाई पर लगने वाली फलण की दंकियां 15 लीटर समाई वाली— IS : 774—1971
34.	सी एम/एल-1213 25-2-1966	1-9-1972	31-8-1973	दि हिन्दुस्तान मिनरल प्रॉडक्ट्स क० प्रा० लि०, प्लाट स० 27, मैननीज किपो, मेवरी-गम्बर्ड-15	टी और टी धुलन पाउडर— IS : 564—1961
35.	सी एम/एल-1338 29-9-1966	1-10-1972	30-9-1973	एशियन बोबल्स कारपोरेशन लि०, पांचरन रोड, थाना (महाराष्ट्र)	कामज रोधित सीसा के खोल वाले केबल—केबल 11 कि० घो० तक के केबल— IS : 692—1965
36.	सी एम/एल-1341 30-9-1966	1-9-1972	31-8-1973	दि एन्युमिनियम इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, म० 1, मिर्सिक रोड, कुडाग (कर्गल)	तापवस्थ्य छहत्सह रोधित केबल (क) पी वी सी रोधित और पी वी सी खोल वाले— (1) इक्करी कोर, 250/440 और 650/1100 बोल्ट, एन्युमिनियम चालकों वाले, और (2) दुहरी कोर अपटे 250/440 घो० और 650/1100 बोल्ट एन्यु- मिनियम चालकों वाले— IS : 3035 (भाग 1)—1965

1	2	3	4	5	6
				(x) पोलीइथाइलीन रोधित, टेपलगे, ब्रेडेंज ओर सहमिलिन :—	
				(1) चकहरी कोर, 250/440 और 650/1100 बोल्ट एलुमिनियम चालकों वाले,	
				(2) चपटे तुहरी कोर, 250/440 और 650/1100 बोल्ट एलुमि- नियम चालकों वाले—	
				IS. 3035 (भाग 2)—1965	
				(g) पोलीइथाइलीन रोधित और पोलीइथा- इलीन ओल वाले—चकहरी कोर, 650/1100 बोल्ट एलुमिनियम चालकों वाले	
				IS : 3035 (भाग 3)—1967	
37. सी एम/एल-1465 26-8-1967	1-9-1972	31-8-1973	दि हिन्दुस्तान मिनरल प्रॉडक्ट्स कं० प्रा० लि० प्ल० प्लाट स० 27, मैत्रीनगर, सिवरी बम्बई-15	मालाधियोन पायसनीय तेज द्रव—	IS: 2567—1963
38. सी एम/एल-1472 13-7-1967	1-9-1972	31-8-1973	"	प्रॅट्रिन पायसनीय तेज द्रव—	IS : 1310—1958
39. सी एम/एल-1498 25-8-1967	1-10-1972	30-9-1973	गणियन केवल फार्मोरेशन लि०, पोखरन रोड, थाना (महाराष्ट्र)	शिरोपरि पावर प्रैपण कार्यों के लिए महत्व दिलें लड्डार इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालकों वाले केवल—	IS . 398—1961
40 सी एम/एल-1500 25-8-1967	1-9-1972	31-8-1973	संट्रल इंसेक्टीमाइड्स एण्ड कर्टिलाइजर, 110, इंडस्ट्रीयल हस्टेट, इन्डौर-3 (म० प्र०)	प्रॅलिन धूक्त पाउडर—	IS : 1308—1958
41. सी एम/एल-1514 15-9-1967	16-9-1972	15-9-1973	दि भिटेनिया बिस्कुट कं० लि० एम टी एच रोड, पादी, मद्रास-50	ब्रिस्कुट—	IS : 1011—1968
42. सी एम/एल-1528 15-9-1967	16-9-1972	15-9-1973	मैसूर इंसेक्टीमाइड्स कं० प्रा० लि०, 18-वैद्यनाथ मुदानी रुड्डीट, टॉर्टियार्पेट, मद्रास-21	ताप्र आनन्दिकोरोड जस विसर्जनीय तेज चूर्ण	IS : 1507—1966
43. सी एम/एल-1551 24-10-1967	1-9-1972	28-2-1973	महाशीर स्टील गोल्डिंग मिल्स, क्रूल नगर, जी टी रोड, शाहदरा-दिल्ली-32	फिल्डों, खिल्कियों और रोशनवालों के लिए वेल्सिन इस्पात के सेक्शन एफ 7 बी- IS : 1038—1968	
44. सी एम/एल-1563 14-11-1967	16-8-1972	15-8-1973	ग्राम्यस्थान केवल इंडस्ट्रीज लि०, हैवी इंडस्ट्रीयल एरिया, कोटा-3 (ग्राम्यस्थान)	एलुमिनियम चालक वाले पी बी मी रोधित फैब्रिक, 250/440 बोल्ट और 650/ 1100 बोल्ट ब्रेड चकहरी कोर (बिना ओल वाले और खोल वाले)	IS : 694 (भाग 2)—1964
45. सी एम/एल-1619 12-1-1968	1-9-1972	31-8-1973	संट्रल इंसेक्टीमाइड्स एण्ड कर्टिलाइजर, 110-इंडस्ट्रीयल हस्टेट इन्डौर-3 (म० प्र०)	प्रॅलिन पायसनीय तेज द्रव—	IS : 1310—1958
46. सी एम/एल-1804 9-10-1968	1-12-1972	31-8-1973	हिन्दुस्तान स्टील लि०, स्टर्केमा इस्पात मंथेव, लुरकेला	जम्ना चट्ठी इस्पात की चढ़रें (मादी और पनारीदार)	IS : 277—1969
47. सी एम/एल-1844 29-11-1968	1-12-1972	30-11-1972	एम एच मेलात एण्ड संस, 144-गिराम गांव, तोरेपक्कम-डाकघर, मद्रास-20	काले निर्विषक द्रव, ब्रेड 1,2 और 3	IS : 1061—1964

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
48.	सी एम/एल-1861 12-12-1968	1-9-1972	31-8-1973	मेट्रो इंसेक्टीमाइडम एंड फर्टिलाइजर्स, 110-इंडियन स्टेट, इन्डिरा-3 (म० प्र०)	श्री ही टी धूमन पाउडर- IS : 564-1961
49.	सी एम/एल-1873 23-12-1968	1-7-1972	30-6-1973	ज्वाय आइसक्रीम (बंगलौर) प्रा० लि० आइसक्रीम— मेन रोड ल्लाइट फील्ड जिना बंगलौर	IS : 2802-1964
50.	सी एम/एल-1884 31-12-1968	1-7-1972	30-6-1973	छो-न्वीक्स पाइप मैन्यु० लि०, नवलगंज, आगरा	प्रपकेत्स्य द्वारा देने (वने) हृण लोहे के स्पीगाट और सेकेट वाले मल, गंदमी श्री शंकरन पाइप— IS : 3989-1967
51.	सी एम/एल-1931 27-2-1969	1-9-1972	31-8-1973	दि क्रिन्कुलान मिनरल प्राइवेट्स क०, प्रा० लि०, प्लाट स० 27, मैगनीज डिपो, मिवरी-बम्हई- 15	श्री ही टी जल विमर्जनीय धूलन तेज पाउडर- IS : 565-1961
52.	सी एम/एल-1947 31-3-1969	1-9-1972	31-8-1973	मेट्रो इंसेक्टीमाइडम एंड फर्टिलाइजर्स, 110-इंडियन स्टेट, बंगलौर-3 (म० प्र०)	ताम्र आकर्षकलोगड़ जल विमर्जनीय तेज पाउडर— IS : 1507-1966
53.	सी एम/एल-1950 31-3-1969	1-9-1972	31-8-1973	"	एल्ड्रिज पायमनीय तेज व— IS : 1307-1958
54.	सी एम/एल-2054 21-8-1969	1-9-1972	31-8-1973	अरुण स्टील हंडमट्रीज, 1-प्रायल इंस्ट्रालेशन रोड, कलकत्ता- 13	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226-1969
55.	सी एम/एल-2055 21-8-1969	1-9-1972	31-8-1973	"	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) IS : 1977-1969
56.	सी एम/एल-2059 26-8-1969	1-9-1972	31-8-1973	दि पंजाब स्टील रोलिंग मिल्स, बोल्ड स्टेशन, बड़ौदा	कंक्रीट प्रबलन के लिये गर्भ बैलिन सुदू इस्पात मध्यम ताव इस्पात और उच्च पराखर इस्पात की विकृत छहे— IS : 1139-1966
57.	सी एम/एल-2062 29-8-1969	1-9-1972	31-8-1973	इंडो जापान स्टील मिल०, 5/1, श्री टी रोड, बेलूर, हावड़ा फ़िला	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226-1969
58.	सी एम/एल-2063 29-8-1969	1-9-1972	31-8-1973	"	संरचना इस्पात (माधारण किस्म)— IS : 1977-1969
59.	सी एम/एल-2069 9-9-1969	16-9-1972	15-9-1973	ए० श्री० जे० वायर्स प्रा० लि०, दामोदर गार्डन, 8-बी टी रोड, केलघोरिया (प० झंगल)	सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिये मृदु इस्पात के तार— IS : 280-1962
60.	सी एम/एल-2095 30-9-1969	1-9-1972	28-2-1973	प्रग्रामाल मेटल वर्क्स प्रा० लि०, प्रग्रामाल रोड, रियासी (श्रीरायणा)	पिटवी एल्यूमिनियम के बर्तन, केबल एम आर्ड सी ग्रेड— IS : 21-1959
61.	सी एम/एल-2101 30-9-1969	1-10-1972	30-9-1973	नन्दी प्रोवेडर मिल्स, (मानिक : घन- पतमल ज्वालादाम फील्ड मिल्स) 33, नजफगढ़ इंडियन एसिया नई फिल्डी- 15	पशुप्रों के लिए सिंचित आहार— प्राईम : 2052-1968
62.	सी एम/एल-2119 23-10-1969	1-9-1972	31-8-1973	दि पंजाब स्टील रोलिंग मिल्स, बोल्ड स्टेशन, बड़ौदा	कंक्रीट प्रबलन के लिये ठंडी मरोकी विकृति इस्पात की सरिया— IS : 1786-1966
63.	सी एम/एल-2194 31-12-1969	16-9-1972	15-9-1973	मलवान पैंड कम्पनी, 62/2 चेतना रोड, कलकत्ता-27	चाय की पेटियों के लिये धातु के फिटिंग— IS : 10-1970

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
64. सी एम/एल-2285 30-3-1970	1-10-1972	30-9-1973	प्रग्नियन केबल्स कार्पोरेशन लि०, पोखर्यन रोड, याना (महाराष्ट्र)	पोलीइथाइलन रोधित, टेप अहित टेपरहित ब्रेड और स्तम्भित चावनस्य अनुमूल रोधित— (क) इक्करी कोर, 250/440 बो० गेड ग्रामनियम चालकों वाले— (छ) दुहरी कोर, बपटे, 250/440 बो० और 650/1100 बोल्ट वाले एनुमिनियम चालकों वाले— IS : 3035 (भाग 2)-1965	
65. सी एम/एल-2299 31-3-1970	1-9-1972	28-2-1973	कपूर दिम्बर्म, खजूरी रोड, यमुना- नगर, जिला अस्सामा (हरियाणा)	चाय की पेटियों के लिये ज्वाहवड बी पट्टियाँ— IS : 10-1970	
66. सी एम/एल-2361 13-7-1970	1-7-1972	30-6-1973	दिम्बर ट्रेइंग, खजूरी रोड, यमुना- नगर, जिला अस्सामा (हरि- याणा)	चाय की पेटियों के लिये ज्वाहवड की पट्टियाँ— IS : 10-1970	
67. सी एम/एल-2383 5-8-1970	1-9-1972	31-8-1973	पम्पासर डिस्ट्रिक्टरी, हरिया शृंगर्स एंड रिफाइनरीज लि०, होशपेट, बेसारी जिला (मैसूर राज्य)	ब्रांडियाँ— IS : 4450-1957	
68. सी एम/एल-2384 5-8-1970	1-9-1972	31-8-1973	"	हिंदूस्थियाँ— IS : 4449-1967	
69. सी एम/एल-2386 10-8-1970	1-9-1972	31-8-1973	"	परिशोधित स्पिरिट प्रेड-1 IS : 232-1957	
70. सी एम/एल-2389 12-8-1970	16-9-1972	15-9-1973	आई बी आई प्रा० लि०, पायरोजन रहित आमून पानी के भवके- एम०-86 अंग्रेजी कुरला रोड, IS : 3830-1970 बन्धू-59		
71. सी एम/एल-2391 18-8-1970	1-9-1972	31-8-1973	शाह भेडिकल एंड सर्जिकल क० अधोत्वक (हाइपोइमिक) मुहर्याँ- लि०, अजवा रोड, बड़ोवा IS : 3317-1965 अजवा		
72. सी एम/एल-2393 19-8-1970	1-9-1972	30-6-1973	एमीसियेटेड इस्ट्रूमेंट मैन्यू० (ई०) प्रा० लि०, 35-नजफगढ़ रोड, तहि शिल्ली-15	खंड 8.2, के अनुसार सीमेंट परीक्षण के लिये घनाकार सौचे— IS : 4031-1968	
73. सी एम/एल-2394 19-8-1970	1-9-1972	28-2-1973	योगिराज केमिकल लेबोरटरीज, गिल रोड, मिलरगंज, लुधियाना (पंजाब)	मुहर लगाने के पैड की स्थाही— IS : 393-1968	
74. सी एम/एल-2401 1-9-1970	1-9-1972	31-8-1973	प्राप्ति टीपी कार्पोरेशन लि०, मलकापुरम, विशाखापत्नम बन्धरगाह (आ० प्र०)	कंवीट प्रबलन के लिये ठंडी मरोड़ी शिफ्ट इस्पात की मरियाँ— IS : 1786-1966	
75. सी एम/एल-2404 10-9-1970	16-9-1972	15-9-1973	रोगल प्रॉडक्ट्स प्राइवेट लि०, 186, रायपेटाहाई रोड, रायपेटा-मद्रास- 14	रंजकों वारा बनी फाउटेनेत की स्थाही (तीली)— IS : 1221-1957	
76. सी एम/एल-2528 27-1-1971	1-8-1972	31-7-1973	दि भारत कार्बन एंड रिक्विर मैन्यू० क० लि०, ज्वाट सं० 66 ए० इंडस्ट्रियल एरिया, फरीदाबाद दाउनगिप (हरियाणा)	हाथ से निकले के कार्बन कागज टाइप 'ए०' 'बी०' और 'सी०'— IS : 3450-1966	
77. सी एम/एल-2532 4-2-1971	16-8-1972	15-2-1973	एन०बी० इंडमी०, 12-लक्ष्मीवाई अनुमानित प्रकार के पानी के मीटर 'ए०' शुल्क नगर, इंडस्ट्रियल इस्टेट, फोर्ड डन्वीर-(म०प्र०)	डायल केवल, 15 मिं०मी०— IS : 779-1968	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
78. सी एम /एन -2537 8-2-1971	16-2-1972	15-2-1973	बनकोम एण्ड कम्पनी, 13/2 इंडिस्ट्री यल इस्टेट, पटना-13	मोटर गाड़ियों के लिए मुवाहू जैक, 4000 कि० प्रा० और 8000 कि०प्रा० क्षमता वाले, द्रव नियंत्रण डारा चालित तभी उठाने वाले—	IS : 4552-1968
79. सौ एम /एन-2557 19-8-1971	1-9-1972	31-8-1973	कृषिकेन्द्रिय प्रौद्योगिकी, मराठी जगतगर (दक्षिण) बंगलोर-11	बी एच सी जम विसर्जनीय धनत पाउडर— IS : 562-1962	
80. सी एम /एन -2629 29-3-1971	1-9-1972	31-8-1973	पम्पामर, हिस्टियरी, होजपेट जिला (मैसूर राज्य)	रम— IS : 3811-1966	
81. सी एम/एन 2630 29-3-1971	1-9-1972	31-8-1973	"	जिन— IS : 4100-1967	
82. सी एम/एन-2738 16-8-1971	16-8-1972	15-8-1973	स्फाईटोन इंडिक्रिफल्स (इंडिया), 43-इंडिस्ट्रीयल एरिया, फरीदाबाद, हरियाणा	पी बी सी रोधित (भारी ड्यूटी केवल 1100 री० तक कार्यकारी वोल्टता के लिए— IS : 1554 (भाग I)-1964	
83. सी एम/एन-2739 16-8-1971	16-8-1972	15-8-1973	कैमिकल्स एण्ड लास्टिक्स (इंडिया) लि०, रमन तगर मेट्रो बांध-3 मैलम जिला (तमिलनाडु)	पानी सप्लाई के लिए अनम्यकृत भी बी सी पाइप— IS : 4985-1968	
84. सी एम/एन-2712 18-8-1971	16-8-1972	15-8-1973	हिन्दुस्तान स्टील लि०, खालिटोली स्ट्राक पार्क, पार्वती मार्ग, कानपुर	फंक्शन प्रश्नपत्र के लिए ठंडी मरोड़ी इस्पात की विकृत सरिया— IS : 1786-1966	
85. सी एम/एन-2748 25-8-1971	1-9-1972	31-8-1973	स्टील ट्यूब आैफ इंडिया प्रा० लि०, 27/34, इंडिस्ट्रीयल इस्टेट, इन्डौर-3 (म०प्र०)	मशीनी श्रीर मामत्य इंजीनियरी कार्यों के लिए इस्पात की नलियाँ— IS : 3601-1966	
86. सी एम/एन-2754 27-8-1971	16-9-1972	15-9-1973	इंडिस्ट्रीयल कन्टेनर्स लि०, पी०/४/१, आयन हमटोलेशन रोड, पहाड़पुर, कलकत्ता-43	किनारीदार 'झी' टाइप बड़े जड़ाउ इम— IS : 1783-1961	
87. सी एम/एन-2755 31-8-1971	1-9-1972	31-8-1973	कृषिकेन्द्रिय प्रौद्योगिकी, मराठी जगतगर (भाऊथ) बंगलोर-11	बी एच सी धूलन पाउडर— IS : 561-1962	
88. सी एम/एन-2757 1-9-1971	16-9-1972	15-9-1973	कृष्ण माहर्म एण्ड ट्रेडर्स, बी एच सी धूलन पाउडर— 12- इंडिस्ट्रीयल एरिया, जयपुर परिवर्तम (राजस्थान)	IS : 561-1962	
89. सी एम/एन-2765 13-9-1971	16-9-1972	15-9-1973	कैमिकल्स एण्ड लास्टिक्स इंडिया लि० रामनगर, मेट्रो बांध-3 मैलम जिला (तमिलनाडु)	शिशुन संस्थापन के लिए सख्त अधारस्थिक तारनलिया— IS : 2509-1963	
90. सी एम/एन-2766 14-9-1971	16-9-1972	31-8-1973	इंडो जापान स्टील्स लि० ५/१, ग्रीटी रोड, बेलूर शावशा	ठंडी वेल्लित इस्पात की पत्तियाँ (गांठे बोधने के लिए)— IS : 5872-1970	
91. सी एम/एन-2775 17-9-1971	1-10-1972	30-9-1973	रोताल्ल इंजीनियर्स, ७/बी० कमरडांगा रोड, कलकत्ता-16	डोर क्लोजर (द्रव नियंत्रित)— IS : 3564-1970	
92. सी एम/एन-2782 30-10-1971	16-10-1972	15-10-1973	कनकार्ष अरग्य प्रा० लि०, उषिक्यम, तोरायपक्षम गांव, मद्रास-20	श्रीशोणिक सुरक्षा टोप— IS : 2925-1964	

[सं० सी० शी० एम/13-12]  
झी० दाम गुप्ता, उपमहानिदेशक (सेंट्रल मार्क्स)

**MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT SCIENCE AND TECHNOLOGY**  
**(Indian Standards Institution)**

New Delhi, the 25th February, 1974

**S. O. 677.**—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that ninety two licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been renewed during the month of September, 1972 :

**THE SCHEDULE**

Sl. No.	Licence No. and date No.	Period from (1)	Validity to (2)	Name and Address of the Licensee (5)	Article/Process covered by the Licences and the relevant IS: Designation (6)
1.	CM/L-13 3-9-1956	1-9-1972	31-8-1973	Lallubhai Amichand Pvt. Ltd. 48/50, Kansara Chawl, Bom- bay-2	(a) Wrought aluminium utensils, grade: SIB, SIC and NS3- IS:21-1959  (b) Wrought aluminium utensils, grade: SIC, anodized IS:1868-1968
2.	CM/L-95 18-9-1958	1-10-1972	30-9-1973	Travancore Titanium Products Ltd. Kochu Velli, Trivan- dram-7	Titanium dioxide for paints, Anatare Type A IS:411-1968
3.	CM/L-169 22-2-1960	16-9-1972	15-9-1973	Mysore Insecticides Co. Pvt. Ltd., Andhra Bank Building, 6 Linghi Chetty Street, Madras-1	BHC dusting powder— IS:561-1962
4.	CM/L-340 20-9-1961	16-9-1972	15-9-1973	Mysore Insecticides Co Pvt. Ltd., 31-A, North Beach Road, Madras-1	DDT dusting powders, IS:564-1961
5.	CM/L-403 2-4-1962	1-9-1972	31-8-1973	The Hindustan Mineral Pro- ducts Co. Pvt. Ltd, Plot No. 27, Manganese Depot, Sewri, Bombay-15	BHC DP.— IS:561-1962
6.	CM/L-429 30-6-1962	1-9-1972	31-8-1973	Do.	BHC WDPC— IS:562-1962
7.	CM/L-440 31-1-1962	16-9-1972	15-9-1973	Mysore Insecticides Co. Pvt. Ltd., 18, Valdayanatha Mudali Street, Tondiarpet, Madras-21	Pndrin Emulsifiable concentrates— IS:1310-1958
8.	CM/L-444 20-8-1962	1-9-1972	31-8-1973	Hindustan Steel Ltd., Rourkela Steel Plant, Rourkela (Orissa)	Structural Steel (Standard Quality)— IS:226-1969
9.	CM/L-445 20-8-1962	1-9-1972	31-8-1973	Do.	High tensile structural steel— IS:961-1962
10.	CM/L-446 20-8-1962	1-9-1972	31-8-1973	Do.	Cold rolled carbon steel sheets— IS:513-1963
11.	CM/L-447 20-8-1962	1-9-1972	31-8-1973	Do.	Hot rolled carbon steel sheet and strips— IS:1079-1968
12.	CM/L-450 30-8-1972	16-9-1972	15-3-1973	Coimbatore Premier Corpn. Pvt. Ltd., Patel Road, Coimba- tore-9	Small ac and universal electric motors with class 'A' insulation— IS:996-1964
13.	CM/L-500 14-1-1963	1-9-1972	31-8-1973	The Aluminium Industries Ltd. No. 1 Ceramic Road, Kun- dara (Kerala)	PVC insulated cables only with aluminium conductors, 250/440 and 650/1100 volts IS:694 (Part II)-1964
14.	CM/L-532 30-4-1963	1-9-1972	31-8-1973	Hindustan Steel Ltd. Rourkela Steel Plant, Rourkela (Orissa)	Structural Steel (fusion welding quality)— IS:2062-1969
15.	CM/L-538 13-5-1963	1-9-1972	31-8-1973	The Aluminium Industries Ltd., No. 1 Ceramic Road, Kun- dara (Kerala)	Polythene insulated and PVC sheath- aluminium cables— IS:1596-1962
16.	CM/L-570 23-8-1963	16-9-1972	15-9-1973	Radio and Electricals Mfg. Co. Ltd., Post Bag No. 6, Mysore Road, Bangalore-26	(a) <b>PVC insulated cables</b> (i) Single core (unsheathed), 250/440 and 650/1100 volts with copper or aluminium conductors (ii) Single core (PVC sheathed) 250/440 volts with copper or aluminium con- ductors (iii) Circular twin, three and four cores (PVC sheathed) 250/440 and 650/1100 volts with aluminium conductors only (iv) Flat twin with or without FCC (PVC sheathed) 650/1100 volts with copper or aluminium conductors (b) <b>PVC insulated flexible cords</b> (v) Twin twisted (unsheathed), 250/440 volts with copper conductors only

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
17. CM/L-610 31-12-1963	1-10-1972	30-9-1973	Asian Cables Corporation Ltd., Pokhran Road, Thana (Ma- harashtra)	(vi) Circular twin, three and four cores (PVC sheathed) 250/440 volts with copper conductors only IS:694 (Parts I & II)-1964	(a) <b>PVC insulated cables</b> (i) Single core (unsheathed), 250/440 and 650/1100 volts with copper or aluminum conductors (ii) Single core, twin, twin with ECC, three & four cores (PVC sheathed), 250/440 volts with copper or aluminum conductors (iii) Single core, twin three and four cores circular (PVC sheathed) 650/1100 volts with aluminium conductors only (b) <b>PVC insulated flexible cords</b> (iv) Twin twisted (unsheathed), 250/440 volts with copper conductors only (v) Circular two core (PVC sheathed) 250/440 volts with copper conductors only (vi) Circular three core (PVC sheathed) 250/440 volts with copper conductors only (vii) Circular four core (PVC sheathed) 250/ 440 volts with copper conductors only IS:694 (Parts I & II)-1964
18. CM/L-620 17-1-1964	16-8-1972	15-8-1973	Roofrite Pvt. Ltd., Daulatabad Road, Gurgaon	Bitumen Felts for water-proofing and damp-proofing, Type 3, Grade 1— IS:1322-1970	Steel conduits for electrical wiring— IS:1653-1964
19. CM/L-622 23-1-1964	1-10-1972	30-9-1973	R.N. Datta & Co., 30 Bedia danga, 2nd Lane, Calcutta-39	Structural Steel (Ordinary Quality)— IS:1977-1969	Structural Steel (Standard Quality)- IS: 226-1969
20. CM/L-672 14-5-1964	1-9-1972	31-8-1973	Hindustan Steel Ltd., Rourkela Steel Plant, Rourkela (Orissa)	Plastic water-closet seats and covers IS:2548:1967	Structural Steel (Ordinary Quality)— IS:1977-1969
21. CM/L-752 31-7-1964	1-9-1972	31-8-1973	Indian Plastics Ltd., Poisar Bri- dge, Kandivili, Bombay-67 NB	Arc welding transformers, single operator type, 400 volts upto 350 amprs, Max continuous hand welding current— IS:1851-1966	IS:16-1956
22. CM/L-760 21-8-1964	16-9-1972	15-3-1973	Berco Welding & Electrical Equipment Mfg. Co., Railway Road, Jullundur City	Bleached lac— IS:17-1956	BHC Emulsifiable concentrates— IS:632-1966
23. CM/-L765 24-8-1964	1-9-1972	31-8-1973	The Punjab Steel Rolling Mills, Old Station, Baroda	Structural Steel (Standard Quality)- IS: 226-1969	Shellac— IS:16-1956
24. CM/L-766 24-8-1964	1-9-1972	31-8-1973	Do-	Structural Steel (Ordinary Quality)- IS:1977-1969	
25. CM/L-774 24-8-1964	16-9-1972	15-9-1973	Angelo Brothers Ltd., 7 Ram Gopal Ghose Road, Cossi- pore, Calcutta-2	Do-	
26. CM/L-775 24-8-1964	16-9-1972	15-9-1973	Mysore Insecticides Company Pvt. Ltd., 18, Vaidyanatha Mudali Street, Tondiarpet, Madras-21	Do-	
27. CM/L-1018 26-2-1965	16-9-1972	15-9-1973	Partap Steel Rolling Mills, Chheharta (Punjab)	Mild Steel and medium tensile steel bars and hard-drawn steel wire for concrete reinforcement— IS:432-1960	
28. CM/L-1084 1-6-1965	16-6-1972	15-12-1972	Shiva Durga Iron Works Pvt. Ltd., 156/1 & 172/11, Madhusudan Pal-Chowdhury Lane, Howrah	Structural steel (fusion welding quality)- IS:2062-1969	a) Sluice valves for waterworks purposes (inside screw non rising spenndle type) class 1 & 2 from 50 mm upto and including 300mm sizes-IS:780- 1969 b) Sluice valves for waterworks purposes, class 1 from 350 mm up to and including 1200 mm sizes; Sluice valves for Water Works Purposes, Class 2, from 350 mm upto and including 900 mm sizes IS:7006 1960
29. CM/L-1085 1-6-1965	16-6-1972	15-12-1972	Do-		
30. CM/L—1138 8-9-1965	1-10-1972	30-9-1973			

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
31. CM/L-1190 6-1-1966		1-9-1972	31-8-1973	Central Insecticides & Fertilizers, 110 Industrial Estate, Indore-3 (M.P.)	BHC water dispersible powder concentrates IS:562-1962
32. CM/L-1191 6-1-1966		1-9-1972	31-8-1973	Do-	BHC dusting powders IS:561-1962
33. CM/L-1194 10-1-1966		16-9-1972	15-9-1973	The Bengal Machinery Co. Pvt. Ltd. 9A New Tangra Road, Calcutta-46	Cast iron flushing cisterns for water closets and urinals (Bell type) high level, 15 litre capacity— IS:774-1971
34. CM/L-1213 25-2-1966		1-9-1972	31-8-1973	The Hindustan Mineral Products Co. Pvt. Ltd. Plot No. 27, Manganese Depot, Sewri, Bombay-15	DDT DP— IS:564-1961
35. CM/L-1338 29-9-1966		1-10-1972	30-9-1973	Asian Cables Corporation Ltd. Pokhran Road, Thana (Maharashtra)	Paper-insulated, lead-sheathed cables, upto 11 kV only— IS:692-1965
36. CM/L-1341 30-9-1966		1-9-1972	31-8-1973	The Alumium Industries Ltd. No. 1, Ceramic Road, Kundara(Kerala)	<b>Thermoplastic insulated weather proof cable</b> (a) PVC insulated and PVC sheathed (i) Single core, 250/440 and 650/1100 volts with aluminium conductor and (ii) Twin core flat 250/440 volts & 650/1100 volts with aluminium conductors— IS:3035 (Pt. I)—1965 (b) Polyethylene insulated, taped, braided and compounded: (i) Single core, 250/440 and 650/1100 volts with aluminium conductors; and (ii) Flat, twin core, 250/440 and 650/1100 volts with aluminium conductors— IS: 3035(Pt. II)—1965 (c) Polyethylene insulated and polyethylene sheathed Single core, 650/1100 volts with aluminium conductors— IS:3035(Pt. III)—1967
37. CM/L-1465 26-6-1967		1-9-1972	31-8-1973	The Hindustan Mineral Products Co. Pvt. Ltd. Plot No. 27, Manganese Depot, Sewri, Bombay-15	Malathion emulsifiable concentrates— IS:2567-1963
38. CM/L-1472 13-7-1967		1-9-1972	31-8-1973	Do-	Endrin emulsifiable concentrates— IS:1310-1958
39. CM/L-1498 25-8-1967		1-10-1972	30-9-1973	Asian Cables Corporation Ltd. Pokhran Road, Thana (Maharashtra)	Hard-drawn stranded aluminium and steel-cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes IS: 398-1961
40. CM/L-1500 25-8-1967		1-9-1972	31-8-1973	Central Insecticides & Fertilizers, 110 Industrial Estate, Indore-3 (M.P.)	Aldrin dusting powder— IS:1308-1958
41. CM/L-1514 15-9-1967		16-9-1972	15-9-1973	The Britania Biscuit Co. Ltd. M.T.H. Road, Padi, Madras-50	Biscuits— IS:1011-1968
42. CM/L-1528 15-9-1967		16-9-1972	15-9-1973	Mysore Insecticides Co. Pvt. Ltd. 18, Vaidyanatha Mudali Street Tondiarpet, Madras-21	Copper oxychloride water dispersible powder concentrates— IS: 1507-1966
43. CM/L-1551 24-10-1967		1-9-1972	28-2-1973	Mahabit Steel Rolling Mills Qabool Nagar, G.T. Road, Shahdara, Delhi-32	Rolled steel sections, F 7B for doors, windows and ventilators— IS:1038-1968
44. CM/L-1563 14-11-1967		16-8-1972	15-8-1973	Rajasthan Cable Industries Ltd. Heavy Industrial Area, Kota-3 (Rajasthan)	PVC insulated cables with aluminium conductors, 250/440 and 650/1100 volts grade, single core (unsheathed and PVC sheathed)— IS:694(Part II)—1964
45. CM/L-1619 12-1-1968		1-9-1972	31-8-1973	Central Insecticides & Fertilizers, 110 Industrial Estate, Indore-3 (M.P.)	Endrin emulsifiable concentrate— IS:1310-1958
46. CM/L-1804 9-10-1968		1-19-1972	31-8-1973	Hindustan Steel Ltd. Rourkela Steel Plant, Rourkela-1,	Galvanized Steel sheets (plain and corrugated)— IS:277-1969
47. CM/L-1844 29-11-1968		1-12-1971	30-11-1972	S.H. Shelat & Sons, 144 Shivram Village, Thorepakkam P.O. Madras-20.	Disinfectant fluid black, grades 1, 2 & 3— IS:1061-1964

1	2	3	4	5	6
48.	CM/L-1861 12-12-1968	1-9-1972	31-8-1973	Central Insecticides & Fertilizers, 110, Industrial Estate, Indore-3 (M.P.)	DDT dusting powders— IS: 564-1961
49.	CM/L-1873 23-12-1968	1-7-1972	30-6-1973	Joy Ice-creams (Bangalore) Pvt Ltd., Main Road, Whitefield, Bangalore Distt.	Ice-cream— IS: 2802-1964
50.	CM/L-1884 31-12-1968	1-7-1972	30-6-1973	Indo-Swedish Pipe Manufacturers Ltd, Nawalganj, Agra-6	Centrifugally cast (UPGR) iron spigot and socket solidwaste and ventilating pipes. IS: 3989-1967
51.	CM/L-1931 27-2-1969	1-9-1972	31-8-1973	The Hindustan Mineral Products Co Pvt Ltd, Plot No. 27, Manganese Depot, Sewri, Bombay-15.	DDT WLPC— IS: 565-1961
52.	CM/L-1947 31-3-1969	1-9-1972	31-8-1973	Central Insecticides & Fertilizers, 110 Industrial Estate, Indore-3 (M.P.)	Copper Oxychloride water dispersible powder concentrates— IS: 1507-1966
53.	CM/L-1950 31-3-1969	1-9-1972	31-8-1973	Do.	Aldrin emulsifiable concentrates— IS: 1307-1958
54.	CM/L-2054 21-8-1969	1-9-1972	31-8-1973	Arun Steel Industries, I, Oil Installation Road, Calcutta-43	Structural Steel (Standard Quality)— IS: 226-1969
55.	CM/L-2055 21-8-1969	1-9-1972	31-8-1973	Do.	Structural Steel (Ordinary Quality)— IS: 1977-1969
56.	CM/L-2059 26-8-1969	1-9-1972	31-8-1973	The Punjab Steel Rolling Mills, Old Station, Baroda.	Hot rolled mild steel, medium tensile steel and high yield strength steel deformed bars for concrete reinforcement— IS: 1139-1966
57.	CM/L-2062 29-8-1969	1-9-1972	31-8-1973	Indo-Japan Steels Ltd, 5/1, G.T. Road, Belur, Howrah Distt.	Structural Steel (Standard Quality)— IS: 226-1969
58.	CM/L-2063 29-8-1969	1-9-1972	31-8-1973	Do.	Structural Steel (Ordinary Quality)— IS: 1977-1969
59.	CM/L-2069 9-9-1969	16-9-1972	15-9-1973	A.V.J. Wires Pvt Ltd., Domodar Gardens, 8 B.T. Road Belgachia (W. Bengal)	Mild Steel Wire for general engineering purposes— IS: 280-1962
60.	CM/L-2095 30-9-1969	1-9-1972	28-2-1973	Agrawal Metal Works Pvt Ltd., Agrawal Road, Rewari (Haryana)	Wrought aluminium utensils, SIC grade only— IS: 21-1959
61.	CM/L-2101 30-9-1969	1-10-1972	30-9-1973	Nandi Provender Mills (Prop. Dhanpatmal Jawaladas Feed Mills), 33, Najafgarh Industrial Area, New Delhi-15	Compounded feeds for cattle— IS: 2052-1968
62.	CM/L-2119 23-10-1969	1-9-1972	31-8-1973	The Punjab Steel Rolling Mills, Old Station, Baroda.	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement— IS: 1786-1966
63.	CM/L-2194 31-12-1969	16-9-1972	15-9-1973	Sylvan & Company, 62/2, Chetla Road, Calcutta-27	Tea-chest metal fittings— IS: 10-1970
64.	CM/L-2285 30-3-1970	1-10-1972	30-9-1973	Asian Cables Corporation Ltd., Pokhran Road, Thana (Maharashtra)	Thermoplastic insulated weatherproof cables, polyethylene insulated/taped/untaped, braided and compounded: (a) Single core, 250/440 volts grade with aluminium conductors; and (b) Twin core, flat, 250/440 volts and 650/1100 volts with aluminium conductors— IS: 3035 (Part II)-1965
65.	CM/L-2299 31-3-1970	1-9-1972	28-2-1973	Kapur Timbers, Khajuri Road, Yamunanagar Distt. Ambala (Haryana)	Plywood tea-chest battens— IS: 10-1970
66.	CM/L-2361 13-7-1970	1-7-1972	30-6-1973	Timber Traders, Khajuri Road, Yamunanagar Distt. Ambala (Haryana)	Plywood tea-chest battens— IS: 10-1970
67.	CM/L-2383 5-8-1970	1-9-1972	31-8-1973	Pampasar Distillery, India Sugars & Refineries Ltd, Hospet, Distt. Bellary (Mysore State)	Brandies— IS: 4450-1967
68.	CM/L-2384 5-8-1970	1-9-1972	31-8-1973	Do.	Whiskies— IS: 4449-1967
69.	CM/L-2386 10-8-1970	1-9-1972	31-8-1973	Pampasar Distillery, India Sugars & Refineries Ltd, Hospet, Distt. Bellary (Mysore State)	Rectified spirit grade I— IS: 323-1957

1	2	3	4	5	6
70.	CM/L-2389 12-8-1970	16-9-1972	15-9-1973	I.B.I. Pvt Ltd., S-86, Andheri Kurta Road, Bombay-59	Water steels for pyrogenfree distilled water— IS: 3830-1970
71.	CM/L-2391 18-8-1970	1-9-1972	31-8-1973	Shah Medical & Surgical Co. Ltd., Ajwa Road, Baroda	Needles, hypodermic— IS: 3317-1965
72.	CM/L-2393 19-8-1970	1-9-1972	30-6-1973	Associated Instruments Manufacturers (I) Pvt. Ltd., 35 Najafgarh Road, New Delhi-15	Cube moulds for cement testing as per clause 8.4.2.— IS: 4031-1968
73.	CM/L-2394 19-8-1970	1-9-1972	28-2-1973	Yogi Raj Chemical Laboratories, Gill Road, Millerganj, Ludhiana (Pb.)	Ink, stamp pad— IS: 393-1968
74.	CM/L-2401 1-9-1970	1-9-1972	31-8-1973	Andhra Steel Corp. Ltd, Malkapuram, Visakhapatnam Port, (A.P.)	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement— IS: 1786-1966
75.	CM/L-2404 10-9-1970	16-9-1972	15-9-1973	Regal Products Private Limited, 186, Royapettah High Road, Royapettah, Madras-14	Dye-based fountain pen ink (blue)— IS: 1221-1957
76.	CM/L-2528 27-1-1971	1-8-1972	31-7-1973	The Bharat Carbon & Ribbon Mfg. Co. Ltd, Plot No 66-A, Industrial Area, Faridabad Township (Haryana)	Carbon papers, handwriting, Types A, B & C— IS: 34 50-1966
77.	CM/L-2532 4-2-1971	16-8-1972	15-2-1973	N.B. Industries, 12 Lakshmi Bai Nagar, Industrial Estate, Fort, Indore (M.P.)	Water Meters, Inferential Type 'A' Dry Dial, 15 mm only— IS: 779-1968
78.	CM/L-2537 8-2-1971	16-2-1972	15-2-1973	Vankos & Company, 13/2, Industrial Estate, Patna-13.	Portable jacks for automobiles, 4000 kg and 8000 kg capacity hydraulically operated, bottom lifting type— IS: 4552-1968
79.	CM/L-2557 19-8-1971	1-9-1972	31-8-1973	Krishichemin Products, Sarakki, Jayanagar, (South) Bangalore-11.	BHC WDPC— IS: 562-1962
80.	CM/L-2629 29-3-1971	1-9-1972	31-8-1973	Pamparar Distillery, Hospet, Bellary Distt. (Mysore State)	Rum— IS: 3811-1966
81.	CM/L-2630 29-3-1971	1-9-1972	31-8-1973	Do.	Gin— IS: 4100-1967
82.	CM/L-2738 16-8-1971	16-8-1972	15-8-1973	Skytone Electricals (India), 43 Industrial Area, Faridabad (Haryana)	PVC insulated (heavy duty) cables for working voltages upto and including 1100 volts,— IS: 1554 (Part I)-1964
83.	CM/L-2739 16-8-1971	16-8-1972	15-8-1973	Chemicals & Plastics (India) Ltd, Raman Nagar, Mettur Dam-3, Salem Distt. (Tamil Nadu)	Unplasticized PVC pipes for potable water supply— IS: 4985-1968
84.	CM/L-2742 18-8-1971	16-8-1972	15-8-1973	Hindustan Steel Ltd, Gwaltoli Stock Yard, Parbat Marg, Kanpur	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement— IS: 1786-1966
85.	CM/L-2748 25-8-1971	1-9-1972	31-8-1973	Steel Tubes of India Pvt Ltd, 27/34 Industrial Estate, Indore-3 (M.P.)	Steel tubes for Mechanical and general engineering purposes— IS: 3601-1966
86.	CM/L-2754 27-8-1971	16-9-1972	15-9-1973	Industrial Containers Ltd, P/4/1, Oil Installation Road, Paharpur, Calcutta-43	Drums, large, fixed, end type B— IS: 1783-1961
87.	CM/L-2755 31-8-1971	1-9-1972	31-8-1973	Krishichemin Products, Sarakki, Jayanagar, (South), Bangalore-11.	BHC DP— IS: 561-1962
88.	CM/L-2757 1-9-1971	16-9-1972	15-9-1973	Krishna Miners & Traders, 12 Industrial Area, Jaipur Wcst (Rajasthan)	BHC DP— IS: 561-1962
89.	CM/L-2765 13-9-1971	16-9-1972	15-9-1973	Chemicals and Plastics India Ltd, Raman Nagar, Mettur Dam-3, Salem Distt (Tamil Nadu)	Rigid non-metallic conduits for electrical installations— IS: 2509-1963
90.	CM/L-2766 14-9-1971	16-9-1972	31-8-1973	Indo-Japan Steels Ltd, 5/1, G.T. Road, Belur, Howrah	Cold rolled steel strips (box strappings) IS: 5872-1970
91.	CM/L-2775 17-9-1971	1-10-1972	30-9-1973	Ronald Engineers, 7/B, Kamaranda Road, Calcutta-46	Door closers (hydraulically regulated)— IS: 3564-1970
92.	CM/L-2782 30-10-1971	16-10-1972	15-10-1973	Concord Arai Pvt Ltd, Ukkiam, Thoarippakkam Village, Madras-20.	Industrial safety helmets— IS: 2925-1964

**स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय**  
(स्वास्थ्य विभाग)

**आवेदन**

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1974

का० आ० 678.—यतः भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की 18 जून, 1964 की अधिसूचना संख्या एम० 32-5/61 एम० पी० टी० द्वारा केन्द्रीय सरकार ने निर्देश दिया है कि भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजनों के लिए यूनिवर्सिटी आफ नेवर-स्कूल, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा प्रदत्त एम० डी० चिकित्सा अर्हतामाल्य चिकित्सा अर्हता होगी;

और यतः डा० पाल इल्लू० जेवेट को जिसके पास उक्त अर्हता है अध्यापन, अनुसंधान य धर्मार्थ कार्य के प्रयोजनों के लिये फिलहाल बेन्लेस हॉस्पिटल, मिराज मेडिकल सैण्टर, दाक्यशाना मिराज, एम० एच० सांगली, जिला महाराष्ट्र के साथ सम्बद्ध है।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 14 की उपधारा (1) के परन्तुके के धारा (ग) का पालन करने हुए केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा—

(1) इस आवेदन के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख में दो वर्ष की अवधि;

**अध्ययन**

(2) उस अवधि को जब तक डा० पाल इल्लू० जेवेट, बेन्लेस हॉस्पिटल, मिराज मेडिकल सैण्टर पी० मिराज एम० एच० सांगली जिला महाराष्ट्र के साथ सम्बद्ध रहने हैं, जो भी कम हो वह अवधि विनियिष्ट करनी है, जिसमें पूर्वीक डा० मेडिकल प्रैक्टिस कर सकें।

[गो सं० पी० 11016/26/73-एम० पी० टी०]

**MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING**  
(Department of Health)

**ORDER**

New Delhi, the 5th February, 1974

S.O. 678.—Whereas by the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. F. 32-5/64 MPT dated the 18th June, 1964, the Central Government has directed that the Medical qualification "M.D" (University of Nebraska, United States of America) shall be a recognised medical qualification for the purposes of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956);

And whereas Dr. Paul W. Jewett who possesses the said qualification is for the time being attached to the Wanless Hospital, Miraj Medical Centre, P. O. Miraj M. H. Sangli District, Maharashtra for the purposes of teaching, research and charitable work;

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies—

- (i) a period of two years from the date of publication of this order in the official Gazette, or
- (ii) the period during which Dr. Paul W. Jewett is attached to the said Wanless Hospital, Miraj Medical Centre P. O. Miraj M. H. Sangli District, Maharashtra,

whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited.

[No. V. 11016/26/73-MPT]

**आवेदन**

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 1974

का० आ० 679.—यतः भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की 19 जूलाई, 1962 की अधिसूचना सं० 16-28/61-वि० 1 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने निर्देश दिया है कि भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजनों के लिए यूनिवर्सिटी आफ यार्शिंगटन, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा प्रदत्त डाक्टर आफ मेडिसिन की चिकित्सा

अर्हता मान्य चिकित्सा अर्हता होगी;

और यतः डा० इविल वर्न विलियम्स को जिसके पास उक्त अर्हता है अध्यापन य धर्मार्थ कार्य के प्रयोजनों के लिए फिलहाल उच्ची मिशन अपनाल, उच्ची, यवतमाल महाराष्ट्र राज्य के साथ सम्बद्ध है;

अतः अब उक्त अधिनियम को धारा 14 की उपधारा (1) के परन्तुके के धारा (ग) का पालन करने हुए केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा—

(1) 1 जूलाई, 1971 तक की अवधि

**अध्ययन**

(2) उस अवधि को जब तक डा० इविल वर्न विलियम्स उच्ची मिशन अपनाल, उच्ची यवतमाल जिला महाराष्ट्र के साथ सम्बद्ध रहते हैं, जो भी कम हो वह अवधि विनियिष्ट करती है, जिसमें पूर्वीक डा० मेडिकल प्रैक्टिस कर सकें।

[प० सं० वो० 11015/21/73 एम० पी० टी०]

**ORDER**

New Delhi, the 8th February, 1974

S.O. 679.—Whereas by the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 16-28/61-MI, dated the 19th July, 1962, the Central Government has directed that the Medical qualification, "Doctor of Medicine" granted by the University of Washington, United States of America shall be a recognised medical qualification for the purposes of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956);

And whereas Dr. David Verne Williams, who possesses the said qualification, is for the time being attached to the Umri Mission Hospital, Umri, Yeotmal District, Maharashtra for the purposes of teaching and charitable work;

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies—

(i) a period upto the 1st July, 1974, or

(ii) the period during which Dr. David Verne Williams is attached to the said Umri Mission Hospital, Umri, Yeotmal District, Maharashtra,

whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited.

[No. V. 11015/24/73-MPT]

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1974

का० आ० 680—भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के अण्ड (ख) के उपबन्धों का अनुसरण करने हुए उक्त विश्वविद्यालय द्वारा एम०मी०बी० मेडिकल, कालेज कटक, के प्रधानाचार्य डा० शे०शार० पटनायक को, डा० जी० ए० ए० दास महापत्र के स्थान पर जो कि प्रथ उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (3) के अधीन परिषद् के सदस्य नहीं रहे, 7 अगस्त, 1973 से भारतीय चिकित्सा परिषद् का सदस्य निर्वाचित किया गया है;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के उपबन्धों का अनुसरण करने हुए केन्द्रीय सरकार द्वारा सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की दिनांक 9 जनवरी, 1960 की अधिसूचना संख्या 5-13/59-नि० 1 में आगे और निम्नलिखित संशोधन करती है; नामतः

उक्त अधिसूचना में "धारा 3 की उपधारा (1) के अण्ड (ख) के अधीन निवाचित" शीर्षक के अन्तर्गत अग्र संख्या 10 के नामते की प्रतिष्ठि के लिए निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी; नामतः

"डा० शे० शार० पटनायक,

प्रधानाचार्य एम०मी०बी० मेडिकल कालेज कटक"

[म० सं० वो० 11013/2/73 एम० पी० टी०]

New Delhi, the 19th February, 1974

**S.O. 680.**—Whereas in pursuance of the provisions of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), Dr. D. R. Patnaik Principal, S.C.B. Medical College, Cuttack-7, has been elected by the Utkal University to be a member of the Medical Council of India with effect from the 7th August, 1973 vice Dr. G. S. Das Mohapatra who has ceased to be a member of the Council under sub-section (3) of section 7 of the said Act;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 5-13/59 MI, dated the 9th January, 1960, namely:—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3", for the entry against serial No. 10, the following entry shall be substituted, namely:—

"Dr. D. R. Patnaik, Principal, S.C.B. Medical College, Cuttack-7".

[No. V. 11013/2/73 MPT]

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 1974

का० आ० 681—प्रतः इन चिकित्सा प्रधिनियम, 1948 (1949 का 16) की धारा 3 के खंड (ग) के उपचारों का अनुसरण करने वाले मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर ने डा० कें० एल० सूरी, एम० एल० गो०, एम० बी० बी० एम०, एम० डी० एम०, पी० एच० शी०, निवेशक, दल गर्भन काले॒ज, कस्टरबा॒ मैटिकल काले॒ज, मणिपाल, को 30 निवासन, 1973 से भारतीय इन चिकित्सा परिषद का मद्द्य निर्वाचित किया है;

और यह उक्त प्रधिनियम की धारा 3 के खंड (इ) का अनुसरण करने वाले महाराष्ट्र सरकार ने डा० टी० एम० उदानी, बी० डी० एम०, एफ० सी० पी० एम०, बी० एम० सी० शी०, एम० एम० सी० डी० (टोरोल्टा), डीन गर्भनमैट डल चिकित्सा काले॒ज, तथा प्रसानाल, 1, पी० डी० मेलो॒ रोड, फोर्ट, बम्बई-1 को 17 नवम्बर, 1973 में उक्त परिषद का सदस्य मनोनीत किया है;

अतः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 3 का अनुसरण करने वाले केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मन्त्रालय की दिनांक 17 अक्टूबर, 1962 की अधिसूचना संख्या एफ-3-2/62-चि० II में आर्ने और निम्नलिखित संशोधन करनी है; नामतः

उक्त प्रधिसूचना में (I) "धारा 3 के खंड (ग) के अधीन निर्वाचित" शीर्षक के अंतर्गत अम संख्या 8 के सामने की प्रतिनिधि के लिए निम्नलिखित प्रविष्टि प्रसिद्ध स्थापित की जाएगी नामतः

"डा० कें० एल० सूरी, एम० एल० गो०, एम० बी० एम० डी० एच० डी०,

निवेशक, काले॒ज आव इन्टर्स काले॒ज, निवेशक, काले॒ज आव इन्टर्स काले॒ज, मणिपाल"

(II) "धारा 3 के खंड (इ) के अधीन मनोनीत" शीर्षक के अंतर्गत कम संख्या 5 के सामने की प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रविष्टि प्रसिद्ध स्थापित की जाएगी; नामतः

"डा० टी० एम० उदानी, बी० डी० एम०, एफ० सी० पी० एम०, बी० एम० सी० डी०, एम० एम० सी० शी० (टोरोल्टा)

डीन, गर्भनमैट डेन्टल काले॒ज तथा प्रसानाल,

1, पी० डी० मेलो॒ रोड, फोर्ट, बम्बई-1"

[मं० बी० 12013/1/72 एम० पी० टी०]

कुमारी सनी बालकृष्ण, अध्यक्ष सचिव,

New Delhi, the 21st February, 1974

**S.O. 681.**—Whereas the University of Mysore, Mysore has, in pursuance of the provisions of clause (d) of section 3 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), elected Dr. K. L. Shourie, M.Sc. MBBS, MDS, Ph.D., Director, College of Dental Surgery, Kasturba Medical College, Manipal, to be a member of the Dental Council of India with effect from the 30th September, 1973;

And whereas the State Government of Maharashtra has, in pursuance of clause (c) of section 3 of the said Act, nominated Dr. T. M. Udani, BDS, FCPS, B.Sc.D., MSc.D. (Toronto), Dean, Government Dental College and Hospital, 1, P. D. Mello Road, Fort, Bombay-1, to be a member of the said Council with effect from the 17th November, 1973;

Now, therefore, in pursuance of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. F. 3-2/62-MII, dated the 17th October, 1962, namely:—

In the said notification,

(i) under the heading "Elected under clause (d) of section 3", for the entry against serial No. 8, the following entry shall be substituted, namely:—

"Dr. K. L. Shourie, M.Sc., MBBS, MDS, Ph.D., Director, College of Dental Surgery, Kasturba Medical College, Manipal".

(ii) under the heading "Nominated under clause (c) of section 3", for the entry against serial No. 5, the following entry shall be substituted, namely:—

"Dr. T. M. Udani, BDS, FCPS, B.Sc.D., MSc.D. (Toronto), Dean, Government Dental College and Hospital, 1, P. D. Mello Road, Fort, Bombay-1".

[No. V. 12013/1/72 MPT]

KM. SATHI BALAKRISHNA, Under Secy.

कृषि संबलपुर

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1974

का० आ० 682—केन्द्रीय सरकार, माध्याराण श्रेणीकरण और विहृत नियम, 1937 के नियम 4 के खंड (ज) और (ट) के अनुसरण में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से ऐगमार्क के अधीन श्रेणीकृत औटी हुई कपास (लिन्ट) की गोटों पर लगाये जाने वाले ऐगमार्क लेबलों का प्रभार 0.25 पैसे प्रति गोट (180 कि० ग्रा० या उससे कम वजन की) निर्धारित करनी है।

[मं० 13-3/73-ए० एम०]

## MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 19th February, 1974

**S.O. 682.**—In pursuance of clauses (i) and (k) of rule 4 of the General Grading and Marking Rules, 1937, the Central Government hereby fixes with effect from the date of publication of this notification, the charges for Agmark Labels to be affixed on the bales of Cotton lint graded under 'Agmark' at the rate of 0.25 paise per bale weighing 180 kg. or less.

[No. 13-3/73-AM]

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1974

का० आ० 683.—कुछ उपज (श्रेणीकरण और चिन्हन) प्रधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनएस्ड्वारा घोषित करती है कि उक्त प्रधिनियम, के उपबन्ध निम्नलिखित वस्तु को लागू होंगे, अधृतः—

“अगर अगर”

[सं० 13-9/72-ए०एम०]

रघुबीर नारायण, अवर मंत्री

New Delhi, the 19th February, 1974

S.O. 683.—In exercise of the powers conferred by Section 6 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), the Central Government hereby declares that the provisions of the said Act shall apply to the following articles, namely:—

“Agar Agar”.

[No. 13-9/72-AM]

RAGHUBIR NARAIN, Under Secy.

### पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, 13 फरवरी, 1974

का० आ० 684.—केन्द्रीय सरकार, सार्वजनिक स्थान (अप्राविष्ट प्रधिभागियों की बेवाली) प्रधिनियम, 1971 की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के भूत्पूर्व निर्माण, आवास तथा पूर्ति मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 307, तारीख 28 जनवरी, 1959 का प्राथिक संसाधन करते हुए और भारत सरकार के भूत्पूर्व निर्माण, आवास तथा पूर्ति मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 1762, तारीख 19 जूलाई, 1961 को अधिकान्त करते हुए, नीचे दी गई तालिका के स्तम्भ 1 में निर्दिष्ट अधिकारियों को, सरकारी राजपत्रित अधिकारी होने के ताते, उक्त प्रधिनियम के प्रयोगों के लिए सम्पूर्ण अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है जो कि उक्त तालिका के कालम 2 में तस्थानी श्रिंखिट में विनिर्दिष्ट सार्वजनिक स्थानों के सम्बन्ध में अपने-अपने अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के अन्दर उक्त प्रधिनियम द्वारा अधिकार उसके अधीन सम्पदा अधिकारियों को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेंगे तथा उन पर अधिगोपित कर्तव्यों का पालन करेंगे।

### सामिका

अधिकारी की पद संज्ञा

सार्वजनिक स्थान के बांग तथा प्रधिकार

सेवा की स्थानी सीमाएं

1

2

1. उप निदेशक, विमान मार्ग तथा नागर विमानन विभाग के प्रशासनिक विमान शेत्र, नागर विमानन नियंत्रण के अन्तर्गत स्थान। विभाग, पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय।
2. क्षेत्रीय निदेशक, कलकत्ता, मुम्बई, नागर विमानन विभाग के प्रशासनिक मंत्रालय तथा दिल्ली। नियंत्रण के अन्तर्गत स्थान, जो कि
3. विमान शेत्रों के क्षेत्रीय नियंत्रक } उनके अपनी-अपनी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के अन्दर दिल्ली। } स्थित है।

[सं० ए० बी० 21012/26/73-वी०वी०]

एम० एन० दुग्गल, अवर सचिव

### MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

New Delhi, 13th February, 1974.

S.O. 684.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act 1971 (40 of 1971) and in partial modification of the notification of the Government of India in the late Ministry of Works, Housing and Supply No. S.O. 307, dated 28th January, 1959 and in supersession of notification of the Government of India in the late Ministry, Works, Housing and Supply, No. S.O. 1762 dated 19th July, 1961, the Central Government hereby appoints the Officers mentioned in Column 1 of the Table below, being gazetted officers of Government, to be estate officers for the purposes of the said Act who shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on estate officers by or under the said Act within the local limits of their respective jurisdiction in respect of the public premises specified in the corresponding entry in column 2 of the said Table.

### TABLE

Designation of Officers	Categories of public premises and local limits of jurisdiction.
1	2
1. Deputy Director, Air Routes and Aerodromes, Civil Aviation Department, Ministry of Tourism and Civil Aviation.	Premises under the administrative control of the Civil Aviation Department.
2. Regional Directors, Calcutta, Bombay, Madras and Delhi.	Premises under the administrative control of the Civil Aviation Department situated within the limits of their respective jurisdiction.

[No. AV. 21012/26/73-VB.]

S.N. DUGGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 1974

का० आ० 685.—प्रायुषान नियम 1937 के नियम 75 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार एनएस्ड्वारा उस समय की अधिक को बढ़ा कर 30 अप्रैल 1974 तक करती है जिसके बीच भारत के पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय द्वारा अपनी अधिसूचना सं० ए०वी० 15014/10/73-ए०, दिनांक 24 दिसम्बर, 1973 द्वारा नियुक्त किये गये जांच व्यायालय से आशा की जाती है कि वह उपर्युक्त अधिसूचना में विनिर्दिष्ट मामलों पर अपनी जांच का कार्य समाप्त कर लेगा और उसकी रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को दे देगा।

[का० सं० ए०वी० 15014/10/73-ए०]

सुरेन्द्र नाथ कौल, अवर सचिव

New Delhi, the 28th February, 1974

S.O. 685.—In exercise of the powers conferred by rule 75 of the Aircraft Rules, 1937, the Central Government hereby extends upto the 30th April 1974, the period of time within which the Court of Inquiry appointed by the Government of India in the Ministry of Tourism & Civil Aviation by notification No. AV. 15014/10/73-A dated the 24th December 1973, will be expected to complete its inquiry into the matters specified in the notification mentioned above and report to the Central Government.

[F. No. AV. 15014/10/73-A]

S. N. KAUL, Deputy Secy.

**नौवहन और परिवहन मंत्रालय**

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1974

का० आ० 686.—सदृश परिवहन नियम अधिनियम

1950 (1950 का 64) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनदब्ल्यूआर मार्च, 1974 की 11वीं तारीख को इस अधिनियम के गोप्ता, वस्तु और दीप संबंध राज्य बेंच में लागू होने की तारीख के रूप में निश्चित करती है।

[सं० 24-टी (9)/74]

एम० ए० ए० नारायणन, अव० मन्त्रि

**MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT**

(Transport Wing)

New Delhi, the 19th February, 1974

**S.O. 686.**—In exercise of the powers conferred by subsection (3) of section 1 of the Road Transport Corporations Act, 1950 (64 of 1950), the Central Government hereby appoints the 11th day of March, 1974, as the date on which the said Act shall come into force in the Union Territory of Goa, Daman and Diu.

[No. 24-T(9)/74]

N. A. A. NARAYANAN, Under Secy.

**नियमांश और आवास मंत्रालय**

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 1974

का० आ० 687.—स्थावर सम्पत्ति अधिग्रहण और अर्जन अधिनियम, 1952 (1952 का 30) की धारा 2 के खण्ड (ब) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के नियमांश और आवास मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 3063, तारीख 29 सितम्बर, 1973 में निम्नलिखित संशोधन करती है, प्रथात्:—

उक्त अधिसूचना में “ज़िला 24-परगाना” शब्दों के पश्चात् “और कलकत्ता नियम” शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे।

[फा० सं० 19014(2)/69-गा लि० IV]

**MINISTRY OF WORKS AND HOUSING**

New Delhi, the 28th February, 1974

**S.O. 687.**—In pursuance of clause (b) of section 2 of the Requisitioning and Acquisition of Immovable Property Act, 1952 (30 of 1952), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Works and Housing S.O. 3063 dated the 29th September, 1973, namely:—

In the said notification, after the words “the District of 24-Parganas”, the words “and the Corporation of Calcutta” shall be inserted.

[F. No. 19014(2)/69-Pol. IV]

का० आ० 688.—स्थावर-सम्पत्ति अधिग्रहण और अर्जन अधिनियम, 1952 (1952 का 30) की धारा 17 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के नियमांश और आवास मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 3062 तारीख 29 सितम्बर, 1973 में निम्नलिखित संशोधन करती है, प्रथात्:—

उक्त अधिसूचना में “ज़िला 24-परगाना” शब्दों के पश्चात् “और कलकत्ता नियम” शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे।

[फा० सं० 19014(2)/69-गा लि० IV]

आर० बी० संस्कृता, उपनिदेशक, सम्पदा और परेन अधिकर अधिकारी

**S.O. 688.**—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 17 of the Requisitioning and Acquisition of Immovable Property Act, 1952 (30 of 1952), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Works and Housing S.O. 3061 dated the 29th September 1973, namely:—

In the said notification after the words ‘the District of 24-Parganas”, the words “and the Corporation of Calcutta” shall be inserted.

[F. No. 19014(2)/69-Pol. IV]

R. B. SAXENA, Dy. Director of Estates  
and ex-officio Under Secy.

**संचार मंत्रालय**

(जाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 1974

का० आ० 689.—स्थायी आदेश संख्या [627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खण्ड III के पैरा (क) के अनुसार जाक-तार महानिदेशक ने परर टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-4-74 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निर्देश किया है।

[संख्या 5-10/73-पी०-एच०बी०]

पी० सी० गुप्ता,  
महायक महानिदेशक पी० एच० बी०

**MINISTRY OF COMMUNICATIONS**

(P & T Board)

New Delhi, the 27th February, 1974

**S.O. 689.**—In pursuance of para (a) of section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director of General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 1-4-1974 as the date on which the Measured Rate System will be introduced Parur Telephone Exchange of Kerala Circle.

[No. 5-10/73-PHB]

P. C. GUPTA, Assistant Director General (PHB)

**श्रम मंत्रालय**

प्रावेश

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1974

का० आ० 690.—यह: केन्द्रीय सरकार की यात्रा है कि इससे उपायक अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसैरी टाटा प्रायरन एंट स्टील कम्पनी लिमिटेड की जापानेश्वा कोलियरी की केन्द्रीय कर्म-शाला, डाकघर जामडोबा ज़िला धनबाद के प्रवन्धनस्त्र से भव्यदूर मियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विद्याव विद्यालय है;

और यह: केन्द्रीय सरकार उक्त विद्याव को न्याय-निर्णयन के लिए मिवेशित करना बोलनीय गमधारी है;

अग्र: अब, औद्योगिक विद्याव प्रविनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ष) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विद्याव को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक प्रधिकरण, (संख्या 2) धनबाद को न्याय-निर्णयन के लिए निर्वेशित करती है।

## अनुसूची

"क्या संघ का यह बाना कि मैंसर्स टाटा आयरन एण्ड स्टील निमिटेड की जामडोबा कोनियरी की केन्द्रीय कर्मशाला डाकघर जामडोबा, जिला धनबाद के प्रबन्धतन्त्र ने निम्नलिखित चालकों को छोड़ना मजबूरी गोई की मिफारिशों के अनुसार वर्ष-6 देना अनुचित रूप से घस्तीहार किया है, ज्यापोंडिन है? यदि हाँ, तो सम्बन्धित चालक किस अनुतोष के और किस तारीख से हकदार हैं?

1. श्री श्री० के० लाला
2. श्री गया सिंह
3. श्री भजनाथ कुमाहार
4. श्री हस्माइल
5. श्री राधा माहानो
6. श्री हरि लाल गोप
7. श्री प्रद्युमन गुप्त
8. श्री लक्ष्मी नारायण
9. श्री स्थाम सुभद्र
10. श्री जगदीश
11. श्री निरंजन मिह
12. श्री भुज्यार सिंह भोर
13. श्री राजेन्द्र मिह

[संख्या एन०-2012/127/73-एन० भार०-2]

### MINISTRY OF LABOUR ORDER

New Delhi, the 23rd January, 1974

**S.O. 690.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Central Workshops of Jamadoba Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Post Office Jamadoba, District Dhanbad and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

### SCHEDULE

Whether the claim of the union that the management of the Central Workshop of Jamadoba Colliery of Messrs. Tata Iron and Steel Limited, Post Office Jamadoba, District Dhanbad have wrongfully denied Category-VI as per the recommendations of the Coal Wage Board to the under mentioned drivers, is justified? If so, to what relief are the concerned drivers entitled and from what date?

1. Shri B. K. Lala,
2. Shri Gyan Singh,
3. Shri Bajnath Kumahar,
4. Shri Ismail,
5. Shri Radha Mahato,
6. Shri Hari Lal Gop,
7. Shri Abdul Gafar,
8. Shri Laxmi Narayan,
9. Shri Sayam Sundar,
10. Shri Jagdish,
11. Shri Niranjan Singh,
12. Shri Mukhtar Singh, and
13. Shri Rajendar Singh."

[No. L-2012/127/73-LRII]

## आवेदन

नई दिल्ली, 13 फरवरी, 1974

का० आ० 691—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपावधि अनुसूची में विनिविष्ट विषयों के बारे में केड़ला कोलियरी, डाकघर हजारीबाग, जिला हजारीबाग के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक शौचांगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

प्रतः यतः शौचांगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के अन्तर्गत (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित शौचांगिक अधिकरण, (संख्या 2) धमवाब को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

## अनुसूची

क्या केड़ला कोलियरी, डाकघर हजारीबाग, जिला हजारीबाग के प्रबन्धतन्त्र की अप० संख्या 41 में नियोजित श्री एस० जी० सिंह, शौचांगिक विवाद का मासिक मूल-बेतन 245-10-305-15-440 रुपये के बेतनमान में 4 नवम्बर, 1972 से 265 रुपये नियत करने की कार्रवाई ज्यापोंचित है? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[सं० एल-2012/135/73-एल० भार०-2]

## ORDER

New Delhi, the 13th February, 1974

**S.O. 691.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Kedla Colliery, Post Office Hazaribagh, District Hazaribagh and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, (No. 2), Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

## SCHEDULE

Whether the action of the management of Kedla Colliery, Post Office Hazaribagh, District Hazaribagh in fixing the monthly basic pay of Shri S. G. Singh, Overman, employed in Block No. 41, at Rs. 265 in the scale of pay of Rs. 245-10-305-15-440 from the 4th November, 1972 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?

[No. L-2012/135/73-LRII]

## आवेदन

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1974

का० आ० 692—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपावधि अनुसूची में विनिविष्ट विषयों के बारे में वामोदा कोलियरी, डाकघर रामींगंज, जिला बर्दिबान के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक शौचांगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

प्रतः, अब औरोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की भारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (८) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एनद्हारा उथन विवाद को उक्त प्रधिनियम की धारा 7-के अधीन गठित केंद्रीय सरकार औरोगिक अधिकारण, कलकत्ता को न्यायनिर्णय के लिए निर्देशित करती है।

#### प्रान्तस्थी

"क्या दामोदा कोलियरी, ढाकबर रानीगंज जिला बर्देवान के प्रबन्ध तंत्र द्वारा मर्वशी यिनायक मिल, चपरासी, चौ० लक्ष्मण गिरि, रात्रि खोकीदार और अलगू सिंह, खनन सिरदार को 19 जून 1972 से बर्खास्त करना न्यायोचित है? यदि नहीं तो मम्बन्धित कर्मकार किस अनुत्तोष के हक्कदार है?"

[स० प्रा०-19012/86/72-प्रा० आर० 2]

#### ORDER

New Delhi, the 23rd February, 1974

**S.O. 692.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Damoda Colliery, Post Office Raniganj, District Burdwan and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

#### SCHEDULE

"Whether the management of Damoda Colliery, Post Office Raniganj, District Burdwan was justified in dismissing Sarva Shri Binayak Singh, Chaprasii, Ch. Lachman Singh, Night Guard and Algu Singh, Mining Sirdar from the 19th June, 1972? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?"

[No. L-19012/86/72-LRII.]

New Delhi, the 4th March, 1974

**S.O. 693.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Hyderabad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division-I, Post Office Godavari Khani, Andhra Pradesh and the workmen, which was received by the Central Government on 26th February, 1974.

#### BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

Present :

Sri T. Narsing Rao, M.A., LL.B., Industrial Tribunal (Central), Hyderabad.

#### Industrial Dispute No. 11 of 1972

#### BETWEEN

Workmen of Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division-I, P.O. Godavari Khani,

#### AND

Management of Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division-I, P.O. Godavari Khani.

Appearances :

Sri A. Lakshmana Rao, Advocate—for Workmen.

Sri M. Shyam Mohan, Personnel Officer, S.C. Co. Ltd., Bellampalli—for Management.

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, and Rehabilitation, by notification No. L/2112/47/71-LRII dated 28-3-1972 referred the industrial dispute between the Employers of Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division-I and their workmen under Sections 10(1)(d) and 7A of the Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication by this Tribunal on the following issues :

1. Whether the action of the management of Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division-I is justified in not filling up the posts of Category-VI Electricians as stipulated in the Tradesmen Agreement of the fourth October, 1966, by declaring such posts redundant consequent upon the appointment of Electrical chargehands as required under Indian Electricity Rules 1965. If not, to what relief are the Category-V Electricians entitled?

2. Whether the action of the management of Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division-I in rendering the posts of Category-VI Electricians in their mines redundant without giving notice to the registered unions concerned is justified? If not, to what relief are the workmen entitled?"

2. The reference was registered as Industrial Dispute No. 11 of 1972 and notices were directed to the Workmen and the Management. On behalf of the Workmen represented by the Andhra Pradesh Singareni Collieries Mazdoor Sangh, Godavari Khani, the claims statement is filed by the Vice President of the Mazdoor Sangh. It is alleged in the claims statement that the Workmen and the Management of the Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division entered into an agreement on 4-10-1966, known as Tradesmen Agreement. Electricians are described as Tradesmen under this Agreement and that the present dispute is with reference to the Electricians. Under this agreement the number of posts in each category of different trades for each mine was fixed. This agreement which was reached after prolonged discussion is said to have provided for the method and manner of filling up the vacancy in each category. It is thus alleged that the present dispute is in respect of filling the posts of category VIth Electricians as stipulated under the Tradesmen Agreement. In June 1970 the Management is said to unilaterally declared the posts of category VIth Electricians in different Mines as redundant and stopped filling up those posts. This act of the Management is said to be flagrant violation of Section 9A of the I.D. Act and Rule 34 made thereunder. The Management is said to have alleged that it had to appoint Charge Hands and therefore the posts of Category VI Electricians have become redundant. The stand taken by the Management is said to be illegal, improper, and unjust. It is however alleged that under a statutory obligation under the Indian Electricity Rules and Coal Mines Regulation, the Management has to appoint qualified Electrical Supervisor with competency certificate in order to ensure the safety of the workers in the Mines. But the posts of Electrical Supervisors or Chargehands are said to be entirely different from the posts of Category VI Electricians. It is thus alleged that the Management cannot declare the posts of Category VI Electricians as redundant under the pretext of or for the reason of appointing the Charge-hands. The nature of the duties and the nature of the appointment to both the posts are said to be entirely different. It is also alleged that since 1966, the Mines in Ramagundam area have been developed and that there has been increase in the production as well as in the labour strength. It is thus suggested that there are no grounds either for abolishing or not filling the posts of Category VI Electricians. It is further alleged that the Management resorted to an unfair method of declaring Category VI Electricians posts as redundant with a view to deprive the eligible and competent electricians in Category V. It is contended that as per the Tradesmen Agreement, these Electricians were automatically entitled to get Category VI whenever there is a vacancy. An instance of Sri G. Limbadri Category V Electricians is cited to show that but for declaring the Category VI post as redundant, he would have got promotion as he is an I.T.I. Trained candidate and a H.C.S. Passed candidate and that he is the senior-most among the Category V Electricians. It is also urged that some jurors to him were given Category VI overlooking his valid and just claim. This Tradesman Agreement is alleged to be subsisting even though one of the workers Union gave notice of termination. The contention is that so long as this Agreement is not replaced by another Agreement the same continues to subsist and binds both the parties. By declaring

Category VI post as redundant, it is alleged that the conditions of service of the workmen are changed and that the Management while changing the conditions have not followed the procedure laid down under Section 9A of the I.D. Act. The Management is said to have not served any notice on the Andhra Pradesh Singareni Collieries Mazdoor Sangh, a registered Trade Union. The Electricians in Category V are said to belong to this Union. It is thus alleged that as no notice of proposed alteration of the conditions is served on this Union, the act of the Management in declaring the posts as redundant is in violation of the provisions of the Industrial Disputes Act. Thus a direction is sought to the Management to fill up the vacancies in Category VI Electricians as per the Tradesmen Agreement by promoting Category V Electricians.

3. In the counter filed by the Management, it is admitted that certain categories of posts were covered by the Tradesmen Agreement but it is alleged that the number of posts in each category shown therein is not a rigid one. It is however alleged that the categories have been abridged to 6 under the Wage Board Recommendations, and therefore the provisions regarding old categories under the Mazumdar Award are no more in operation. It is alleged that the claim of workmen for filling up the vacancies of Category VI Electricians is not covered by the Tradesmen Agreement and that the Agreement has also been terminated on 7-9-1970. The Management is said to have displayed a notice dated 21-6-1970 stating that after posting of Electrical Chargehands at each of the Mines, the post of Category VI Electrician has become redundant. It is alleged that with effect from April, 1970, Electrical Chargehands were posted to satisfy the statutory provisions and Electrical Supervisors with necessary certificates have been posted. It is also alleged that those Electricians in Category VI possessing the necessary certificates were posted as Chargehands. As such the posts of Category VI Electricians became redundant and were so declared. It is alleged that there is no violation of Section 9A of the I.D. Act in as much as in appointing the Electrical Chargehands and the Management only complied with the Rules. It is also contended that as the qualified Category VI Electricians were posted as Chargehands, the said posts have been upgraded. The necessary designation or the number of posts and the manner of filling them is said to be a matter entirely in the discretion of the Management and it is further alleged that there cannot be two incumbents against one post which has to be created under the Electricity Rules. As an act of bona fides on the part of the Management, it is alleged that no fresh candidates were recruited to the posts of Chargehands from outside, as the said posts are filled from among the qualified Category VI Electricians. It is also alleged that the posts as laid down in the Tradesmen Agreement are kept to the same strength and that the Management has a valid reason to alter the designation or for upgrading the post on account of the changed situation. Thus the claim of the workmen to continue Category VI post in spite of the creation of Chargehands post, is said to be far-fetched. Thus the claim of the workmen that the posts of Chargehands and Category VI Electricians are different is denied. It is further alleged that since 1966 the Mines in Ramagundam area have suffered recession and the number of Mines under the Mines Act have been rationalised. The increase in the production figures or the labour strength is alleged to be irrelevant. It is denied that the Management has resorted to any unfair labour practice in declaring Category VI posts as redundant. The contention of the workmen that Category V Electricians are automatically entitled for promotion to Category VI Electricians posts is said to be misconceived. The instance of Sri Limbadri is said to be a wrong example. It is explained that he was a junior and he could not be promoted to Category VI as there was no vacancy at the relevant period. It is asserted that the eligible Electricians were promoted and though designated as Chargehands, they were performing the duties of Category VI Electricians. It is thus alleged that there is no change in the position as such either in the Tradesmen Agreement or in the situation on account of the termination of the said Agreement by one of the Unions or not by replacing it with a fresh agreement. The change in the conditions of service is denied. It is alleged that the invocation of Section 9A of the I.D. Act is misleading. It is asserted that in redesignating the posts or maintaining the strength of posts of a particular category, the Management has absolute say. Thus the declaration of Category VI posts as redundant is sought to be justified. The second part of the reference is said to be bad in law as the Management has laid down its policy by notice. The contention is that no outside agency can interfere with such managerial function.

It is also contended that there cannot be any direction to the Management to promote a particular Category V Electricians to Category VI irrespective of his merits. In short, it is denied that there was any change in the conditions of service or that the existing Category VI Electricians were disturbed or the claims of any others are superseded.

4. While evidence on behalf of the Management was in progress, Tandur Coal Mines Labour Union sought to be substituted for the Petitioner-Workmen. That Union was however ordered to be impleaded as Petitioner No. 2 in Miscellaneous Petition No. 54 of 1973. That Union has not chosen to file any counter nor did it lead any further evidence either for itself or on behalf of any other workmen.

5. On behalf of the Workmen Sri G. Limbadri is examined as W.W.1 in oral evidence. Two witnesses are examined in rebuttal, M.W.1 is the Divisional Engineer of Ramagundam Division. M.W.2 is the Assistant Engineer in incline No. 2 of Godavary Khani. The Management also relied upon Exs. M1 to M5 in documentary evidence. No documentary evidence is led in by the Workmen. Exs. M1 and M2 are the relevant extracts of Indian Electricity Rules. Ex. M3 is a copy of the promotion orders under which as many as 18 qualified Electricians either from Category VI or otherwise are promoted and posted as chargehands. Ex. M 4 is a copy of the notice issued by the Manager of Godavary Khani Incline No. 7, stating that the Category VI Electrician post has become redundant. Ex. M5 is the Tradesmen Agreement.

6. The controversy lies in a narrow compass. It is however necessary to state few facts that emerge from the evidence. There are two Divisions in Ramagundam. According to W.W.1 Godavary Khani Incline Nos. 1, 2 and 3 are in Division No. 1 of Ramagundam and Incline Nos. 5, 6 and 7 are in Division No. II. In Incline No. I there are two sections known as Hand Section and Machine Mining Section. Similarly there are two sections in Incline No. 5. But it is however seen in Annexure to Ex. M5 that there is only one such section in Incline No. 5. Prior to the Wage Board recommendations there were four categories of Electricians, they were Category No. 4, 5, 7 and 9. Consequent to the implementation of the Wage Board recommendations from 15th August, 1967, Categories 7 and 9 were assigned new categories 5 and 6 respectively. W.W.1 who was initially appointed in the old Category IV was promoted to Category VII old, thus after the implementation of the Wage Board recommendations, he was placed in Category V. It is common case that the Tradesmen Agreement was entered into on 4-10-1966 as per Ex. M5. Thus the number of posts of old category IV Electricians for the six inclines (in Division No. I and II) are in all seven. These seven posts of old Category IX Electricians are re-designated after the Wage Board recommendations as Category VI posts. It is equally a common case that at the time when the Tradesmen Agreement was reached no provision has been made for the appointment of Electrical Supervisors or the Chargehands. It is also admitted by the Workmen that the post of Electrical Supervisor has to be created by the Management under a Statutory obligation. It is also seen from Ex. M1 that under the Indian Electricity Rules 1956 it is enjoined that the Consumption of electricity must be under the direct supervision of a person holding a certificate of competency issued or recognised by the State Government. Thus only a person holding a certificate of competency is eligible for appointment as a Supervisor or a Chargehands. Though the Management has attempted to show that the nature of duties performed by Supervisor or a Chargehand are not different from that of Category VI Electricians, it was contended on behalf of the Workmen that the former is a Supervisory post and that the duties of an Electrician of VIII category is to attend to the break downs etc. It is equally relevant to note that under the Wage Board recommendations, these two posts have come to be shown differently. That aspect relating to the duties or overlapping of the duties is not of much material consequence in deciding the issue in question.

7. It is however a common case that under the Tradesmen Agreement, the manner of promotion from one post to the higher stands agreed. One of the terms of the said agreement is as follows :—

"Tradesmen from one category to another shall be promoted on the basis of Seniority, Technical qualifications, reports of their work and their performance in the Trade Test."

"Electricians to Category IX will be required to produce a certificate from the Licensing authority of Andhra Pradesh Government in Future." Reading this clause, it would be clear that new Category V Electricians are entitled to be promoted to Category VI post if they fulfil the above qualifications. It is equally relevant to note that only new Category VI Electricians are required to produce a certificate from the Licensing authority. While the new Category V Electricians have to appear for a Trade Test, it is not necessary for them to produce a certificate from the Licensing authority before they could be promoted to Category VI. The plea of the Management as to how they dealt with Category VI Electricians posts after the Chargehands are posted appears to be inconsistent. In one breath it is said that Category VI posts have been upgraded. In the other, it is said that Category VI posts still continue. Without much discussion it may be said that the redesignation of a post for fixing the cadre strength, in the absence of any prior settlement, is certainly a managerial function. But where a post is sought to be upgraded, it should be so without affecting the rights or the prospect of promotion of the workmen who are entitled in the normal course for being promoted to that post. Assuming that the post of Category VI Electricians has been upgraded, the necessary requirements for being qualified to hold that post is the certificate of competency. As noted above though passing of a trade test, which is an internal one, is necessary for being qualified for promotion to Category VI by a post holder of Category V, the requirement of a competency certificate for being posted or promoted as Chargehands is entirely different one. There is thus a change in the conditions of service by upgrading this post, so far as it relates to Category V Electricians. It was strenuously contended for the Management that passing of a Trade test by a Category V Electrician is more difficult than that of obtaining a competency certificate. It is thus suggested that Category V Electrician can easily obtain a competency certificate and thus qualify himself for being promoted as Chargehand. It is true that the emoluments of Category VI Electrician including the increments come to Rs. 430.00 and whereas the Chargehands grade is upto Rs. 440.00. Promotion of qualified electrician either from the Category VI or from Category V to the post of Chargehand already made is not by itself an answer to the claims of Category V Electricians who make a grievance that their opportunities for promotion to Category VI are deprived. Similarly the fact that outside candidates are not recruited to the post of Chargehands is no answer to the claims of Category V Electricians. Suffice it to say, that in view of the competency certificate which enables the promotion to the Chargehand post, (With Category Electricians post upgraded) it can be said that the chance of promotion as condition of service or at any rate a condition of the agreement stands marred. There is thus an alteration of conditions of service so far as it relates to Category V Electricians. It is equally the version of the Management as is disclosed by evidence of M.W. 1 that in Incline Nos. 1, 2, 3 and 7 at present there are both Charge hands and Category VI Electricians, and in the other two inclines, there are no Category VI Electricians. As noted above, according to W.W.1, in both the Divisions there are three vacancies of Category VI Electricians. But from the version of M.W.1 there are only two vacancies. M.W.2 would explain that whenever there is vacancy in Category VI that post is not being filled. It would appear that wherever Category VI Electricians are not qualified to be posted as Chargehands they are allowed to continue in those posts. Ex. M4 would lend support to this view. It reads as follows :

"After posting of Electrical chargehand at this mine (Gdk. No. 7 Incline), the post of category VI electrician had become redundant.

Sri G. Rajamallu, Category VI electrician working at this mine shall continue to work at this mine till a suitable vacancy is found for him in other departments."

If this exhibit is read along with Ex. M3, the list of persons posted as Chargehands, it is evident that those qualified or having the competency certificate either from Category VI or even Category V are promoted or posted as Chargehands, and those Category VI Electricians not thus qualified are allowed to continue in those posts. It would however appear that the said posts are held to be redundant by the Management. If Category VI Electricians post is either abolished or not filled, the chance of promotion of Category V Electricians are certainly affected. It might be that the

Management has to create the post of Chargehands or Supervisors as per an obligation of a statute, but by the creation of such a post, the post of Category VI Electrician cannot be abolished, nor can it be so upgraded thereby enjoining a new qualification for being promoted to that post. It is equally relevant at this stage to note that the reference is specifically in respect of Division No. 1. Though W.W.1 would depose that in addition to one vacancy in Incline No. 1, the posts of Category VI Electrician in Inclines 5 and 6 are left unfilled, for the purpose of this reference I would hold that only one vacancy in Incline No. 1 has to be filled up by the Management. It is equally pertinent to note that there cannot be a direction by the Tribunal that a particular electrician of Category V should be promoted to Category VI. This is so in view of the fact that even under the Tradesmen Agreement certain qualifications have to be fulfilled before one can be promoted to Category VI. All that can be said is that the Management has to fill up that vacancy of one post of Category VI Electrician in Incline No. 1.

8. I would now advert to the legal aspects. As noted above, the strength of the posts in Category VI and the manner of promotion to that post were agreed under the Tradesmen Agreement. The contention of the Management is that they have displayed a notice on the Notice Board saying that Category VI is redundant in view of the posting of Chargehands. I have already held that in view of the requirement of the competency certificate for being posted as Chargehands, there is a new condition as to the condition of service of Category V Electricians, there is an alteration of the condition of service. In the first instance, there is no evidence on behalf of the Management to show that such a notice was displayed on the Notice Board. M.W. 2 would only depose that he has seen such notice in the records and a letter from the Deputy General Manager for displaying the said Notice. It is not shown that the said notice as to the proposed abolition of Category VI post was sent to the concerned recognised Trade Union. Section 9A of the I.D. Act enjoins upon an employer giving a notice to the workmen likely to be affected by the proposed change in the conditions of service. It is not only Category VI Electricians that are being affected by the proposed change but also Category V Electricians as the proposed change would affect their chances of promotion. It might be that one may not claim a promotion as of right but since under the Tradesmen Agreement, the conditions of promotion are laid down, any alteration in those conditions has to be intimated to the workmen likely to be affected by it. There is thus a breach of Section 9A of the I.D. Act. There is another infirmity. Section 9A of the I.D. Act is only a procedural one. Where the terms and conditions of service are laid down by agreement, they can be changed only by entering into a subsequent settlement. It is conceded by the Management that no such settlement replacing the former has been entered into, though it is said that such a settlement is in the offing. While discussing the scope of Section 9A of the I.D. Act, it is held in *H. SHINDI v. INDUSTRIAL TRIBUNAL, BOMBAY* (AIR 1970 BOMBAY, page 213—on page 220):

"In this case, the terms and conditions of service as regards dearness allowance payable to the workmen are fixed by the Baxi award and these terms and conditions of service must continue to operate and be binding between the parties until they are changed by agreement of parties or settlement or an award made on a reference under Section 10."

In this very context, it was held that Section 9A is only procedural and does not create extra or new right in favour of an employer. It has therefore to be held that the alteration of the conditions of service without any notice to the Registered Union is not justified. This answers the second part of the reference.

9. There is another aspect of the matter. One of the Registered Union is said to have given notice terminating the Tradesmen Agreement. We are now concerned with the effect of such termination. It is not disputed that the espousal of the cause of Colliery Mazdoor Sangh is by a registered Union. One Bhasker Rao, Secretary of the Singareni Collieries Workers Union appears to be a party to that Tradesmen Agreement. It is now claimed by the workmen that they belong to the Colliery Mazdoor Sangh which is entirely different from the Collieries Workers Union. Be that whatever it may. Even where a settlement is terminated,

it still continues to bind the parties as a contract. It is held in NARAYANSWAMY v. PRESIDING OFFICER, LABOUR COURT [1971 (I) LLJ, page 310 Madras] following AIR 1964 Supreme Court, page 1522:

"As regards the period of operation of a settlement it is provided by Sub-Section (2) Section 19, that it shall be binding for such period as is agreed upon by the parties, and if no period is agreed upon for a period of 6 months from the date on which the memorandum of settlement is signed and shall continue to be binding on the parties until the expiry of two months from the date on which a notice in writing of an intention to terminate the settlement is given by one of the parties. The Management gave notice of termination on 1-6-62. No subsequent settlement was arrived at. On the authority of the principles laid down..... it would follow that the petitioner is entitled to ask for relief on the basis of the settlement until it is superseded by a subsequent settlement."

Ex. M 5 does not prescribe any period of its operation. Even though one of the Unions is said to have given a notice of its termination, in the absence of any other settlement replacing Ex. M5, it must be held that it continues to bind the parties as a contract and the workmen herein can seek relief on its basis.

10. In the light of the above discussions, I hold that one post of Category VI Electrician in Incline No. 1 of Rangamund Division I has to be filled by the Management by promotion from Category V Electrician's post. There cannot however be a direction that a particular Electrician from Category V is to be promoted. Thus the action of the Management in holding this post as redundant is held to be unjustified. Part 2 of the reference is already answered in the fore-going paras.

Award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him and corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 29th day of January, 1974.

Sd/- Illegible,  
Presiding Officer  
Industrial Tribunal

#### APPENDIX OF EVIDENCE

Witnesses examined  
for Workmen.

W.W.1: G. Limbadri.

Witnesses examined  
for Management.

M.W. 1: A. Satyanarayana.  
M.W. 2: G. V. Krishna Rao.

Documents exhibited for Workmen.

NIL.

#### Documents exhibited for Management

Ex. M1: Extract of Rule 45 from Electricity Rules, 1956

Ex. M2: Extract of Rules 131 and 132 from Indian Electricity Rules, 1956.

Ex. M3: Copy of the promotion orders, dt. 3-4-1970 issued by the General Manager, Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem to 18 workers as Electrical Charge-hands.

Ex. M4: Copy of the notice, dated 21-6-1970 issued by the Manager, Singareni Collieries Company of Godavary Khani No. 7 Incline, that the post of Category VI Electrician had become redundant.

Ex. M5: Tradesmen Agreement.

Sd/- Illegible,  
Presiding Officer  
Industrial Tribunal

[No. L-2112/47/71-LRI]

KARNAIL SINGH, Dy. Secy.

आवेदन

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1974

का. आ. 694.—यतः केन्द्रीय सरकार वाई राय है कि इससे उपायद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स एस. के. साहाना एण्ड सन्स लिमिटेड, अभूक खान स्वामी, डाकघर कोडरमा, जिला हजारीबाग के प्रबन्ध तंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक ऑफिशियल विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायीनिर्णयन के लिए निर्दीशित करना चाहिनीय समझती है ,

अतः अब, केन्द्रीय सरकार ऑफिशियल विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 के उपधारा (1) के छान्द (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार ऑफिशियल अधिकरण, (संख्या 2) धनबाद को न्यायीनिर्णयन के लिए निर्दीशित करती है ।

अनुसूची

क्या मैसर्स एस. के. साहाना एण्ड सन्स, लिमिटेड, डाकघर कोडरमा, जिला, हजारीबाग के प्रबन्ध तंत्र स्वामी अरायिया अभूक खान के श्री मसाफिर मिंह, पम्प खलासी, को 22 अगस्त, 1974 से पदच्युत करना न्यायीचित था ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुत्तम का हकड़ा है ?

[एल-28012/4/73-एल. आर.-4]

New Delhi, the 25th January, 1974

S.O. 694.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs. S. K. Sahana and Sons Limited, Mica Mine Owners, Post Office Kodarma, District Hazaribagh and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad constituted under section 7A of the said Act.

#### SCHEDULE

Whether the dismissal of Sri Musafir Singh, Pump Khalasi at Arraria Mica Mine from the 22nd August, 1973 by the management of Messrs. S. K. Sahana and Sons Limited, Post Office Kodarma, District Hazaribagh was justified? If not, to what relief is the workman entitled?

[No. L-28012/4/73-LR. IV]

प्रावेद

नई दिल्ली 7 फरवरी, 1974

का. आ. 695.—यतः इससे उपायद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट ऑफिशियल विवाद श्री एन. जगदेवपा पीठासीन अधिकारी ऑफिशियल अधिकरण बंगलोर के समझ लम्बित है ;

और यतः श्री थी. एन. जगदेवपा की सेवाएं अब उपलब्ध नहीं रही हैं ;

अतः श्रव श्रीशोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-के और धारा 33-व्यं दी उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एक श्रीशोगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठामीन अधिकारी श्री एम० भी० कौनूर हैं जिनका मुख्यालय बंगलोर होगा और उक्त विवाद से सम्बद्ध कार्यवाहियों को श्री भी० एम० जयदेवप्पा से लेकर उक्त श्रीशोगिक अधिकरण बंगलोर को इस विवेष के साथ अन्तरित करती है कि उक्त अधिकरण उक्त कार्यवाहियों पर उसी प्रक्रम से कार्यवाही करेगा जिस पर अब उसे अन्तरित की गई है और विधि के अनुसार उसका निपटान करेगा।

### अनुसूची

क्रम सं०	विवाद के पक्षकार	निवेश सं० और भारीत्र
1	प्रीमियर हॉटेल्स कम्पनी मैसूर के कर्मकार और प्रबंध-एन आर-3 तारीख 5 मई 1973 तथा	श्रीवेश संख्या एन-12025/15/73 द्वारा यथा संशोधित ग्रादेश सं० 40/15/70-एन आर 1 तारीख 15 मई, 1970।

[फा० सं० 40/15/70-एन आर 1]

एस० एम० सहस्रनामन, अवर सचिव।

New Delhi, 7th February, 1974

### ORDER

**S. O. 695.**—Whereas the industrial dispute specified in the Schedule hereto annexed is pending before Shri B. N. Jayadevappa, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Bangalore.

And whereas the services of Shri B. N. Jayadevappa have ceased to be available;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and sub-section (1) of section 33B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri M.C. Konnur, as the Presiding Officer, with headquarters at Bangalore, withdraws the proceedings in relation to the said dispute from Shri B.N. Jayadevappa and transfers the same to the said Industrial Tribunal, Bangalore for the disposal of the said proceedings with the direction that the said Tribunal shall proceed with the proceedings from the stage at which they are transferred to it and dispose of the same according to law.

### SCHEDULE

Sl. No.	Parties to the dispute	Reference number & date.
1.	Workmen and the Management of Premier Insurance Company, Mysore.	Order number 40/15/70-LRI dated the 15th May, 1970 as amended by order number L-d 12025/15/73-LRII dated the 5th May, 1973.

[F. No. 40/15/70-L.R.I]

S. S. SAHASRANAMAN, Under Secy.

### श्रीवेश

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1974

**फा० आ० 696.**—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इसमें उपावल्लु अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में नेशनल एण्ड ग्रिडलेज बैंक लिमिटेड से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक श्रीशोगिक विवाद को भारत सरकार के अम मंत्रालय के आदेश संख्या एन-32011/11/73-पी० एण्ड झी०, तारीख 5 फरवरी, 1974 द्वारा न्यायनिर्णय के लिए केन्द्रीय सरकार श्रीशोगिक अधिकरण, कलकत्ता को निर्देशित किया गया है;

अतः श्रव श्रीशोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त विवाद के सम्बन्ध में विषमान हड्डाल के जारी रहने को प्रतिष्ठित करती है;

अतः श्रव, केन्द्रीय सरकार, श्रीशोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के बांध (ध) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-के अधीन गठित श्रीशोगिक अधिकरण, विल्सी को न्यायनिर्णय के लिए निर्देशित करती है।

### अनुसूची

क्या नेशनल एण्ड ग्रिडलेज बैंक लिमिटेड, नई दिल्ली के प्रबन्धतंत्र की, प्रधान रोकड़िया के पद पर प्रोफेशन के विषय में कनिष्ठ कर्मकार, श्री एच० भी० कौनूर द्वारा श्री हीरा लाल सेठ, ज्येष्ठ सहायक प्रधान रोकड़िया को अतिष्ठित करने और उसे 2 जनवरी, 1973 को बैंक की सेवा से निवृत्त करने की कारबाहि न्यायोचित है? यदि नहीं, तो वह किस अनुसूची का हकदार है?

[सं० एन० 12012/111/73/एन आर 3]

के० एम० त्रिपाठी, अवर सचिव

### ORDER

New Delhi, the 6th February, 1974

**S.O. 696.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the National and Grindlays Bank Limited and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Delhi constituted under section 7A of the said Act.

### SCHEDULE

Whether the action of the management of the National and Grindlays Bank Limited, New Delhi in superseding Shri Hira Lal Seth, Senior Assistant Head Cashier by a junior workman, Shri H. C. Kapoor in the matter of promotion to the post of Head Cashier and in retiring him from the Bank's service on the 2nd January, 1973 is justified? If not, to what relief is he entitled?

[No. L-12012/111/73/LRIII]

K. M. TRIPATHI, Under Secy.

### श्रीवेश

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 1974

**फा० आ० 697.**—यतः कलकत्ता पञ्च आयुक्तों और कलकत्ता पत्तन की दो शुष्क गोदियों के कर्मकारों के बीच एक श्रीशोगिक विवाद को भारत सरकार के अम मंत्रालय के आदेश संख्या एन-32011/11/73-पी० एण्ड झी०, तारीख 5 फरवरी, 1974 द्वारा न्यायनिर्णय के लिए केन्द्रीय सरकार श्रीशोगिक अधिकरण, कलकत्ता को निर्देशित किया गया है;

अतः श्रव, श्रीशोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त विवाद के सम्बन्ध में विषमान हड्डाल के जारी रहने को प्रतिष्ठित करती है।

[एन-32011/11/73-पी० एण्ड झी०]

## ORDER

New Delhi, the 25th February, 1974

**S.O. 697.**—Whereas, by the order of the Government of India in the Ministry of Labour No. L-32011/11/73-P&D dated the 5th February, 1974 an industrial dispute between the Calcutta Port Commissioners and their workmen in the two Dry Docks of Calcutta Port has been referred to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby prohibits the continuance of strike in existence in connection with the said dispute.

[L-32011/11/73-P&amp;D]

आवेदन

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 1974

**का० आ० 698.**—यतः केन्द्रीय मरकार की राय है कि इससे उपावद अनुसूची 2 में विभिन्न विधियों के बारे में इससे उपावद अनुसूची 1 में विभिन्न संविधाकारों/नौभरको/नियोजकमण्डों के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक ग्रौथोगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को व्यायनिण्यन के लिए निर्वैशिष्ट करना चाहनीय समझती है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, ग्रौथोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (प) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार ग्रौथोगिक अधिकरण, कलकत्ता को व्यायनिण्यन के लिए निर्वैशिष्ट करती है ।

अनुसूची-1

(संलग्न सूची के अनुसार)

सूची

1. मेसर्से द्वारा लाइटरेज कम्पनी, 5, दिवार बक्स लेन, कलकत्ता-16
2. मेसर्से एस० प० अजोज एण्ड कम्पनी, 1/1 बी, इफ्बाल्युर रोड, कलकत्ता-23
3. मेसर्से अफोलो मैरीन सिण्डीकेट, 70/6, डायमण्ड हारबर रोड, कलकत्ता-23
4. मेसर्से जै० एम० मुखर्जी एण्ड कम्पनी, 20 स्टैंड रोड, कलकत्ता-1
5. मेसर्से ए० सतार एण्ड क० 5/सी, मेमिनपुर रोड, कलकत्ता-23
6. मेसर्से ए० दास एण्ड कम्पनी, 9, जिस्टस चन्द्र माधव रोड, कलकत्ता-20
7. मेसर्से पेन्ट कंपनी एण्ड वार्निश कम्पनी, फालगुडास, नेन, कलकत्ता-12
8. मेसर्से एन० एम० ब्रदर्स, 82/सी, डा० सूधीर बोस रोड, कलकत्ता-23
9. मेसर्से मोतीलाल गार्मा, 48/बी, सर्कुलर गार्डन रीच रोड, कलकत्ता-23
10. मेसर्से यूनाइटेड मेसिन कम्पनी 20, चादनी चौक स्ट्रीट, कलकत्ता-13
11. मेसर्से एनेक्स मिल्लर (एस सी) प्राइवेट लिमि० 7, गोल्ड कॉर्ट फ्लाऊस स्ट्रीट, कलकत्ता-1
12. मेसर्से सुमीर अहमद एण्ड कम्पनी, 4/बी, कोइन सफ्ट रोड, कलकत्ता-23

145 G of I/73—6

13. मेसर्से मनलाल गुरुण, 27, मुश्तीगंज रोड, कलकत्ता-23
14. मेसर्से आर० एल० शर्मा० एण्ड कम्पनी 5, स्वर्णलना स्ट्रीट, कलकत्ता-23
15. मेसर्से साइमन ट्रेडर्स, 27 बी, सर्कुलर गार्डन रीच रोड, कलकत्ता-23
16. मेसर्से इस्टर्न स्प्लाई सर्विसेज, 42/1, हेमचन्द्र, स्ट्रीट, कलकत्ता-23
17. मेसर्से अब्दुल समर प्र० एण्ड अब्दर्स, क्य०/596, गुप्ताब रोड लेन कलकत्ता-24
18. मेसर्से इस्टर्न सिपिंग सर्विसेज, 15, हाजी मुहम्मद दुसेन स्कायर, कलकत्ता-16
19. मेसर्से रीबर ड्रांसपोर्ट एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी, 5, मंगू लेन, कलकत्ता-1
20. मेसर्से कलकत्ता बाष्पमैन सप्लायर्स, 13/ए, सेन्ट जार्ज टेरस, इस्टिंग, कलकत्ता-22
21. मेर्सस टी० बी० लामा, 24, पन्त मिशन रोड, कलकत्ता-23
22. मेसर्से यूनिवर्सल कल्याणरार्थ एण्ड फार्मर्स एजेंट्सी, 5, आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता-20
23. मेसर्से रायपुर इंडियन ट्रेडर्स, 116, सर्कुलर गार्डन रीच रोड कलकत्ता-23
24. मेर्सस लाइब्रेरी मेरीन मिण्डीकेट, 63/8 ए, डा० सुधीर बसु रोड, कलकत्ता-23
25. मेसर्से सी० लारिक एण्ड कम्पनी, 3, मंगू रोड, कलकत्ता-1
26. मेसर्से इन्ड्रा मोर्ट्स (प्राइ०) लिमिटेड, 57, डायमण्ड हारबर रोड, कलकत्ता-23
27. मेसर्से कलकत्ता बाष्पमैन रिजर्व पूल, 95/5/6, गार्डन रीच रोड, कलकत्ता-1
28. मेसर्से बोल एण्ड कम्पनी 33/ बी, हिन्दुस्तान रोड, कलकत्ता-29
29. मेसर्से अब्दुल बारी 50, वाटगंज स्ट्रीट, कलकत्ता-23
30. सरिय, कलकत्ता भास्टरसिप कांट्रैक्टर्स एसोशिएशन, पी० 11, मिशन रोड, एक्सटेंशन, कलकत्ता-1

अनुसूची-2

“क्या अनुसूची 1 में विभिन्न संविधाकारों/नौभरकों/नियोजकों द्वारा नियोजित छोकीदार वर्ष 1972-73 के लिए बोनस का हक्कार है ? यदि हाँ, तो किस दर और किस शर्त, यदि कोई हो, के अनुसार ?

[सं० एल०-32011/17/73-पी० एण्ड बी०]

## ORDER

New Delhi, 27 th February, 1974

**S.O. 698.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of contractors/Stevedores/employers mentioned in Schedule I annexed hereto and their workmen in respect of the matters specified in Schedule-II annexed hereto;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

## SCHEDULE-I

1. M/s. Hooghly Lighterage Company, 5, Dedar Bux Lane, Calcutta-16.
2. M/s. S.A. Aziz & Company, 1/1B, Ekbalpur Road, Calcutta-23.
3. M/s. Apolo Marine Syndicate, 70/6, Diamond Harbour Road, Calcutta-23.
4. M/s. J.N. Mukherjee & Company, 20, Strand Road, Calcutta-1.
5. M/s. A. Sattar & Company, 5/C, Mominpore Road, Calcutta-23.
6. M/s. A. Das & Company, 9, Justice Chandra Madhab Road, Calcutta-20.
7. M/s. Paint Colour & Varnish Company, 12, Phalgundas Lane, Calcutta-12.
8. M/s. N.H. Brothers, 82/C, Dr. Sudhir Bose Road, Calcutta-23.
9. M/s. Motilal Sarma, 48/B, Circular Garden Reach Road, Calcutta-23.
10. M/s. United Marine Company, 20, Chandni Chowk Street, Calcutta-13.
11. M/s. Alex Miller (SC) Pvt. Ltd., 7, Old Court House Street, Calcutta-1.
12. M/s. Monir Ahmed & Company, 4/B, Koila Sarak Road, Calcutta-23.
13. M/s. Manilal Gurung, 27, Munshiganj Road, Calcutta-23.
14. M/s. R.L. Sarma & Company, 5, Swarnalata Street, Calcutta-23.
15. M/s. Simon Traders, 27/B, Circular Garden Reach Road, Calcutta-23.
16. M/s. Eastern Supply Services, 42/I, Hemchundra Street, Calcutta-23.
17. M/s. Abdul Samad & Brothers, Q/596, Golab Rub Lane, Calcutta-24.
18. M/s. Eastern Shipping Services, 15, Haji Mohammed Mohsin Square, Calcutta-16.
19. M/s. River Transport & Trading Company, 3, Mangee Lane, Calcutta-1.
20. M/s. Calcutta Watchmen Suppliers, 13/A, St. George Terrace, Hastings, Calcutta-22.
21. M/s. T.B. Lama, 24, Pent Mission Road, Calcutta-23.
22. M/s. Universal Clearing & Forwarding Agency, 5, Acharya Jagadish Ch. Bose Road, Calcutta-20.
23. M/s. Royal Indian Traders, 116, Circular Garden Reach Road, Calcutta-23.
24. M/s. Liberty Marine Syndicate, 63/8A, Dr. Sudhir Basu Road, Calcutta-23.
25. M/s. C. Laurie & Company, 3, Mangee Lane, Calcutta-1.
26. M/s. Indra Motors (P) Ltd., 57, Diamond Harbour Road, Calcutta-23.
27. M/s. Calcutta Watchmen Reserve Pool, 95/5/6, Garden Reach Road, Calcutta.
28. M/s. Bose & Company, 33/B, Hindustan Road, Calcutta-29.
29. M/s. Abdul Bari, 50, Watgung Street, Calcutta-23.
30. The Secretary, Calcutta Master Ship Contractors' Association, P. 11, Mission Row Extension, Calcutta-1.

## SCHEDULE-II

"Whether the watchmen employed by the contractors/stevedores/employers mentioned in Schedule-I are entitled to bonus for the year 1972-73? If so, at what rate and with what conditions, if any?"

[No. L-32011/17/73-P&D]

## प्रावेश

का० आ० 699.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाधारध्य अनुसूची में विनिर्विष्ट विषयों के बारे में मेसर्स श्री० बी० खोना फ्लियरिंग एण्ड फारविंग एजेंट्स कोचीन-2 के प्रबन्धतत्व से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक श्रीधोर्गिक विवाद विद्यमान है;

ओर यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

अतः अब, श्रीधोर्गिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क अधारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रबन्ध शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एक श्रीधोर्गिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री ई० पलानिप्रसन होंगे जिनका मुख्यालय मद्रास में होगा ओर उक्त विवाद श्रीधोर्गिक अधिकरण द्वारा न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

## अनुसूची

"क्या मेसर्स श्री० बी० खोना, क्लीयरिंग एण्ड फ्लियरिंग एजेंट्स, कोचीन का केशव अध्यर, मालानुपाती कर्मचारी को वर्ष 1970-71, 1971-72 और 1972-73 के लिए बोनस न देना न्यायोचित है? यदि नहीं तो श्री केशव अध्यर किस अनुतोष का हकदार है?"

[सं० प.ल-35012/3/73-पी० एण्ड श्री०]

## ORDER

S.O. 699.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs D. B. Khona, Clearing and Forwarding Agents, Cochin-2 and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri T. Palaniappan shall be the Presiding Officer, with headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

## SCHEDULE

"Whether Messrs. D. B. Khona, Clearing and Forwarding Agents, Cochin are justified in denying bonus for the years 1970-71, 1971-72 and 1972-73 to Shri Kesava Iyer, Piece-rated employee? If not, to what relief is Shri Kesava Iyer entitled?"

[No. L-35012/3/73-P&D]

## प्रावेश

का० आ० 700.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाधारध्य अनुसूची में विनिर्विष्ट विषयों के बारे में लान्च "विलियम" वास्को-ड-गामा (गोवा) के स्थानी श्रीमती विरोनिका डिसूजा के प्रबन्धतत्व से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक श्रीधोर्गिक विवाद विद्यमान है;

ओर यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

अतः अब श्रीधोर्गिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रबन्ध शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार श्रीधोर्गिक अधिकरण (सं० 2) मुम्हई को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

## प्राप्तिक्रिया

"यहा नाच्च "विनियम" वास्को-द-गामा (गोवा) के स्वारी श्रीमती विरोनिका डिसूजा का श्री रामचंद्र दिगम्बर सावन नाच्च खलानी, कर्मकार की सेवाओं को समाप्त करना न्यायोचित है ?"

यदि नहीं तो कर्मकार किस भ्रष्टाचार का और किस तारीख से हकदार है ?"

[सं. प्रा० 36012/6/73-पी एण्ड शी]

## ORDER

**S.O. 700.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Shrimati Veronica D'Souza, Owner of Launch "William", Vasco-da-Gama (Goa) and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Bombay, constituted under section 7A of the said Act.

## SCHEDULE

"Whether Shrimati Veronica D'Souza, Owner of Launch "William" Vasco-da-Gama (Goa), is justified in terminating the services of the workman Shri Ramchandra Digambara Sawant, Launch Khalasi ?

If not, to what relief is the workman entitled and from what date ?"

[No. L-36012/6/73-P&D]

## आवेदन

नई दिल्ली, 1 मार्च 1974

का० प्रा० 701.—कांडला डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम 1969 में और संशोधन करने के लिये स्कीम का निम्नलिखित प्राप्त जिसे केन्द्रीय सरकार डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम 1948 (1948 का 9) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुये बनाने की प्रस्थापना करती है, उक्त उपधारा द्वारा यथा प्रवेक्षित उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिये प्रकाशित किया जाता है जिनका उससे प्रभावित होना संभाव्य है और सूचना दी जाती है कि उक्त प्राप्त या उसके पश्चात् विचार किया जायेगा।

उक्त प्राप्त के बारे में किसी व्यक्ति में जो आक्षेप या सुझाव इस प्रकार विनियिष्ट अवधि के पूर्वे प्राप्त हो सकेंगे उन पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जायेगा।

## प्राप्त प स्कीम

1. इस स्कीम का नाम कांडला डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) प्रथम संशोधन स्कीम 1974 है।

2. कांडला डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1969 के अण्ड 35 के स्थान पर निम्नलिखित रूपा आयेगा, अर्थात् :—

"35. उम दशा में मजदूरी का दिया जाना जब कि काम पर लगाने के पश्चात् काम उपलब्ध नहीं कराया जाता है :—जब प्रारक्षित पूल का कोई कर्मकार काम के लिये हाजिर होता है और किसी कारण वह काम जिसके लिये वह हाजिर हुआ है, प्राप्त या चालू नहीं हो सकता है और उसके लिये कोई दूसरा काम नहीं पाया जाता है, तो वह उसी प्रवर्ग के लिये जिससे उसका संबंध है, समुचित

महंगाई भत्ता सहित वैनिक मजदूरी वर पाने का हकदार होगा; परन्तु यह तब जब कि वह पारी के प्रोत्त भाग के दौरान उपलब्ध रहता हो और ऐसे दूसरे नियोजन स्वीकार कर लेता हो जो उसे प्रशासनिक निकाय द्वारा दिये जाएं।"

[फा० सं. V-17012/3/71-पी०एण्ड शी०]

## ORDER

**S.O. 701.**—The following draft of a Scheme further to amend the Kandla Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1969 which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), is published, as required by the said sub-section for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the period so specified will be taken into consideration by the Central Government.

## DRAFT SCHEME

1. This Scheme may be called the Kandla Dock Workers (Regulation of Employment) Amendment Scheme, 1974.

2. For Clause 35 of the Kandla Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1969, the following clause shall be substituted, namely :—

"35. Payment of wages when work is not made available after engagement.—When a worker in the reserve pool presents himself for work and for any reason the work for which he has attended cannot commence or proceed and no alternative work can be found for him he shall be entitled to daily wage rate inclusive of dearness allowance appropriate to the category to which he belongs; Provided the continues to be available throughout the remainder of the shift and accepts such alternative employment as may be offered to him by the Administrative Body."

[File No. V-17012/3/71-P&D]

का० प्रा० 702.—यह: कलकत्ता डाक लिपिकीय और पर्यवेक्षकीय कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1970 में संशोधन करने के लिये कतिपय प्राप्त स्कीम, भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और गोपनीय विभाग) की अधिसूचना सं. का० प्रा० 2908 तारीख 25 मित्तम्बर, 1973 के अधीन भारत के राजपत्र भाग 2, छंड 3, उपचंड (ii) नामीश 6 अक्टूबर, 1973 के पृष्ठ 3496 पर, डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा यथा प्रवेक्षित प्रकाशित की गई थी; जिसमें उन सभी व्यक्तियों से, जिनका उसके द्वारा प्रभावित होना संभाव्य था, वो मास की अवधि की समाप्ति तक आक्षेप या सुझाव भागे गये थे।

और यह: उक्त राजपत्र जनता को 3 अक्टूबर, 1973 को उपलब्ध करा दिया गया था;

और यह: केन्द्रीय सरकार द्वारा उक्त प्राप्त पर जनता से कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं किया गया है;

अतः श्रम, उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करने हुये केन्द्रीय सरकार कलकत्ता डाक लिपिकीय और पर्यवेक्षकीय कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1970 में संशोधन करने के लिये निम्नलिखित स्कीम बनाती है; अर्थात्

1. संक्षिप्त नाम और प्रारूप—(1) इस स्कीम का संक्षिप्त नाम कलकत्ता डॉक लिपिकोय और पर्यवेक्षकोय कर्मकार (नियोजन का विनियम) संबंधित स्कीम, 1974 है।

(2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी।

2. कलकत्ता डॉक लिपिकोय और पर्यवेक्षकोय कर्मकार (नियोजन का विनियम) स्कीम, 1970 में—

(1) खण्ड 2 के उपखण्ड (5) में, "पत्तन में छीलन तथा रंगरोगन के कार्य में" शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित शब्द अन्तः स्थापित किये जायेंगे, प्रथाद् :—

"या उन साधारण प्रयोजन भजदूरों, बढ़करों और सज्जारों के, जो केवल उन्हीं प्रवर्गों के कर्मकारों के नियोजन के लिये रजिस्ट्रीडूक्ट डेकेवरों के माध्यम से पत्तन में पोत पर नियोजित किये गए हैं, नियोजन से संबंधित किसी कार्य में लगा हुआ है";

(2) खण्ड 10 की भव (ए) की उपभव (iii) में "प्रत्येक कर्मकार" शब्द के स्थान पर "प्रत्येक ईनिक कर्मकार" शब्द रखे जायेंगे।

[फा० सं० एस० 70012/5/73-पी एण्ड शी]

वी० संकरालिङ्गम, अवर सचिव

**S.O. 702.**—Whereas certain draft scheme to amend the Calcutta Dock Clerical and Supervisory Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1970, was published as required by sub-section (1) of section 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948) at page 3496 of the Gazette of India, Part II, section 3, sub-section (ii), dated the 6th October, 1973 under the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment), No. S.O. 2908, dated the 25th September, 1973, inviting objections or suggestions from all persons likely to be affected thereby, till the expiry of a period of two months from the date of its publications in the Official Gazette;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 6th October, 1973;

And whereas no objections or suggestions have been received from the public on the said draft by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the said Act, the Central Government hereby makes the following scheme to amend the Calcutta Dock Clerical and Supervisory Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1970, namely:—

1. Short title and commencement.—This Scheme may be called the Calcutta Dock Clerical and Supervisory Workers (Regulation of Employment) Amendment Scheme, 1974.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. In the Calcutta Dock Clerical and Supervisory Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1970.—(1) In sub-clause (5) of clause 2, the following words shall be inserted after the words "Chipping and Painting work in the port", namely:—

"or engaged in any work in connection with the employment of General Purpose Masdoors, Carpenters and Riggers employed on ship in the Port through Contractors registered for employment of those categories of workers only";

(2) in sub-item (iii) of item (g) of clause 10 for the words "each worker", the words "each daily worker" shall be substituted.

[File No. S. 70012/5/73-P&D]

V. SANKARALINGAM, Under Secy.

नई विली, 23 फरवरी, 1974

फा० आ० 703.—केन्द्रीय सरकार, आन अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 83 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा जैसलमेर क्षेत्र में खोज वर्तन और उत्पादन संक्षियाओं के लिए नियोजित किए गए व्यक्तियों को, उक्त अधिनियम के अध्याय 6 के उपबंधों के उसकी धारा 36 और धारा 40 से 46 तक (वोनों को सम्मिलित करते हुए) और धारा 48 के सिवाय, प्रवर्तन से इन शर्तों के प्रधीन रहते हुए छूट देती है कि उक्त व्यक्तियों को—

- (i) किसी एक विन भाठ भंटे से भ्रष्टिक के लिये नियोजित नहीं किया जाएगा,
- (ii) एक समय में पन्द्रह दिन से भ्रष्टिक के लिये नियोजित नहीं किया जाएगा,
- (iii) एक समय में पन्द्रह विन तक काम कर लेने के पश्चात् कम से कम पांच विन की भ्रष्टिक के लिये विआम किया जाएगा।

[सं० एस० 29014/1/74-एम आई]

टी० एस० कृष्णामूर्ति, अवर सचिव।

New Delhi, the 23rd February, 1974

**S.O. 703.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 83 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), the Central Government hereby exempts the persons employed by the Oil and Natural Gas Commission on exploration drilling and production operations in Jaisalmer area from the operation of the provisions of Chapter VI of the said Act except section 36 and sections 40 to 46 (both inclusive) and section 48 thereof, subject to the conditions, that the said persons,

- (i) shall not be employed for more than eight hours on any one day,
- (ii) shall not be employed for more than fifteen days at a stretch,
- (iii) shall, after they have worked for fifteen days at a stretch, be granted rest for a period of not less than five days.

[No. S. 29014/1/74/MI]

T. S. KRISHNAMURTHI, Under Secy.

नई विली, तारीख 23 फरवरी, 1974

फा० आ० 704.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री टी० एस० वासुदेवन को उक्त अधिनियम और उसके प्रधीन विरचित किसी स्कीम या कुटुम्ब पेशन स्कीम के प्रयोजनों के लिये केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के सम्बन्ध में या किसी रेल कम्पनी, महाप न शान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से सम्बंधित किसी स्थापन के सम्बन्ध में या किसी ऐसे स्थापन के सम्बन्ध में जिसके एक से भ्रष्टिक राज्यों में विभाग या शाखाएं हैं सम्पूर्ण केरल राज्य और पार्षीचेरी संघ राज्यक्षेत्र के महे क्षेत्र के लिए नियुक्त करती है।

[सं० ए० 12016(11)/72-पीएफ 1]

New Delhi, the 23rd February, 1974

**S.O. 704.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri T. N. Vasudevan to be an Inspector for the whole of the State of Kerala and Mahe area of the Union Territory of Pandicherry for the

purposes of the said Act, the Scheme or the family pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of, the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A. 12016(11)/72-PF. I]

**का० आ० 705.**—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि प्रौर कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री एस० डी० शनमुगम को उक्त अधिनियम, उसके अधीन विरचित किसी स्कीम या कुटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के संबंध में या किसी रेल कम्पनी महापत्तन, खान या लेल जेव या नियंत्रित उद्योग सम्बन्धित किसी स्थापन के सम्बन्ध में या ऐसे स्थापन के सम्बन्ध में जिसके एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएं हैं, सम्पूर्ण उत्तर प्रवेश राज्य के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं० ए०-12016(10)/72-पी० एफ० 1]

**S.O. 705.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri S. D. Shanmugam to be an Inspector for the whole of the State of Karnataka for the purposes of the said Act, the Scheme or the family pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of, the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A. 12016(10)/72-PF. I]

**का० आ० 706.**—कर्मचारी भविष्य निधि प्रौर कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री आर० पी० सूर को उक्त अधिनियम और उसके अधीन विरचित किसी स्कीम प्रौर कुटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिये केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के सम्बन्ध में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन, खान या लेल जेव या नियंत्रित उद्योग सम्बन्धित किसी स्थापन के सम्बन्ध में या किसी ऐसे स्थापन के सम्बन्ध में जिसके एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएं हों, सम्पूर्ण राजस्थान राज्य के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं० ए०-12016(21)/73-पी० एफ० 1]

**S.O. 706.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri R. P. Sood to be an Inspector for the whole of the State of Rajasthan for the purposes of the said Act, the Scheme and the family pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No A-12016/21/73-PF. I]

**का० आ० 707.**—कर्मचारी भविष्य निधि प्रौर कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री एम० क० भट्टाचार्य को उक्त अधिनियम स्कीम प्रौर उसके अधीन विरचित किसी कुटुम्ब

पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के संबंध में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन, खान या लेल जेव या नियंत्रित उद्योग से संबंधित किसी स्थापन के संबंध में या ऐसे किसी स्थापन के संबंध में जिसको एक से अधिक राज्य में विभाग प्रौर शाखाएं हैं, सम्पूर्ण उत्तर प्रवेश राज्य के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं० ए०-12016(16)/73-पी० एफ० 1]

**S.O. 707.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri M. K. Bhatnagar to be an Inspector for the whole of the State of Uttar Pradesh for the purposes of the said Act, the Scheme and the family pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A-12016/16/73-PF. I]

नई विल्सी, 1 मार्च, 1974

**का० आ० 708.**—कर्मचारी भविष्य निधि प्रौर कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार सर्वेशी जीवन सिह और करनार मिह कोहली को उक्त अधिनियम, स्कीम प्रौर उसके अधीन विरचित किसी कुटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के सम्बन्ध में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन, खान या लेल जेव या नियंत्रित उद्योग से सम्बन्धित किसी स्थापन के सम्बन्ध में या किसी ऐसे स्थापन के सम्बन्ध में जिसके एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएं हैं, सम्पूर्ण पंजाब, हरियाणा प्रौर हिमाचल प्रदेश राज्य प्रौर चंडीगढ़ संघ राज्य जेव के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं० ए०-12016/2/74-पी० एफ० 1]

New Delhi, the 1st March, 1974

**S.O. 708.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Sarvashri Jiwan Singh and Kartar Singh Kohli to be Inspectors for the whole of the States of Punjab, Haryana and Himachal Pradesh and Union Territory of Chandigarh for the purposes of the said Act, the Scheme and the Family Pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A-12016/2/74-PF. I]

**का० आ० 709.**—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रौर भारत सरकार के भूतपूर्व भ्रम प्रौर पुनर्वास मंद्रालय (भ्रम प्रौर रोज़गार विभाग) की अधिकृत्ता संभाला का० आ० 3943, तारीख 15 नवम्बर, 1972 के अनुक्रम में केन्द्रीय सरकार जेन्डर परिवक हेल्प इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट, नागपुर को 23 प्रकट्यूर, 1973 से 22 प्रकट्यूर, 1974 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की प्रौर अवधि के लिए उक्त अधिनियम के पूर्वतन से छूट देती है।

[सं० एस० 38014/64/73-एच० आई०]

**S.O. 709.**—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of

1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3943, dated the 15th November, 1972 the Central Government hereby exempts the Central Public Health Engineering Research Institute, Nagpur from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 23rd October, 1973 upto and inclusive of the 22nd October, 1974.

[No. S-38014/64/73-HI]

**का० आ० 710.—**कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 5के की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये और भारत सरकार के भूत पूर्व श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिकारी सूचना सं० का० 820 तारीख 20 जनवरी, 1971 को अधिकारी करते हुये केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को उसके कर्तव्यों का पालन करने में सहायता करने के लिये सम्पूर्ण विहार राज्य के लिये श्री एस० एस० चटर्जी को केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त नियुक्त करती है।

[सं० ए०-12016(15)/73-पी० एफ० 1(i)]

**S.O. 710.—**In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 5D of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), and in supersession of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 820, dated the 20th January, 1971, the Central Government hereby appoints Shri S. S. Chatterjee as Regional Provident Fund Commissioner for the whole of the State of Bihar to assist the Central Provident Fund Commissioner in the discharge of his duties.

[No. A. 12016(15) /73-PF. I(i)]

**का० आ० 711.—**कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय की अधिकारी सूचना सं० का० 821, तारीख 20 जनवरी, 1971 को, अधिकारी करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री एस० एस० चटर्जी, को उक्त अधिनियम, स्कीम और उसके अधीन विरचित किसी कुटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के संबंध में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन, खान या तेल थेल या नियंत्रित उद्योग से सम्बन्धित किसी स्थापन के संबंध में या किसी ऐसे स्थापन के सम्बन्ध में जिसकी एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएं हों; सम्पूर्ण विहार राज्य के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं० ए०-12016(15)/73-पी० एफ० 1(ii)]

**S.O. 711.—**In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), and in supersession of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 821, dated the 20th January, 1971, the Central Government hereby appoints Shri S. S. Chatterjee to be an Inspector for the whole of the State of Bihar for the purposes of the said Act, the Scheme and the family pension scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A. 12016(15)/73-PF. I(ii)]

**का० आ० 712.—**कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार श्री डी० के० भट्टाचार्य को उक्त अधिनियम स्कीम और उसके अधीन विरचित किसी कुटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिये केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के संबंध में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन, खान या तेल थेल या नियंत्रित उद्योग से सम्बन्धित किसी स्थापन के संबंध में या एसे स्थापन के संबंध में जिसके एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएं हों; सम्पूर्ण विहार राज्य के लिये निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं० ए०-12016(18)/73-पी० एफ० 1]

**S.O. 712.—**In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri D. K. Bhattacharya to be an Inspector for the whole of the State of Bihar for the purposes of the said Act, the Scheme and the family pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A-12016/18/73-PF. II]

**का० आ० 713.—**कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार श्री एस० आर० नील कठिन को उक्त अधिनियम स्कीम और उसके अधीन विरचित किसी कुटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के संबंध में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन, खान या तेल थेल या नियंत्रित उद्योग से सम्बन्धित किसी स्थापन के संबंध में या एसे स्थापन के संबंध में जिसके एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएं हों; सम्पूर्ण तमिल नाडु राज्य और पाँचचीरी संघ राज्य थेव्र के लिये निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं० ए०-12016(5)/72-पी० एफ० 1]

**S.O. 713.—**In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri M. R. Neelakantan to be an Inspector for the whole of the State of Tamil Nadu and Union Territory of Pondicherry for the purposes of the said Act, the Scheme and the family pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A-12016/5/72-PF. II]

**का० आ० 714.—**यतः केन्द्रीय सरकार का तमाधान हो गया है कि जलकल-विभाग लाइन बोर्ड अम्बाला के कर्मकारों को कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) के अधीन उपर्युक्त प्रसुविधाएं जैसी स्मरणः प्रसुविधाएं प्राप्त हैं।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 90 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार कर्मचारी राज्य बीमा नियम से परामर्श करने के पश्चात् उक्त कारबाहे को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिये छूट देती है।

[का० सं० एस-38014(1)/74-एच० आई]

लालक जूआला अबर सचिव ।

**S.O. 714.**—Whereas the Central Government is satisfied that the employers of the Water Works Cantonment Board, Ambala are otherwise in receipt of benefits substantially similar to the benefits provided under the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 90 of the said Act, the Central Government, after consultation with the Employees' State Insurance Corporation, hereby exempts the above mentioned factory from the operation of the said Act for a period of one year with effect from the date of publication of this notification in the official Gazette.

[No. S. 38014(1)/74-HI]

LALFAK ZUALA, Under Secy.

नई दिल्ली, 2 मार्च, 1974

**का० प्रा० 715.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सी० एस० एण्ड एसोसिएशन नं० 4, स्मिथ रोड, माउंट रोड, मद्रास-2 जिसके अन्तर्गत उमका कारखाना नं० 66, पीटर्स रोड, मद्रास-6 भी है नामक स्थान से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए;

यतः, प्रबल, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के अप्रैल के प्रथम विन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस०-35019(41)/73-पी० एफ० 2(i)]

New Delhi, 2nd March, 1974

**S.O. 715.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs C. S. and Associates No. 4, Smith Road, Mount Road, Madras-2 including its factory at No. 66 Peters Road, Madras-6 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1973.

[No. S. 35019(41)/73-PF. II(i)]

**का० प्रा० 716.**—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये सम्बद्ध विषय में आवश्यक जारी करने के पश्चात् 1 अप्रैल 1973 से मैसर्स सी० एस० एण्ड एसोसिएशन नं० 4 स्मिथ रोड, माउंट रोड मद्रास-2 जिसके अन्तर्गत उमका कारखाना नं० 66 पीटर्स रोड मद्रास-6 नामक स्थापन को उक्त परन्तु के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस०-35019(41)/73-पी० एफ० 2(ii)]

**S.O. 716.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st April, 1973, the establishment known as Messrs C.S. and Associates, No. 4, Smith Road, Mount Road, Madras-2 including

its factory at No. 66 Peters, Madras-6 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(41)/73-PF. II(ii)]

**का० प्रा० 717.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गिरधर लाल जे० वोरा, 36 तमरिन्ड लेन, फॉर्ट, मुम्बई-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए;

यतः, प्रबल, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की फरवरी के अठाइसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[फा०मं० एस०-35018(104)/73-पी०एफ० 2]

**S.O. 717.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Girdharlal J. Vora, 36, Tomarind Lane, Fort., Bombay-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force from twenty-eighth day of February, 1973.

[No. S. 35018(104)/73-PF. II]

**का० प्रा० 718.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स विवेकानन्द मिल्स, ओल्ड अंजिरवाडी, मजगांव, मुम्बई-10, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किया जाने चाहिए;

यतः, प्रबल, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की फरवरी के अठाइसवें विन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35018(101)/73-पी०एफ० 2]

**S.O. 718.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vivekanand Mills, Old Anjirwadi, Mazgaon, Bombay-10 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty-eighth day of February, 1973.

[No. S. 35018(101)/73-PF. II]

**का० प्रा० 719.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नराकोर्प को-ऑपरेटिव कन्फ्यूमर्स सोसाइटी लिमिटेड एन०गार०मी० कालोनी मोहने पोस्ट, कल्याण जिला याना नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के जून के तीसरे दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35018(102)/73-पी०एफ० 2]

**S.O. 719.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Naracorp Co-operative Consumer's Society Limited, N.R.C. Colony, Mohane Post, Kalyan District Thana have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1972.

[No. S. 35018(102)/73-PF. II]

**का० प्रा० 720.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स विष्णु विलास स्टेशन रोड गुन्टूर-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के अगस्त के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(184)/72-पी०एफ० 2]

**S.O. 720.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vishnu Vilas, Station Road, Guntur-1 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1972.

[No. S. 35019/184/72-PF. II]

**का० प्रा० 721.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स भन्दुल लतीफ हाजी मोहम्मद लतीफ हाजस, आवरन मार्केट, 250 संत तुकाराम रोड, मुम्बई-9 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के दिसम्बर के इक्कीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35018(90)/73-पी०एफ० 2]

**S.O. 721.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Abdul Latif Haji Mohamed Latif House, Iron Market 250 Sant Tukaram Road, Bombay-9 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1972.

[No. S. 35018/90/73-PF. II]

**का० प्रा० 722.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इंडियन जनरल इंडस्ट्रीज, विलिंगडन आइलैण्ड कोचीन-3 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के जनवरी के इक्कीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(100)/73-पी०एफ० 2]

**S.O. 722.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Indian General Industries, Willingdon Island, Cochin-3 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall come into force on the thirty first day of January, 1974.

[No. S. 35019/100/73-PF. II]

**का०ग्रा० 723.**—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स विजयनगर ज्वाइंट फार्मिंग कॉम्पोरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, सालारजंग शुगर मिल्स, मुनिराबाद आर०एम० रायचूर डिस्ट्रिक्ट नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महमन हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, यह, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के मार्च के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(152)/73-पी०एफ० 2(i)]

**S.O. 723.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vijayanagar Joint Farming Cooperative Society Limited, Salarjung Sugar Mills, Munirabad R.S. Raichur District have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March 1973.

[No. S. 35019/152/73-PF. II (i)]

**का०ग्रा० 724.**—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 मार्च, 1973 से मैसर्स विजयनगर ज्वाइंट फार्मिंग कॉम्पोरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, सालारजंग शुगर मिल्स, मुनिराबाद आर०एम० रायचूर डिस्ट्रिक्ट नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियिष्ट करती है।

[सं० एस०-35019(152)/73-पी०एफ० 2(ii)]

**S.O. 724.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st March, 1973 the establishment known as Messrs Vijayanagar Joint Farming Cooperative Society Limited, Salarjung Sugar Mills, Munirabad R.S. Raichur District for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/152/73-PF. II(i)]

**का०ग्रा० 725.**—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पर्सी मिनेमा, आर०-108/2, श्रकार रोड, कलकत्ता-24 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महमन हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, यह, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

145 G of 1/73—7

यह अधिसूचना 1968 के अगस्त के इकाईसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० 8/118/68-पी०एफ० 2]

**S.O. 725.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Pari Cinema, R-108/2, Akra Road, Calcutta-24 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of August, 1968.

[No. 8/118/68-PF. II]

**का०ग्रा० 726.**—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जीत उद्योग, बी० 3, इण्डस्ट्रियल एस्टेट, कटक-3 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महमन हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, यह अधिसूचना 1973 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

यह अधिसूचना 1973 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(42)/73-पी०एफ० 2(i)]

**S.O. 726.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jeet Udyog, B-3, Industrial Estate, Cuttack-3 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1973.

[No. S. 35019(42)/73-PF. II (i)]

**का०ग्रा० 727.**—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुऐ, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 अप्रैल, 1973 से मैसर्स जीत उद्योग, बी०-3, इण्डस्ट्रियल एस्टेट, कटक-3 नामक स्थापन को उत्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियिष्ट करती है।

[सं० एस०-35019(42)/73-पी०एफ० 2(ii)]

**S.O. 727.**—In exercise of the powers, conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st April, 1973, the establishment known as Messrs Jeet Udyog, B-3, Industrial Estate, Cuttack-3, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(42)/73-PF. II(ii)]

**का० आ० 728.**—यतः भैरवीप सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्रीराम पाण्ड ट्रेडर्स, 316, थम्बुचेट्टा स्ट्रीट, मद्रास-1 नामक स्थान से मम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों को बहुसंख्या इस आन पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने द्वारे केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के जून के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस०-35019(135)/73-पी० एफ० 2(i)]

**S.O. 728.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Seeram Pipe Traders, 316, Thambu Chetty Street, Madras-1 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1973.

[No. S. 35019(135)/73-PF. II(i)]

**का० आ० 729.**—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, मम्बद्ध विषयों में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 जून, 1973 से मैसर्स श्रीराम पाण्ड ट्रेडर्स 316, थम्बुचेट्टा स्ट्रीट, मद्रास-1 नामक स्थापन की उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस०-35019(135)/73-पी० एफ० 2(ii)]

**S.O. 729.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st June, 1973, the establishment known as Messrs Seeram Pipe Traders, 316, Thambu Chetty Street, Madras-1 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(135)/73-PF. II(ii)]

**का० आ० 730.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पी० बी० शाह, विष्णु निकेन, न्यू चर्नी रोड, मुम्बई-4 नामक स्थापन से मम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों को बहुसंख्या इस आन पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने द्वारे केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के दिसम्बर के इकातीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस०-35018(99)/73-पी० एफ० 2]

**S.O. 730.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs P. B. Shah, Vishnu Niketan, New Charni Road, Bombay-4 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1972.

[No. S. 35018(99)/73-PF. II]

**का० आ० 731.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पिपलिया इंजीनियरिंग वर्क्स, पिपलिया कला बारासा ब्यावर (राजस्थान) नामक स्थापन से मम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस आन पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने द्वारे केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1971 के फरवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस०-35019(99)/73-पी० एफ० 2(i)]

**S.O. 731.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Pipalia Engineering Works, Pipalia-Kalan, via Beawer (Rajasthan) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of February, 1971.

[No. S. 35019/99/73-PF. II(ii)]

**का० आ० 732.**—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये मम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 फरवरी, 1971 से मैसर्स पिपलिया इंजीनियरिंग वर्क्स पिपलिया कला बारासा ब्यावर (राजस्थान) नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस०-35019(99)/73-पी० एफ० 2(ii)]

**S.O. 732.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st day of February 1971 the establishment known as Messrs Pipalia Engineering Works, Pipalia Kalan, via Beawer (Rajasthan) for the purpose of the said proviso.

[No. S. 35019/99/73-PF. II(ii)]

का० आ० 733.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैमसैं इनफिल कम्पलेट्डम प्राइवेट लिमिटेड, 701, प्रसाद चैम्बर्स, श्रापरंगाऊडग, मुम्बई-1 नामक स्थापन से मम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की व्यूनिया इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेणन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गतिकों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई गमस्ती जायेगी।

[सं० एम-35018(96)/73-पी० एफ० 2]

**S.O. 733.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Infin Consultants Private Limited, 701, Prasad Chambers, Opera House, Bombay-4 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1972.

[No. S. 35018(96)/73-PF. II]

का० आ० 734.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैमसैं असई मैन्यूर्फ्युरिंग कम्पनी, 133, गवर्नरमेट इन्डस्ट्रीजल एस्टेट, कन्दिल्ली, मुम्बई-67 नामक स्थापन से मम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की व्यूनिया इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेणन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त गतियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के दिसंबर के इकलीमये दिन को प्रवृत्त हुई गमस्ती जायेगी।

[सं० एम-35018(103)/73-पी० एफ० 2]

**S.O. 734.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Atai Manufacturing Company, 133, Government Industrial Estate, Kandivli Bombay-67 have agreed that the provisions of the

Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1972.

[No. S. 35018(103)/73-PF. III]

का० आ० 735.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैमसैं विहार रिफिल्मेंट्स, श्याम भवन, लेन्ड्रे स्टेणन के मामले गोदावरी चौड मुलन्ड (ईस्ट) मुम्बई-81 नामक स्थापन से गम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों को व्यूनिया इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेणन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गतियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के अगस्त के इकलीमये दिन को प्रवृत्त हुई गमस्ती जायेगी।

[सं० एम-35018(92)/73-पी० एफ० 2]

**S.O. 735.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vihar Refreshments, Shyam Bhavan, Opposite Railway Station Gokhale Road Mulund (East) Bombay-81 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the Thirty-first day of August, 1972.

[No. S. 35018/92/73-PF. II]

का० आ० 736.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैमसैं एस्टेट एन्ड एस्ट्रीट, 45, थम्बु चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1 नामक स्थापन से मम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की व्यूनिया इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेणन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

प्रतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुये केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के जून के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम-35019(134)/73-पी० एफ० 2(i)]

**S.O. 736.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Western Agencies, 45, Thambu Chetty Street, Madras-1 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1973.

[No. S. 35019(134)/73-PF. II(i)]

का० आ० 737.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में शावश्यह जात्य करने के पश्चात् 1 जून, 1973 से मैसर्स वेस्टर्न एजेंसीज, 45 घम्बू, चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एम-35019(134)/73-पी० एफ० 2(ii)]

दलजीत सिंह, अवर सचिव

**S.O. 737.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st June, 1973, the establishment known as M/s. Western Agencies, 45 Thambu Chetty Street, Madras-1 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(134)/73-PF. II(ii)]

DALJIT SINGH, Under Secy.